राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अकं : 169 पटना (बिहार) सोमवार,21 अप्रैल 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

नीतीश सिर्फ कुर्सी के लिए पाला बदलते हैं', मल्लिकार्जुन खरगे का बड़ा आरोप

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

बक्सरः कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को बिहार के बक्सर में आयोजित 'जय बापू, जय भीम और जय संविधान' रैली को संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने राज्य की सत्ताधारी जोड़ी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 'अवसरवादी गठबंधन' करार दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सत्ता के लिए बार-बार पाला बदलने का आरोप लगाते हुए जनता से आगामी विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को सत्ता से बेदखल करने की अपील की।मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि नीतीश कुमार सिर्फ ह्यकुर्सीह्न के लिए पाला बदलते हैं। उन्होंने कहा कि जदयू प्रमुख ने महात्मा गांधी की हत्या करने वाली विचारधारा से हाथ मिला लिया है। यह गठबंधन राज्य के हित में नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए खरगे ने कहा कि 2015 में किए गए 1.25 लाख करोड़ रुपये के विशेष पैकेज के वादे का अब तक कोई अता-पता नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, 'मोदी जी झूठ की फैक्टरी चला रहे हैं। बिहार के लोगों को उनसे हिसाब मांगना चाहिए।' कांग्रेस अध्यक्ष ने

जनता से अपील की कि वे ह्यमहागठबंधनह्न को वोट दें और भाजपा-जदयू की सरकार को सत्ता से हटाएं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा की है। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी द्वारा दायर आरोपपत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए खरगे ने कहा, 'यह कांग्रेस को निशाना बनाने की साजिश है। हमारे नेताओं को डराया नहीं जा सकता। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए जान दी है।' खरगे ने आरएसएस और भाजपा पर समाज के कमजोर वर्गों, गरीबों और महिलाओं के खिलाफ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'ये ताकतें जाति और धर्म के आधार पर समाज को बांटने का काम करती हैं। वक्फ संशोधन अधिनियम भी इन्हीं की साजिश है, जिससे समुदायों में फूट डाली जा सके।'

प्रदेश में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में हैं'...बरसे तेजस्वी

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

हाजीपुर :बिहार में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं और भ्रष्टाचार को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोला है। शनिवार को हाजीपुर पहुंचे तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है, जबकि मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में दिनदहाड़े हत्या, लूट और बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि थाना और ब्लॉक स्तर पर भ्रष्टाचार बेतहाशा बढ़ गया है। आम जनता परेशान है, बिना घूस दिए कोई भी काम नहीं होता। यह स्थिति मंत्री स्तर तक फैली हुई है। ग्लोबल टेंडर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि बिहार के स्थानीय ठेकेदारों को काम नहीं मिल रहा है। बाहर की कंपनियों को कमीशन के बदले काम दिया जा रहा है। इससे आने वाले समय में वित्तीय अराजकता फैलेगी। एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बीते 20 वर्षों में बिहार को बेरोजगारी, महंगाई और पलायन के अलावा कुछ नहीं मिला। प्रति व्यक्ति आय और किसानों की आय के मामले में बिहार आज भी सबसे पीछे है। तेजस्वी यादव ने कहा कि एनडीए की 20 साल की 18 सरकारों से जनता अब काफी नाराज है और इस बार बदलाव तय है। ये लोग कभी असल मुद्दों की बात नहीं करते। चिराग पासवान को लेकर पूछे गए सवाल पर तेजस्वी ने कहा कि उनके बारे में हमें कुछ नहीं कहना है। वह खुद तय करें कि उन्हें क्या करना है। नेता प्रतिपक्ष हाजीपुर और बिदुपुर में आयोजित विभिन्न शादी और श्राद्ध कार्यक्रमों में शामिल होने पहुंचे थे।

एक नजर

प्रेम और उल्लास का त्यौहार ईस्टर की देशभर में धूमः राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य नेताओं ने दी शुभकामनाएं

प्रभु यीशु के पुनरुत्थान का पर्व नई उम्मीदों का प्रतीक

नई दिल्ली,। देशभर में रविवार को ईस्टर का त्योहार श्रद्धा, प्रेम और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। यह पर्व प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान की याद में हर वर्ष गुड फ्राइडे के बाद पहले रविवार को मनाया जाता है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई नेताओं व गणमान्य नागरिकों ने देशवासियों को बधाई दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ईस्टर की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, इस अवसर पर हम ईसा मसीह के पुनरुत्थान का जश्न मनाते हैं। यह त्योहार नई उम्मीद और नई शुरूआत की भावना को प्रेरित करता है। ईसा मसीह की शिक्षाएं मानवता को प्रेम और त्याग के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। आशा और आनंद का यह त्योहार सभी के लिए शांति और समृद्धि लाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा, सभी को ईस्टर की हार्दिक शुभकामनाएं। यह ईस्टर विशेष है, क्योंकि दुनिया भर में जुबली वर्ष को बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह पवित्र अवसर प्रत्येक व्यक्ति में आशा, नवीनीकरण और करुणा की प्रेरणा दे। चारों ओर आनंद और सद्भाव हो। यहां बताते चलें कि जुबली वर्ष हर 25 वर्षों में एक बार आता है, जिसे पोप द्वारा विशेष रूप से अनुग्रह, क्षमा और आध्यात्मिक नवीनीकरण के समय के रूप में घोषित किया जाता है। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी अपने संदेश में कहा, आपको और आपके प्रियजनों को ईस्टर की हार्दिक शुभकामनाएं। यह आनंदमय अवसर सभी के जीवन में नया आरंभ, नयी आशा और स्थायी सुख-शांति लेकर आए। क्यों मनाया जाता है ईस्टर?

ईस्टर ईसाई धर्म का सबसे पवित्र पर्व माना जाता है। मान्यता के अनुसार, प्रभु यीशु मसीह को लोगों के पापों के प्रायश्चित हेतु क्रूस पर चढ़ाया गया था, जिसे गुड फ्राइडे कहा जाता है। लेकिन इसके तीन दिन बाद रविवार को वे पुनर्जीवित हो उठे। इस चमत्कार को ईश्वर की शक्ति और जीवन की जीत के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इस दिन गिरिजाघरों में विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की जाती हैं, मोमबत्तियाँ जलाई जाती हैं, और लोग एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं।

राहुल गांधी का मिशन फेल तो खरगे आए, मगर भूल गए कि बिहार में हैं'; भाजपा अध्यक्ष

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना :कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आज बिहार के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने एनडीए पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर हमला किया। उनके बयानबाजी के बाद बिहार की राजनीतिक सियासत गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ किये गये बयानबाजी पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सीधे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले राहुल गांधी बिहार आए थे। उस समय उन्होंने अपने मीडिया ब्वॉय कन्हैया कुमार को 'पलायन रोको यात्रा' के लिए नियुक्त किया था। लेकिन, यह प्रयास सफल नहीं हुआ। फिर राहुल गांधी ने मल्लिकार्जुन खरगे को भेजा, जो भूल गए कि वह बिहार में हैं। वह अभी भी दिल्ली के मुद्दों को यहां उठा रहे हैं।दिलीप जायसवाल ने खरगे को नसीहत देते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष को यह ध्यान रखना चाहिए कि हमने बिहार में सड़क और राजमार्गों के लिए घोषित 1.5 लाख करोड़ रुपये के पैकेज के तहत तीन लाख करोड़ रुपये जारी किए हैं। दिलीप जायसवाल ने इंडिया गठबंधन के समन्वय समिति के अध्यक्ष तेजस्वी यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर लालू यादव का परिवार अपने चारा घोटाले का पैसा वापस कर दे, तो उन्हें बिहार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। बक्सर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी बिहार के विकास के लिए नहीं, बल्कि केवल कुर्सी के लिए है। मल्लिकार्जुन खरगे ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि वह एक बार इंडिया गठबंधन की गोद में आते हैं। फिर कुछ दिन गुजारने के बाद उन्हें लगा कि भाजपा की सरकार बनने वाली है तो वह इधर से उधर चले जाते हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह देश के लिए सही नहीं। वह गरीब, किसान, अछूत, पिछड़ा और अति पिछड़ा को बर्बाद करने लिए इधर से उधर जाते हैं

वक्फ बोर्ड ने गरीबों के लिए एक भी स्कूल खोला है :राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान

संवाददाता द्वारा

पटनाः ऑल इंडिया यूनाइटेड मुस्लिम मोर्चा के पसमांदा कॉन्फ्रेंस में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने वक्फ बोर्ड वालों को बड़ी नसीहत दे दी. उन्होंने कहा कि मिशनरीज ने शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा काम किया है. पटना में कई स्कूल खुले हैं लेकिन वक्फ बोर्ड ने क्या किसी गरीब के लिए एक भी स्कूल खोला है? गवर्नर ने कहा कि वक्फ का यदि सही इस्तेमाल हो जाता तो इस कार्यक्रम में आने की जरूरत नहीं पड़ती लोगों को. वक्फ बोर्ड को राज्यपाल की नसीहतः ऑल इंडिया मुस्लिम मोर्चा के कार्यक्रम में राज्यपाल ने कुरान का हवाला देते हुए कहा कि कुरान में गरीबों की मदद करने की बात कही गई है. उन्होंने कहा कि मैं पूछता हूं कि वक्फ यदि कमजोर और गरीब की मदद करने के लिए नहीं है तो काहे के लिए है? राज्यपाल ने बापू सभागार में लोगों से पूछा कि क्या कोई बता सकता है कि पटना में कोई अस्पताल, यतीम खाना या चैरिटी संस्थान वक्फ वाले चला रहे हैं. वक्फ की जमीन पर बड़ी-बड़ी बिल्डिंग मिलेंगी, कमर्शियल कॉम्पलेक्स हैं लेकिन स्कूल नहीं. चाहे किसी कम्युनिटी के लोग हों. खुशामद करते हैं कि मेरे बच्चों का एडमिशन कर लो. पिछले 25-30 सालों में मिशनरीज के अलावे दूसरे स्कूल भी आ गए हैं लेकिन कोई बता सकता है कि पटना ने वक्फ वालों ने गरीबों के लिए एक भी स्कूल खोला क्या?₹- आरिफ मोहम्मद खान, राज्यपाल, बिहार माइनॉरिटी शब्द पर क्या बोले?: राज्यपाल ने माइनॉरिटी शब्द के इस्तेमाल को लेकर भी हिदायत दी कहा कि संविधान में माइनॉरिटी शब्द का कहीं प्रयोग नहीं है. संविधान में सबको बराबर अधिकार दिया गया है. यदि आप माइनॉरिटी शब्द का प्रयोग कर रहे हैं यानी कि कम दिखाने की कोशिश कर रहे हैं. अमीर मुसलमानों पर भी राज्यपाल ने निशाना साधते हुए कहा कि उनके बच्चे अमेरिका में पढ़ेंगे और गरीब के बच्चे मदरसा में. क्या बोले आयोजक?: ऑल इंडिया यूनाइटेड मुस्लिम मोर्चा के पसमांदा कॉन्फ्रेंस का आयोजन डॉ एजाज अली की ओर से किया गया था. बापू सभागार में बड़ी संख्या में कुर्सियां खाली रह गईं. इसी कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी आने वाले थे लेकिन उनका कार्यक्रम एक दिन पहले कैंसिल हो गया. डॉ. अली ने दलित एक्ट में मुस्लिम गरीबों को भी शामिल करने की मांग राज्यपाल से की राज्यपाल ने आश्वासन दिया कि हम इसे प्रधानमंत्री को भेज देंगे. ₹सभी दल के नेताओं को आमंत्रित किया गया था लेकिन पसमांदा का सिर्फ लोग वोट लेते हैं, जब उनके मुद्दे को लेकर चर्चा होती है तो उसमें भाग नहीं लेते हैं.- डॉ एजाज अली, आयोजक

सिद्धार्थ साहब! देख रहे हैं, औरंगाबाद के डीईओ ने सरकारी गाड़ी से की शादी में शिरकत

संवाददाता द्वारा

औरंगाबादः औरंगाबाद के जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) सुरेंद्र कुमार एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। उन्होंने सरकारी पद और संसाधनों का दुरुपयोग करते हुए विभागीय स्कॉर्पियो गाड़ी से लगभग 300 किलोमीटर दूर दरभंगा में एक शादी समारोह में हिस्सा लिया। यह मामला तब तूल पकड़ गया जब उनकी इस यात्रा की वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। जानकारी के अनुसार, मामला 18 अप्रैल 2025 (शुक्रवार) का है, जिसमें डीईओ साहब दरभंगा में डीपीओ भोला कर्ण की शादी में शामिल होते नजर आ रहे हैं। उनके साथ सरकारी स्कॉर्पियो (रजिस्ट्रेशन संख्या BR 26 PA 6207) भी साफ दिख रही है, जो विभागीय जांच व निरीक्षण कार्यों के लिए मुहैया कराई गई थी। मिली जानकारी के मुताबिक, यह गाड़ी रेंट कॉन्ट्रैक्ट पर पवन कुमार सिंह नामक व्यक्ति के नाम रजिस्टर्ड है। विभाग और गाड़ी मालिक के बीच प्रति माह 1400 किलोमीटर के उपयोग का अनुबंध होता है, जिसके एवज में 50-60 हजार रुपये का भुगतान किया जाता है।

अब डीईओ साहब एक यात्रा में ही करीब 600 किलोमीटर की दूरी तय कर चुके हैं, ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बाकी किलोमीटर के लिए क्या वह ईंधन का खर्च निजी तौर पर उठाएंगे या इसे भी विभागीय भ्रमण बताकर भरपाई की जाएगी? एम परिवहन ऐप से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस स्कॉर्पियो गाड़ी का पॉल्यूशन सर्टिफिकेट, बीमा और फिटनेस प्रमाणपत्र तीनों ही खत्म हो चुके हैं। इसका मतलब है कि यह गाड़ी किसी भी तरह से सड़क पर चलने के योग्य नहीं है। अगर इस दौरान कोई हादसा होता, तो जिम्मेदार कौन होता?

नियम के अनुसार, किसी भी जिला स्तरीय अधिकारी को मुख्यालय से बाहर जाने के लिए जिलाधिकारी और संबंधित विभाग से पूर्व अनुमति लेनी होती है। अब सवाल है कि क्या डीईओ सुरेंद्र कुमार ने दरभंगा जाने से पहले यह अनुमति ली थी? यदि नहीं, तो यह स्पष्ट रूप से नियम उल्लंघन है। डीईओ सुरेंद्र कुमार से उनका पक्ष जानने के लिए उनके सरकारी मोबाइल नंबर +91 85444 11020 पर संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। सरकारी प्रावधानों के अनुसार, किसी भी अधिकारी को छुट्टी के दिन भी सरकारी कॉल उठाना या बाद में कॉल बैक करना अनिवार्य होता है। लेकिन डीईओ साहब की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दिलचस्प बात यह है कि विभाग के एसीएस एस. सिद्धार्थ खुद व्यवस्था सुधारने में जुटे हैं- कभी ट्रेन, कभी टेम्पो से स्कूलों का निरीक्षण कर रहे हैं, वहीं उनके अधीनस्थ अधिकारी नियमों की खुलेआम अवहेलना कर रहे हैं। डीईओ की यह हरकत न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि विभागीय साख पर भी सीधा हमला है। अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि क्या एसीएस और जिलाधिकारी डीईओ सुरेंद्र कुमार के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे, या फिर मामला यूं ही ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

अभिनेता बिहार का CM नहीं बनेगा', विजय सिन्हा के बयान पर भड़के चिराग समर्थक

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

जमुईः बिहार एनडीए में सीएम पद को लेकर अब तक तस्वीर साफ होने की बजाय धुंधली होती जा रही है. अब तो इसको लेकर घटक दलों में टकराव की भी स्थिति बनती दिख रही है. एक तरफ जहां चिराग पासवान ने कहा कि वह अपने प्रदेश की राजनीति में लौटना चाहते हैं, वहीं दूसरी तरफ बीजेपी नेता और डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के बयान से तकरार शुरू हो गया है. क्या बोले विजय सिन्हा?: दरअसल, पटना में पत्रकारों ने जब उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा से सीएम पद को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि अब कोई अभिनेता बिहार का सीएम नहीं बनेगा. उन्होंने आगे कहा कि जो लोग सोने का चम्मच लेकर मां-बाप के नाम पर राजनीति कर रहे हैं, जनता वैसे लोगों से मुक्ति चाहती है. ₹बिहार में अभिनेता अब सीएम नहीं बनेगा. नेता सीएम बनेगा, जो जनता का सेवक रहेगा. अब खलनायक की जरूरत नहीं है, बिहार को नायक की जरूरत है. जो जमीन से उठकर जनता के बीच अपना विश्वसनीयता बनाके आया है, जो सोने का चम्मच लेकर बाप-माय के नाम पर राजनीति कर रहे हैं. ऐसे लोगों से जनता मुक्ति चाह रही है.- विजय कुमार सिन्हा, उप-मुख्यमंत्री, बिहार क्या चिराग के लिए बोला?: विजय सिन्हा के बयान को इसलिए चिराग पासवान से जोड़कर देखा जा रहा है, क्योंकि राजनीति में आने से पहले चिराग अभिनेता थे. उन्होंने साल 2011 एक फिल्म में बतौर एक्टर काम किया था. वहीं, 'सोने का चम्मच लेकर बाप-माय के नाम पर राजनीति' करने का आरोप भी उन पर लगता रहा है, क्योंकि उनके पिता रामविलास पासवान बड़े राजनेता थे. वह कई सरकारों में केंद्रीय मंत्री भी रहे थे. चिराग ने बिहार लौटने की इच्छा जताईः कुछ समय पहले ही चिराग पासवान ने केंद्र की राजनीति को छोड़कर बिहार लौटने की इच्छा जाहिर की है. उन्होंने कहा, 'मेरा प्रदेश मुझे बुला रहा है. मेरे पिता केंद्र की राजनीति में ज्यादा सक्रिय रहे थे लेकिन मेरी प्राथमिकता बिहार है और मैं ज्यादा समय तक केंद्र की सियासत में नहीं रहना चाहता हूं.' वहीं, उनके जीजा और जमुई से सांसद अरुण भारती ने कहा कि अगर कोई देश के युवाओं का प्रतिनिधित्व कर रहा है तो वो चिराग पासवान ही हैं. विजय सिन्हा के बयान पर भड़के चिराग समर्थकः सीएम पद को लेकर विजय कुमार सिन्हा के बयान के बाद सियासत गरमा गई है. चिराग पासवान के समर्थक इस बयान से काफी नाराज है. इसको लेकर जुमई में एलजेपीआर और बीजेपी कार्यकताओं के बीच सोशल मीडिया पर 'तू-तू मैं-मैं' शुरू हो गई है. राजनेता से पहले अभिनेता थे चिराग?: केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने करियर की शुरूआत ग्लैमर की दुनिया से की थी. उन्होंने साल 2011 में 'मिले ना मिले हम' में बतौर लीड एक्टर काम किया था. बीजेपी सांसद कंगना रनौत इस फिल्म में उनकी अभिनेत्री थीं. हालांकि फिल्म फ्लॉप रही, जिसके बाद साल 2013 में वह पिता रामविलास पासवान की पार्टी एलजेपी के पार्लियामेंट्री बोर्ड के अध्यक्ष बना गए. साल 2014 में जमुई (सुरक्षित) सीट से वह पहली बार लोकसभा सांसद बने.

बक्सर नेशनल हाईवे पर धू-धू कर जला बालू लदा ट्रक, हादसे की सूचना पर मालिक को आया अटैक

संवाददाता द्वारा

बक्सर : बक्सर के नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत पुराना भोजपुर में एनएच 922 पर एक बालू लदे ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई. आग की लपटें इतनी तेज थीं कि हाईवे पर अफरातफरी मच गई. ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया. बक्सर में ट्रक में लगी आग : स्थानीय लोगों की सूचना पर डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी मौके पर पहुंचे. तत्परता दिखाते हुए उन्होंने दमकल विभाग को सूचना दी. मौके पर पहुंचीं चार दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. इस दौरान नेशनल हाईवे पर लंबा जाम लग गया जिसे हटाने में पुलिसकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी. ट्रक मालिक को पड़ा दिल का दौरा : ट्रक उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर निवासी अखिलेश कुमार शुक्ला के नाम पर रजिस्टर्ड है. नया भोजपुर ओपी प्रभारी मनीष कुमार के अनुसार, जैसे ही ट्रक में आग लगने की सूचना मालिक को दी गई, उन्हें हार्ट अटैक आ गया. फिलहाल वे अस्पताल में भर्ती हैं और उनका इलाज जारी है. यह जानकारी ट्रक एसोसिएशन के अध्यक्ष आलोक कुमार ने दी. बैट्री शॉर्ट सर्किट से लगी आग का अंदेशा : मामले की पुष्टि करते हुए डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि ₹ट्रक में आग लगने का कारण बैट्री शॉर्ट सर्किट हो सकता है. हालांकि, जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी. फिलहाल ट्रक का ड्राइवर फरार है. पुलिस की तत्परता से टली बड़ी घटना : चिलचिलाती धूप और पछुआ हवा के बीच आग ने विकराल रूप ले लिया था. लेकिन डुमरांव डीएसपी की तत्परता और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से बड़ी घटना टल गई. UP45T7459 नंबर का ट्रक अखिलेश कुमार शुक्ला के नाम पर पंजीकृत है.

महाराष्ट्र राजनीतिक धमाका : उद्धव राज ठाकरे से हाथ मिलाने को तैयार

शनिवार को भारतीय कामगार सेना की 51वीं वार्षिक सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ने कहा, "मैं राज ठाकरे के साथ मिलकर काम करने को तैयार हूं। महाराष्ट्र के हित में मैं छोटी-मोटी घटनाओं को भूलकर आगे बढ़ने को तैयार हूं। मैंने सारी लड़ाइयां खत्म कर दी हैं। महाराष्ट्र का हित मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर महाराष्ट्र की जनता चाहती है कि ठाकरे भाई एक साथ आएं, तो वह इस दिशा में कदम उठाएंगे। उद्धव का यह बयान बीएमसी चुनाव से पहले एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है, क्योंकि शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस दोनों ही मराठी मतदाताओं के बीच प्रभाव रखते हैं। राज ठाकरे ने भी उद्धव के बयान का स्वागत करते हुए समान भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, "हमारे बीच का विवाद छोटा है, लेकिन यह महाराष्ट्र और मराठी लोगों के लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है। अगर महाराष्ट्र चाहता है कि हम एक साथ आएं, तो मैं अपने अहं को आड़े नहीं आने दूंगा।

ब्यूरो

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मनसे नेता राज ठाकरे के साथ हाथ मिलाने की इच्छा जताई है। उन्होंने शनिवार को कहा कि मैंने राज ठाकरे से सारी लड़ाई खत्म की। बीएमसी चुनावों से पहले इस बड़ा राजनीतिक कदम माना जा रहा है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के अध्यक्ष राज ठाकरे के साथ राजनीतिक गठबंधन की संभावना को हरी झंडी दिखाकर महाराष्ट्र की सियासत में शनिवार 19 अप्रैल को एक नया मोड़ ला दिया है। उद्धव ने कहा कि वह महाराष्ट्र के हित में सभी पुरानी लड़ाइयों को भुलाकर राज के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव नजदीक हैं और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन चुनौतियों का सामना कर रहा है। उद्धव और राज ठाकरे, शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे के बेटे और भतीजे हैं। दोनों की राजनीतिक यात्रा एक समय शिवसेना के साझा मंच पर शुरू हुई थी, लेकिन 2005 में मतभेदों के चलते राज ने शिवसेना छोड़कर एमएनएस की स्थापना की। राज की आक्रामक और मराठी अस्मिता पर केंद्रित राजनीति ने उन्हें एक अलग पहचान दी, लेकिन उनकी पार्टी शिवसेना की तरह व्यापक प्रभाव नहीं बना सकी। दोनों भाइयों के बीच वर्षों तक तल्खी रही, हालांकि समय-समय पर सुलह की बातें भी सामने आईं। शनिवार को भारतीय कामगार सेना की 57वीं वार्षिक सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ने कहा, "मैं राज ठाकरे के साथ मिलकर काम करने को तैयार हूं। महाराष्ट्र के हित में मैं छोटी-मोटी घटनाओं को भूलकर आगे बढ़ने को तैयार हूं। मैंने सारी लड़ाइयां खत्म कर दी हैं। महाराष्ट्र का हित मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर महाराष्ट्र की जनता चाहती है कि ठाकरे भाई एक साथ आएं, तो वह इस दिशा में कदम उठाएंगे। उद्धव का यह बयान बीएमसी चुनाव से पहले एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है, क्योंकि शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस दोनों ही मराठी मतदाताओं के बीच प्रभाव रखते हैं। राज ठाकरे ने भी उद्धव के बयान का स्वागत करते हुए समान भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, "हमारे बीच का विवाद छोटा है, लेकिन यह महाराष्ट्र और मराठी लोगों के लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है। अगर महाराष्ट्र चाहता है कि हम एक साथ आएं, तो मैं अपने अहं को आड़े नहीं आने दूंगा।" राज ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके लिए बाला साहेब ठाकरे ही एकमात्र नेता थे, और वह उद्धव के साथ काम करने में कोई आपत्ति नहीं देखते। उद्धव का यह कदम ऐसे समय में आया है, जब एमवीए गठबंधन, जिसमें शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) शामिल हैं, पिछले साल विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद संकट से जूझ रहा है। उद्धव ने हाल ही में चुनाव परिणामों को "अविश्वसनीय" और "सुनामी जैसा" बताया था, जिससे गठबंधन की एकजुटता पर सवाल उठे हैं। दो दिनों पहले पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे ने राज ठाकरे के आवास पर जाकर भोजन किया था। उस समय शिंदे ने कहा था कि उनके विचार आपस में मिलते हैं। उसी मुलाकात के बाद उद्धव और राज ठाकरे के एक होने की सूचनाएं फैलने लगी थीं। लेकिन कहा जा रहा है कि दोनों के एक होने की सूचना पाकर ही शिंदे वहां गए थे। राज ठाकरे ने हाल के वर्षों में भाजपा के साथ करीबी दिखाई थी, खासकर 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने महायुति गठबंधन का समर्थन किया था। हालांकि, एमएनएस को विधानसभा चुनाव में कोई सीट नहीं मिली, जिसके बाद राज ने अपनी रणनीति पर पुनर्विचार शुरू किया। बीएमसी चुनाव, जो भारत की सबसे बड़ी नगर निगम संस्था का चुनाव है, महाराष्ट्र की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिवसेना ने लंबे समय तक बीएमसी पर कब्जा जमाए रखा, लेकिन 2022 में पार्टी के विभाजन और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के उदय ने समीकरण बदल दिए। उद्धव और राज का संभावित गठजोड़ मराठी मतदाताओं को एकजुट करने और भाजपा-शिंदे गठबंधन को चुनौती देने की रणनीति हो सकता है।राज की एमएनएस भले ही विधानसभा में सीटें न जीत सकी हो, लेकिन मुंबई और ठाणे जैसे शहरी क्षेत्रों में उनके पास एक समर्पित कार्यकर्ता आधार है। अगर दोनों ठाकरे भाई एक साथ आते हैं, तो यह मराठी अस्मिता के मुद्दे को फिर से मजबूती दे सकता है, जो शिवसेना और एमएनएस दोनों का मूल आधार रहा है। उद्धव और राज के बीच यह सुलह कितनी गहरी होगी और क्या यह बीएमसी चुनाव में कोई ठोस गठबंधन बन पाएगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। दोनों नेताओं ने महाराष्ट्र के हित को प्राथमिकता देने की बात कही है, लेकिन अतीत में उनके बीच गहरे मतभेद रहे हैं। उद्धव ने जहां एमवीए के साथ रहकर समावेशी राजनीति की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, वहीं राज ने हाल के वर्षों में हिंदुत्व और मराठी अस्मिता पर आक्रामक रुख अपनाया है। यह गठजोड़ अगर सफल होता है, तो यह न केवल बीएमसी चुनाव, बल्कि भविष्य के विधानसभा चुनावों में भी महाराष्ट्र की सियासत को नया रंग दे सकता है। फिलहाल, सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि ठाकरे भाई अपनी पुरानी रंजिशों को कितनी जल्दी और कितनी मजबूती से पीछे छोड़ पाते हैं।

अमित शाह के बयान का खंडन क्यों करना पड़ा एआईएडीएमके को

ब्यूरो

नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी (एढर) ने स्पष्ट किया कि भाजपा के साथ गठबंधन सिर्फ 2026 के तमिलनाडु चुनावों के लिए है। यह एक तरह से अमित शाह के बयान का खंडन है। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान का खंडन किया है। पलानीस्वामी ने स्पष्ट किया कि 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ उनकी पार्टी का गठबंधन केवल चुनावी है। इसमें सत्ता साझेदारी या गठबंधन सरकार का कोई इरादा नहीं है। यह बयान अमित शाह के उस दावे के पांच दिन बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि बीजेपी और एआईएडीएमके मिलकर 2026 के चुनाव लड़ेंगे और सरकार बनाएंगे। पिछले हफ्ते चेन्नई में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित शाह ने घोषणा की थी कि बीजेपी और एआईएडीएमके 2026 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बैनर तले एक साथ लड़ेंगे, और यह गठबंधन ईपीएस के नेतृत्व में तमिलनाडु में सरकार बनाएगा। शाह ने यह भी संकेत दिया था कि यह एक गठबंधन सरकार होगी। हालांकि, बुधवार को विधानसभा से निकलते समय पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ईपीएस ने कहा, "आप लोग गलत व्याख्या कर रहे हैं और शब्दों के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रहे हैं। कृपया ऐसा करना बंद करें।" उन्होंने दावा किया कि शाह ने गठबंधन सरकार की बात नहीं की थी, बल्कि केवल यह कहा था कि गठबंधन चुनाव में जीत हासिल करेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि तमिलनाडु में 1967 के बाद से डीएमके और एआईएडीएमके दोनों ने कई दलों के साथ गठबंधन किए हैं, लेकिन उन्होंने कभी गठबंधन सरकार नहीं बनाई। उन्होंने कहा, "यहां तक कि जब डीएमके के पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त विधायक नहीं थे, तब भी उन्होंने अपने गठबंधन सहयोगियों का समर्थन लेकर अल्पमत सरकार बनाई। तमिलनाडु के लोग गठबंधन सरकार की अवधारणा से परिचित नहीं हैं और उन्हें इस तरह के दलों के एकीकरण पर संदेह रहता है। एआईएडीएमके और बीजेपी का गठबंधन 2023 में टूट गया था, जब एआईएडीएमके ने बीजेपी तमिलनाडु के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई के "टकरावपूर्ण रवैये" का हवाला देकर गठबंधन से बाहर निकलने का फैसला किया था। हालांकि, हाल के महीनों में दोनों दलों के बीच फिर से गठबंधन की अटकलें तेज हो गई थीं। मार्च 2025 में ईपीएस और शाह की दिल्ली में मुलाकात ने इन अटकलों को और हवा दी। 11 अप्रैल को शाह ने औपचारिक रूप से गठबंधन की घोषणा की, और उसी दिन बीजेपी ने अन्नामलाई को तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष पद से हटाकर नैनार नागेंद्रन को नया अध्यक्ष नियुक्त किया। ईपीएस का यह बयान तमिलनाडु की राजनीति में एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि यह उनकी पार्टी की स्वायत्तता और नेतृत्व को मजबूत करने का प्रयास है। विश्लेषकों का मानना है कि ईपीएस का यह रुख यह सुनिश्चित करने की कोशिश है कि गठबंधन में एआईएडीएमके की प्रमुख भूमिका बनी रहे। साथ ही, यह बयान बीजेपी के साथ गठबंधन को लेकर पार्टी के भीतर और समर्थकों के बीच किसी भी असंतोष को कम करने का प्रयास भी हो सकता है। हालांकि, बीजेपी की ओर से अभी तक ईपीएस के इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने कहा कि इस मामले पर शाह और पलानीस्वामी मिलकर फैसला लेंगे। एआईएडीएमके और बीजेपी का गठबंधन 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी मोर्चा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि, ईपीएस का गठबंधन सरकार से इनकार और केवल चुनावी गठबंधन पर जोर देना दोनों दलों के बीच भविष्य में तनाव का कारण बन सकता है। तमिलनाडु की राजनीति में यह गठबंधन कितना प्रभावी होगा, यह आने वाले समय में ही स्पष्ट होगा।

अब अखिलेश यादव ने आगरा में खेल दिया वो कार्ड, जो बढ़ाएगा भाजपा की मुश्किलें

दीपक तिवारी

आगरा : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आगरा में सामाजिक न्याय की नई क्रांति का नारा दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की वैचारिक लड़ाई का आगरा नया केंद्र बनकर उभरेगा। वह शनिवार को साफ कर गए कि 2027 का चुनाव अगड़ा बनाम पीडीए होगा। सपा मुखिया ने पीडीए कार्ड को नई धार दी और सपाइयों में जोश भरा। कहा कि वह आगरा में संकल्प लें और इसे सामाजिक न्याय का प्रतीक मानें। पीडीए से 2024 में मिली सफलता को सपा 2027 चुनाव में फिर भुनाना को आतुर है। इसलिए शनिवार को उनके निशाने पर एक तरफ योगी सरकार में पीडीए के लोगों पर हुए अत्याचार रहे, तो दूसरी तरफ बाबा साहब के संविधान को पीडीए के लिए ढाल बताया। आगरा में नौ विधानसभा सीटें और 15 लाख से अधिक दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक मतदाता हैं। सिर्फ बाह की सीट छोड़कर बाकी आठ सीटों पर कभी भी सपा का खाता नहीं खुला। 30 साल से सपा तीसरे नंबर की पार्टी रही। लेकिन 2022 के चुनाव में सपा, कांग्रेस और रालोद ने गठबंधन करके चुनाव लड़ा। इससे वोट प्रतिशत में इजाफा हुआ और नौ विधानसभा सीटों में से छह पर गठबंधन दूसरे नंबर पर रहा। राणा सांगा पर मचे घमासान के बाद सपा सुमन को दलित नेता के रूप में प्रोजेक्ट कर रही है और बाबा साहब के नाम पर दलितों को साधने में लगी है। वहीं, अल्पसंख्यक और गैर यादव मतदाताओं में भी अपनी पैठ बनाने में जुटी है। सपा सांसद के आवास पर हुए हमले को दलित नेता के घर पर हमले के रूप में प्रचारित कर रही है। सपा मुखिया ने पार्टी पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि महापुरुषों पर कोई टिप्पणी न करें। इसके साथ ही कहा कि इतिहास को इतिहास ही रहने दिया जाए। क्योंकि इतिहास में कई ऐसी बातें हैं, जो न हमें पसंद आएंगी और न उन्हें। सपा प्रमुख के आने पर आगरा, मथुरा, हाथरस, इटावा, मेरठ तक से कार्यकर्ता व पार्टी पदाधिकारी आगरा आए थे।

पश्चिम बंगाल में हिंसा तो थमी, लेकिन राजनीति हुई तेज

प्रभाकर मणि तिवारी

पश्चिम बंगाल में हालिया हिंसा की घटनाएं भले ही थम गई हों, लेकिन उसके बाद की सियासी हलचल लगातार तेज़ हो रही है। जानिए राजनीतिक दल क्या आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक़्फ़ विरोधी क़ानून के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन और हिंसा तो थम गई है और हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। लेकिन इस मुद्दे पर शुरू हुई राजनीति थमने की बजाय लगातार तेज हो रही है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भाजपा दोनों ने इस हिंसा के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया है। दोन के आरोप में एक बात कॉमन है। वह यह कि यह हिंसा बाहरी व्यक्तियों के जरिए कराई गई है। भाजपा के एक नेता ने तो राज्य में विवादास्पद अफस्पा कानून लागू करने तक की मांग उठा दी है। पार्टी ने इस मामले की जांच एनआईए से कराने की भी मांग उठाई है। जिले के धुलियान, सूती और शमशेरगंज इलाको में बीते शुक्रवार से होने वाली हिंसा रोकने के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर संवेदनशील इलाकों में राज्य पुलिस के जवानों के अलावा केंद्रीय बलों की 17 कंपनियां तैनात की गई हैं। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार ने कहा कि इलाके में परिस्थिति अब नियंत्रण में है। मंगलवार को नए साल के पहले दिन इलाके में धीरे-धीरे मिठाई और दवा की कुछ दुकानें तो खुली हैं। लेकिन इस हिंसा ने नए साल की रौनक फीकी कर दी है। हिंसा और आगजनी की वजह से इलाका छोड़ कर जाने वाले सैकड़ों परिवारों ने भागीरथी नदी के दूसरे किनारे पर बसे मालदा जिले के वैष्णनगर में स्कूलों और अपने परिजनों के घरों पर शरण ली है। प्रशासन अब उनकी वापसी का प्रयास कर रही है। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, अब तक 17 परिवार लौट आए हैं। बाकियों को भी लौटाने की कोशिश की जा रही है। हालाँकि हिंसा की चपेट में रहने इलाकों में अब भी भारी तनाव है। इसी वजह से पलायन करने वाले लोग फिलहाल लौटने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। उनका सवाल है कि इस समय तो पुलिस और केंद्रीय बलों के जवान मौजूद हैं। लेकिन उनके लौटने के बाद हमारा क्या होगा? अगर दोबारा हमले हुए तो हमें कौन बचाएगा? यहाँ इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि मुर्शिदाबाद देश का सबसे मुस्लिम बहुल ज़िला है। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक़, यहां मुस्लिमों की आबादी 66 फ़ीसदी से कुछ ज़्यादा थी। बीते सप्ताह से जारी हिंसा में अब तक कम से कम तीन लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों मकान और दुकानें जला दी गई हैं। पुलिस ने इस मामले में अब तक दो सौ से ज़्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लेकर पुलिस के तमाम अधिकारियों से लोगों से अफवाहों से बचने और किसी के उकसावे में नहीं आने की अपील की है। लेकिन उनकी इस अपील से भी हिंसा झेलने वाले लोगों के मन में भरोसा नहीं पैदा हो रहा है। पहले वक्फ कानून के खिलाफ अल्पसंख्यक संगठनों ने जंगीपुर के पास नेशनल हाइवे पर प्रदर्शन करते हुए वाहनों की आवाजाही ठप कर दी थी। उसे हटाने के लिए मौके पर पहुंचे पुलिस वालों पर भी पथराव किया गया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पहले लाठीचार्ज किया और फिर आंसू गैस के गोले छोड़े। उसके बाद अगले दिन बी यही सिलसिला दोहराया गया। वक्फ विरोधी यह आंदोलन तेजी से दूसरे इलाकों में भी फैला और हिंसक हो उठा। शुक्रवार और शनिवार को इसने सांप्रदायिक रूप ले लिया। उसके बाद भीड़ ने गैर-मुस्लिमों के मोहल्ले में हमला किया और तोड़फोड़ शुरू कर दी। शुरुआती हिंसा के बाद प्रशासन ने इलाके में धारा 163 लागू करते हुए इंटरनेट पर पाबंदी लगा दी थी। हिंसा बढ़ते देख कर कलकत्ता हाईकोर्ट ने भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की एक याचिका पर इलाके में केंद्रीय बलों की तैनाती का निर्देश दिया। उसके बावजूद अलग-अलग इलाकों में हिंसा भड़कती रही। इससे आतंकित लोगों का पलायन भी शुरू हो गया। रविवार शाम से हालात में कुछ सुधार आया। लेकिन अब भी इलाके में भारी आतंक है। दूसरी ओर, इस मुद्दे पर राजनीति लगातार तेज हो रही है। खासकर जिले के घोषपाड़ा और रतनपुर जैसे हिंदू मोहल्लों में अब भी सन्नाटे का आलम है। वहाँ भाजपा का प्रभाव है। पार्टी के नेताओं ने इस हिंसा के लिए तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने सोमवार शाम को मालवा जिले में उस स्कूल का भी दौरा किया जहां कई हिंदू परिवारों ने शरण ले रखी है। उन्होंने प्रभावितों को पार्टी की ओर से हरसंभव मदद का भी भरोसा दिया। वैसे, भाजपा के दावों के उलट इस हिंसा में कई मुस्लिम परिवार भी प्रभावित हुए हैं। कइयों के मकान व दुकानें जला दी गई हैं। भाजपा की याचिका के आधार पर ही कलकत्ता हाईकोर्ट ने शनिवार को मौके पर केंद्रीय बलों की तैनाती का निर्देश दिया था। इसके बाद वहां बीएसएफ़ और सीआरपीएफ़ की कुल 17 कंपनियां तैनात की गई हैं। इसके अलावा राज्य पुलिस के जवान भी मौके पर मौजूद हैं। सुरक्षा बल के जवान विभिन्न इलाकों में रूट मार्च कर रहे हैं। इसके साथ ही प्रभावित इलाकों में इंटरनेट सेवा मंगलवार शाम तक बंद कर दी गई है। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस ने इस हिंसा के लिए भाजपा और बाहरी लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। इलाके के तृणमूल कांग्रेस विधायक मनीरूल इस्लाम कहते हैं कि उनका घर शमशेरगंज थाने से महज सौ मीटर दूर है। लेकिन बावजूद इसके भीड़ ने वहां तोड़फोड़ करने के बाद लूटपाट की। उनका सवाल है कि अगर जनप्रतिनिधि ही सुरक्षित नहीं हैं तो कौन सुरक्षित रहेगा? पुलिस हमारी सुरक्षा में नाकाम रही है। मनीरूल का कहना था कि उनके परिवार के लोगों ने दूसरी जगहों पर शरण ले रखी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया था। लेकिन शनिवार को इसने सांप्रदायिक रंग ले लिया। अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि ऐसा कैसे हुआ। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) जावेद शमीम ने अफवाह फैलाने वालों को चेतावनी दी है। उनका कहना था कि लोग दूसरे राज्यों में बैठ कर अफवाह फैला रहे हैं। लेकिन पुलिस किसी भी अपराधी को नहीं बख्शेगी। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि भाजपा इस मुद्दे को अपने सियासी हित में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रही है। उसके तमाम नेता लगातार इस पर बयानबाजी में जुटे हैं और तृणमूल कांग्रेस सरकार को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं

संक्षिप्त समाचार

विधायक द्वारा लाभुकों के बीच पशुधन योजना से चार जोड़ी बैल बांटे गए

मंडरो: मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत मंडरो प्रखंड के सिमरा गांव में बोरियो विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनंजय सोरेन , मंडरो प्रखंड विकाश पदाधिकारी मेघनाथ उरांव, भरणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संतोष कुमार ने चार लाभुकों को चार जोड़ी बैल दिए । बोरियो विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनंजय सोरेन ने कहा कि झारखंड सरकार की कई ऐसे जनकल्याणकारी योजनाएं हैं। जिनका लाभ लोग ले रहे हैं। आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ता कदम। मौके पर डॉ मुरलीधर दिनकर पशु चिकित्सा पदाधिकारी मंडरो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सुबोध सोरेन जब्बार अंसारी,लाभुकों में रमेश किस्कू, हरिदास मुर्मू, प्रधान किस्कू, मसान हेंब्रम समेत अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त हेमंत सती ने मेधा डेयरी का किया भ्रमण

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती ने मेधा डेयरी का भ्रमण कर वहां की कार्यप्रणाली का जायजा लिया।भ्रमण के दौरान उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा भी उपस्थित थे।इस दौरान उन्होंने दूध की पैकिंग प्रक्रिया, उत्पाद निर्माण, पनीर अनुभाग, दूध शीत कक्ष तथा प्रयोगशाला कक्ष समेत विभिन्न इकाइयों का अवलोकन कियानिरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने डेयरी में स्वच्छता, गुणवत्ता नियंत्रण और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी प्रक्रियाओं में मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए ताकि उपभोक्ताओं को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पाद उपलब्ध हो सके।उपायुक्त ने यह भी कहा कि स्थानीय स्तर पर डेयरी उद्योग के विकास से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। उन्होंने प्रयोगशाला में दूध की जांच प्रक्रिया की जानकारी ली और उसकी दक्षता की सराहना की। इस मौके पर डेयरी प्रबंधन से जुड़े अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे, जिन्होंने उपायुक्त को संचालन संबंधी जानकारी दी। निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने डेयरी के समग्र कार्य पर संतोष जताया और सुधार हेतु सुझाव भी दिए।

पाकुड़ मंडलकारा में जेल अदालत सह मेडिकल कैंप का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर रविवार को अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह प्रभारी सचिव विशाल मांझी के उपस्थित में पाकुड़ मंडलकारा में जेल अदालत सह मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारी द्वारा बंदियों के हित में कई कानूनी जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ से मिलने वाली मुफ्त कानूनी सहायता पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया। साथ ही झालसा के निर्देश पर मंडलकारा पाकुड़ में मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया जिसमें बंदियों के स्वास्थ्य की जांच की गई। बंदियों के बीपी, शुगर समेत अन्य स्वास्थ्य संबंधित जांच चिकित्सक द्वारा की गई। मौके पर न्यायिक पदाधिकारी, जेल के प्रशासनिक अधिकारी समेत चिकित्सक उपस्थित रहे।

बच्चों में नर्सरी क्लास से सिखाया जा रहा स्वच्छता के गुर- डीसी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ स्वच्छता की दिशा में जिला प्रशासन ने नई पहल की शुरूआत की गई है जिसके अंतर्गत पाकुड़ जिले के सभी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में 15 वें वित्त मद से हैंडवाश यूनिट का निर्माण कार्य किया जा रहा है। अभी तक जिले में कुल 273 हैंडवाश यूनिट का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। हैंडवॉश यूनिट इस तरह का निर्माण किया जा रहा है कि एक साथ 04 बच्चे इसका उपयोग कर सकें।

सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में फर्जी लाभुक का एंट्री करने पर नपेंगे ऑपरेटर, भीएलई- डीसी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ गोपनीय कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सीएससी मैनेजर एवं सभी भीएलई के साथ बैठक किया। बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि पंचायत भवन में संचालित सीएसी सेंटर के माध्यम से ऑनलाइन जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ने सभी भीएलई को जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करते समय सही दस्तावेज अपलोड करने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने सख्त निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में कोई डुप्लिकेट आवेदन नहीं होने चाहिए, इसका विशेष ध्यान रखें। अगर किसी ने प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना में गलत एंट्री की है तो उसका डिटेल्स शेयर करें। उपायुक्त ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले भीएलई को सम्मानित किया जाएगा..

मैया योजना, वृद्धावस्था,विकलांग,विधवा पेंशन को लेकर चौपारण प्रखंड कार्यालय में हाहाकार ,जनता परेशान - भाजपा नेता मुकुंद साव।

व्यवस्था से दुखी भाजपा नेता ने किया अपना आक्रोश व्यक्त,जब सांसद विधायक अपनी ही पार्टी का है तो किसको सुनाएं अपनी व्यथा

दिव्य दिनकर चौपारण राजेश सहाय

हजारीबाग जिला का सबसे बड़ा प्रखंड चौपारण है,26 पंचायतों वाला प्रखंड मुख्यालय में दिन भर महिलाओ ,लाभुकों की भारी भीड़ रहती है,किन्ही को मैया योजना की जानकारी लेनी है,किन्ही को अपना पेंशन की जानकारी लेनी है, भूल चूक सुधार करना है,किन्ही का पेंशन रुका हुआ है।महिलाए बहुत ही उम्मीद से ब्लॉक मुख्यालय आती है,वो ये सोचकर आती है कि मेरा समस्या का समाधान हो जाएगा,परंतु जब वह कार्यालय पहुंचती है तो उन्हें निराश होकर घर लौटना पड़ता है,कार्यालय में ये कहा जाता है कि आज काम नहीं होगा क्योंकि सिस्टम मेंटेनस के लिए हजारीबाग गया है,आज सरवर डाउन है,आज नेट नही चल रहा है,आज जो चेक करते है वो बाबू नहीं है,हजारीबाग गए है,तो कभी दूसरा काम कर रहे हैं।विभिन्न तरह की दिक्कतें बता दी जाती है, जिसे सुनकर वो थक हारकर वापस घर लौटती है,खर्च भी होता है,,समय भी बर्बाद होता है,घर वालों से डांट भी सुनना पड़ता,काम भी नही होता है,उक्त बातें आज प्रेस विज्ञप्ति जारी कर निवर्तमान सांसद प्रतिनिधि सह मानवाधिकार सहयोग संघ के हजारीबाग जिला अध्यक्ष मुकुंद साव ने कहा है। उन्होंने कहा है कि गलती से अगर सब कुछ कार्यालय में अपडेट मिला तो बताया जाता है कि ऊपर से प्रोब्लम है,पूछे

जाने पर बताया जाता है कि हम जिला भेज दे रहे है जब होकर आ जाएगा तो फिर आपका काम यहां हो जाएगा, लेकिन जिला से कभी भी काम होकर आता ही नहीं है।नतीजा कि जनता मायूस होकर घर में बैठ जाती है,लेकिन इसको देखने वाला कोई जनप्रतिनिधि या पदाधिकारी नहीं है। प्रखंड में प्रशासन नाम की कोई चीज ही प्रतीत नही होती है।,प्रखंड मुख्यालय तो दलालों का अड्डा बना हुआ है,कोई काम पब्लिक का नहीं हो पाता है।मुकुंद साव ने हजारीबाग के उपायुक्त महोदय सहित जन प्रतिनिधियों से मांग किया है कि मैया योजना और पेंशन संबंधी समस्याओं से आम जनता को राहत दिया जाए। इसके लिए प्रखंड मुख्यालय में जो स्टाफ है उसे निर्देश देने की कृपा की जाए कि सिस्टम को अपडेट रखे ,सिस्टम मेंटेनेस में 15 दिन लगाया जाता है उसे एक दो दिन में करवा उपरोक्त योजनाओं को क्रियान्वयन के लिए जो भी स्टाफ है वो कार्यालय अवधि में दूर दराज से आए लोगो का अविलंब कार्य करें, मुकुंद साव ने उपायुक्त हजारीबाग से मांग किया है कि पेंशन इत्यादि के लिए स्पेशल स्टाफ दिया जाए ताकि इस पेंशन के लाभुको को पेंशन समय पर मिल सके,और प्रखंड के सुदूर गांवों जो लगभग लगभग 25 किलोमीटर से चलकर ब्लॉक मुख्यालय का चक्कर लगाती है उन्हे राहत मिल सके। गौरतलब है कि वर्तमान में भाजपा के सांसद और विधायक हैं उसके बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है जिससे कार्यकर्ता मायूस हो रहे हैं।

श्री श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ काजरात के तीसरे दिन धूम धाम से निकाली गई नगर भ्रमण यात्रा

हुसैनाबादःकृष्णा यादव

हुसैनाबादः झारखंड- बिहार सीमा क्षेत्र के कजरात कररबार नदी के तट पर अवस्थित भगवान भास्कर एवं ग्राम देवी मां की प्रतिमा स्थापित करने हेतू यज्ञाधीश श्री श्री 1008 श्री घनश्यामाचार्य (बालक स्वामी) एवं अर्जुन दास महाराज के सानिध्य में हो रहे पांच दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के तीसरे दिन यज्ञाचार्य धर्मराज पांडेय के नेतृत्व में कजरात नावाडीह गांव में गाजे बाजे के साथ फूल पत्ती से डोली को सजाकर नगर भ्रमण यात्रा निकाली गई। कजरात नावाडीह गांव के प्रत्येक घरों के दरवाजे पर डोली घुमाई गई जहां श्रद्धालुओं ने अन्न, फल, वस्त्र, मिष्ठान, द्रव्य आदि दान देकर स्वागत किया।इस दौरान सूर्य भगवान की जय, देवी माता की जय, बजरंग बली की जय एवं गायत्री माता की जयकारे से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा।

नगर भ्रमण में उपस्थित श्रद्धालुओं में महिलाओं में विशेष उत्साह रहा। महिलाएं पारंपरिक गीत गाते हुए डोली के साथ साथ चल रही थी।महिलाएं अपने अपने घरों के बाहर साफ सफाई के पश्चात दरवाजे को धो एवं लीप पोतकर दरवाजे पर रंगोली बनाकर एवं पूजा की थाली सजाकर अपने बारी का इंतजार किया। वहीं बेलबिगहा पंचायत की मुखिया अनंती देवी, पूर्व मुखिया रामलखन यादव नगर भ्रमण यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के साथ साथ भ्रमण किया। यज्ञाचार्य धर्मराज पाण्डेय ने बताया कि श्री श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के चौथे दिन 21 अप्रैल को भगवान भास्कर एवं ग्राम देवी मां की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा कराई जाएगी। साथ ही आगामी 22 अप्रैल 2025 को पूणार्हुति एवं महाभंडारे के साथ संपन्न होगा।यज्ञ के प्रथम दिन से ही भंडारा का आयोजन किया जा रहा है. जिसमे काफी संख्या में लोग शामिल हुए. यज्ञाचार्य धर्मराज पाण्डेय ने कहा की यज्ञ हवन से वातावरण शुद्ध होता है. इसका अध्यात्मिक व वैज्ञानिक महत्व है. मौके पर मुख्य यजमान कृष्णा यादव, ममता देवी, प्रमोद प्रजापति, ललन मेहता, बिगन प्रजापति, सरिता देवी,रामाकांत यादव, रवि मेहता, रितेश यादव, श्री राम यादव, दिलीप साव, विजय साव, रिंकू गुप्ता,पंकज प्रजापति, छोटू मेहता, पप्पू यादव, धनंजय राम, दीपक मेहता , रंजना देवी, पूनम देवी , देवंती देवी,नंदू यादव , हरिराम यादव , सुमित कुमार सिंह, अरविंद सिंह, विवेक सिंह, राकेश यादव,सहित कई लोग मौजूद रहे।महायज्ञ के तीसरे दिन परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही।

दूसरा दिन सात दिवसीय श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण,देव प्रतिष्ठा एंव श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ में लग रहा है भक्तों का ताता

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज दिनांक 20 अप्रैल 2025 दिन रविवार को मोराबादी स्थित यज्ञा बाबा आश्रम के प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर प्रांगण में चल रहे सात दिवसीय श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण,देव प्रतिष्ठा एंव श्रीमद् भागवत कथा में भक्तों का ताता लग रहा है।मंदिर के महंत श्री भरत दास जी महाराज जी ने बताया कि आज दूसरे दिन आचार्य श्याम सुंदर शर्मा ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ देव स्थापन,मंडप पूजन,जला धिवास,अन्नाधिवास के साथ विधिवत पूजा अर्चना के साथ महायज्ञ की शरूवात हुई। सभी भक्त आस्था के साथ यज्ञ में आहुतियां देकर भक्ति में विलीन हुए साथ ही आज शाम में दूसरे दिन के भागवत कथा में गया पीठाधीश्वर स्वामी वेंकटेश प्रसन्नाचार्य जी महाराज जी ने मधुर संगीतमय भागवत कथा सुनाकर भक्तों को मंत्र मुग्ध कर दिया।उन्होंने कहा कि बिना सत्संग के मनुष्य में विवेक जागृति नहीं होती है।उन्होंने भक्तो को भागवत कथा की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि हमें भगवान की पूजन सदैव करते रहना चाहिए क्योंकि मानव जीवन बड़े भाग से मिलता है।कथा के समाप्ति के बाद भक्तो के बीच महा प्रसाद का वितरण किया गया। आज के समारोह मे मुख्य अतिथि देश के रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ जी उपस्थित रहे और कथा वाचक स्वामी वैंकटेश प्रसन्नाचार्य जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त कर कथा का आनंद लिए। आज के इस महायज्ञ के मुख्य यजमान संतोष कुमार पाण्डेय व रवीना पांडेय,हर्ष कुमार व श्रुति श्रेया,अयोध्या बक्शी,अमित विक्रम और निधि शर्मा,राधे श्याम शर्मा,राकेश शर्मा व प्रिया शर्मा सपरिवार उपस्थित रहे। आज के कथा में मुख्यरूप से मंदिर के मुख्य पुजारी विकास पांडेय,आशुतोष द्विवेदी,शिव किशोर शर्मा,पंकज साहू, ऋषिकेश लाल,अमित जायसवाल,नारायण मिश्रा सहित मंदिर समिति के महिला मंडली के अपनी सेवा दे रही ख्याति मुंजाल,इस्मिता शुक्ला,किरण सिंह,रूपम झा,प्रतिमा सिंह, सिंधु बाला,सुनीता देवी सहित कई भक्तगण उपस्थित थे।

नहीं थम रहा अंचल का आतंक,भू-दान जमीनों पर भू-माफियाओं ने डाला डाका

सूत्रों की मानें तो फजीर्वाड़ा का परत दर परत भेद खुलने से माफियाओं,अधिकारियों व बिचौलियों के गठजोड़ में मचा हड़कंप

बड़े पैमाने पर क्षेत्र से बाहर के अज्ञात लोगों द्वारा अहस्तांतरणीय जमीनों की आखिर कैसे कराई गई अवैध जमाबंदी,इस मामले में जबाबदेहों के चुप्पी का क्या है गहरा राज।

दिव्य दिनकरःसंवाददाता

टंडवाःचतरा। अंचल क्षेत्र भू-माफियाओं के गठजोड़ों द्वारा फजीर्वाड़े के आतंक से इन दिनों सभी काफी हलकान परेशान हैं।सक्षम फरियादी जहां समुचित पटल तक रख कर जूझ रहे हैं वहीं गरीब तब का भयाक्रांत है।पूरे अंचल क्षेत्र के गड़बड़ियों का पिटारा जैसे हीं धीरे-धीरे खुलने लगा है शामिल गठजोड़ों में पूरा हड़कंप मचा है कि कहीं जांच

एजेंसियों की नजर उनके कुबेर खजाने पर ना पड़ जाये। सनसनीखेज मामला मौजा किसुनपर के खाता 115 में शोषित वंचितों को आवंटित किये गये भू-दान की जमीनों पर बाहरी कई अज्ञात लोगों की अवैध जमाबंदी होने से अब लोगों को ये समझ नहीं आ रहा है कि आखिर माफियाओं का गठजोड़ कितना गहरा है। पर्दे के पीछे पद और पैसों से मदोन्मतों का आतंक आखिर कब थमेगा।पिछले हीं दिनों चतरा जिला प्रशासन द्वारा फजीर्वाड़ा मामले में संगठित गिरोहों के साथ कुछ अधिकारियों की संदिग्ध भूमिकाओं का जिक्र करते हुवे प्राथमिकी तक दर्ज करा चुकी है। संगठित गिरोहों द्वारा हाइ प्रोफाइल हो रहे भूमि फजीर्वाड़ा का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि भूदान की जमीनों को लेकर पट्टा में जब हस्तांतरण निषिद्ध है तो उसकी जमाबंदी दूसरे जिले के लोगों को कैसे हो गई। शोषित वंचितों के विरुद्ध ऐसे फजीर्वाड़ा पर मौन व्रत साधने वाले बेनकाब होने लगे हैं। क्या जिला प्रशासन द्वारा जब ये पुष्टि हो चुकी है कि संगठित गिरोहों द्वारा टंडवा में बड़े पैमाने पर फजीर्वाड़ा किया गया है। बढ़ते मामलों के कारण लोग जांच हेतु केंद्रीय जांच एजेंसियों समेत न्यायिक प्राधिकार से लिखित याचना हो रही है। आशंका जताई जा रही है कि एक भ्रष्ट अधिकारी अवैध धनोपार्जन हेतु अपने मातहतों और रिश्तेदारों के बदौलत साज़िश और फजीर्वाड़ा को दे रहा है अंजाम। जिस पर निष्पक्ष जांच होने पर बड़ा सिंडिकेट का भण्डा फोड़ होना संभावित माना जा रहा है।

हंटरगंज प्रखण्ड के कई गांवों में आयोजित विवाह समारोहों में शामिल हुए विधायक

विकास कुमार यादव

हंटरगंज/चतराः- हंटरगंज प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत घंघरी, केंदली , डुमरिया, कोबना, गोखना, फतुहा चक आदि कई गांवों में एक दिवसीय दौरे पर रविवार को चतरा विधायक जनार्दन पासवान पहुंचे, जहां उन्होंने इन शुभ अवसरों पर वर-वधु को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय एवं सफल वैवाहिक जीवन की कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा क्षेत्रवासियों से मिलकर समाज की खुशियों में शामिल होना और आशीर्वाद स्वरूप शुभकामनाएं देना, हम सभी की साझा संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। ऐसे आयोजन आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता को और भी मजबूत करते हैं।मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि सभी नवविवाहित जोड़ों का जीवन खुशियों से भरा रहे और उनके घरों में सुख-शांति बनी रहे।

सत्ता के नशे में चूर झामुमो का चाल, चरित्र और चेहरा उजागर- भाजपा

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ः पाकुड़ भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय एवं प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी जिला कार्यालय प्रदेश ने रविवार को जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, नगर अध्यक्ष सोहन मंडल और युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपक साह उपस्थित हुए। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि सत्ता के नशे चूर झारखंड मुक्ति मोर्चा का चाल, चरित्र और चेहरा अब जनता के बीच उजागर हो गया है। रांची के केंद्रीय अधिवेशन में शामिल होने के लिए झामुमो नेताओं ने पाकुड़ जिले से लाखों की अवैध उगाही की है। वायरल ऑडियो से यह साबित हो गया कि किस प्रकार झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता सरकारी पदाधिकारियों को धमका कर पैसे की मांग कर रहे हैं। वायरल ऑडियो में झामुमो नेता ने स्पष्ट कहा कि उनके जिलाध्यक्ष का सख्त निर्देश है कि झामुमो के केंदीय अधिवेशन को सफल करने के लिए

प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं तमाम सरकारी कर्मचारी और अधिकारियों से अवैध वसूली किया जाए । जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि जिले के उपायुक्त महोदय के नाक के नीचे उनके अधीनस्थ सरकारी कर्मचारी एवं पदाधिकारियों को धमका कर वसूली की जा रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इस वायरल ऑडियो के 100 घंटे से अधिक बीत जाने पर भी कोई कार्रवाई नहीं की जबकि वायरल ऑडियो में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता ने यह भी कहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का राज है और इस राज्य में हेमंत सोरेन के प्रतिष्ठा बचाने के लिए हर हाल में उगाही करने ही होगी।इस ऑडियो प्रकरण से साफ प्रतीत होता है कि माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी,राजमहल सांसद श्री विजय हंसना जी, महेशपुर विधायक श्री स्टीफन मरांडी जी के इशारे पर ही पाकुड़ जिले में भ्रष्टाचार का खेल आज चरम सीमा पर है। जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि इतना ही नहीं लिट्टीपाड़ा के माननीय विधायक हेमलाल मुर्मू जी ने पिछले दिनों पाकुड़ में संवेदकों की बैठक कर 'टेंडर मैनेज' का दबाव बना रहे हैं। सरकारी प्रावधानों के विपरीत संवेदकों को ई'ङ्क६ में काम न करने को धमका रहें हैं। हेमंत सोरेन 2.0 में भ्रष्टाचार चरम पर है। सरकारी तंत्र हताश और लाचार लग रहा हैं।समाज के सजग प्रहरी होने के नाते भारतीय जनता पार्टी हेमंत सरकार एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के इस षडयंत्र को जनता के बीच ले जाएगी।समाज के सजग प्रहरी होने के नाते भारतीय जनता पार्टी हेमंत सरकार एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के इस भ्रष्टाचार के षडयंत्र को जनता के बीच लाकर उनका पोल खोलेगी। प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा कांग्रेस के शासन में जनता त्रस्त है। यह सरकार जनता की चिंता छोड़ अवैध रूप से पत्थरों का परिचालन, कोयले का परिचालन कर रही है। राज्य की भोली भाली जनता को बेवकूफ बनाया जा रहा है। झामुमो नेताओं के द्वारा किए जा रहे इस प्रकार के अनैतिक कार्य का भारतीय जनता पार्टी कड़ा विरोध करती है।

बलियाचौकी स्थित मां यशोदा मेडिकल में बदमाशों के द्वारा अंधाधुंध फायरिंग कर दुकान में लूटपाट की घटना को दिया अंजाम

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

कुंडा थाना क्षेत्र के तितमो बलिया चौकी स्थित मां यशोदा मेडिकल में से बदमाशों के द्वारा अंधाधुंध गोली फायरिंग कर दुकान में किया तोड़फोड़ और लटू की वारदात को दिया अंजाम जिसमें मेडिकल संचालक प्रमोद कुमार के दाहिने हाथ में गोली छूकर निकल गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया सूचना मिलते ही कुंडा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल पहुंचाया जहां पर इलाज जारी है वहीं घटना के संबंध में संचालक प्रमोद कुमार ने बताया कि 10:00 बजे दिन में ऋषि नाम का एक लड़का वहां आया और गोली मारने की धमकी देकर चला गया जिसके बाद लगभग 1:00 बजे के आसपास पल्सर बाइक में बैठकर ऋषि कुमार अमित कुमार मोहन कुमार के अलावे अन्य बदमाश वहां पर पहुंचे और लाठी डंडे से दुकान में तोड़फोड़ करना शुरू कर दिया और संचालक के रोकने पर संचालक के ऊपर गोली चला दी जिससे संचालक प्रमोद कुमार घायल हो गया इसके बाद ग्ल्ले में पड़े 40 हजार नगदी लुट फरार हो गए प्रमोद कुमार ने बताया कि ऋषि कुमार 40 लाख रुपया की रंगदारी का मांग कर रहा था फिलहाल पुलिस मामले को लेकर जांच पड़ताल में जुट गई है

संक्षिप्त समाचार

केयर हॉस्पिटल का उद्घाटन आजसू के केंद्रीय सचिव सह जनसेवी जिला परिषद सदस्य आसुतोष तिवारी द्वारा किया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - चान्हों के कटैया में केयर हॉसपिटल का उद्घाटन आजसु के केंद्रीय सचिव सह जनसेवी जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी के द्वारा किया गया इसके संचालक महताब अन्सारी ,अब्दुल्ला अन्सारी, मोहन ताम्रकार ,ड्रेसर कयूम अन्सारी ,डॉक्टर परवेज आलम, राम जान अंसारी ,सहित बड़ी संख्या में वहाँ के स्टाफ नर्स सहित ग्रामीण शामिल हुए ,संचालक महताब अंसारी द्वारा कहा गया कि यहाँ विभिन्न तरह के ग्रामीण स्तर की सेवाएं प्रदान की जाएंगी साथ ही आयुष्मान का भी लाभ यहाँ जल्द शुरू किया जाएगा और ग्रामीणों को बहुत सहूलियत के साथ में 60 कॉल डॉक्टरों की टीम इलाज करेगी।

ग्राम पंचायतों में कचरे का प्रबंधन कर स्वस्थ वातावरण देने हेतु जिला प्रशासन प्रयत्नशील

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ ग्राम पंचायत में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार प्रयत्न कर रहा है। इसी क्रम में जिले के सभी ग्राम पंचायतों में 15 वें वित्त आयोग की अनुदान राशि से सेग्रीगेशन बिन और भस्मक का निर्माण कराया जा रहा है। भस्मक एक ऐसा यंत्र है जिसमें इस्तेमाल की गई सेनेटरी पैड को जलाकर भस्म कर दिया जाता है ताकि उसमें लगे जीवाणु, कीटाणु के फैलाव को रोका जा सके। इसी प्रकार गीला कचरा एवं सुखा कचरा का पृथक्करण कर रखने के लिए सेग्रीगेशन बिन का निर्माण कराया गया है। जिले में अभी तक कुल 809 भस्मक एवं 988 सेग्रीगेशन बिन का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है।

युवा पीढ़ी को जागरूक करने एवं शिक्षा की सही दिशा पे चर्चा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

इनरव्हील क्लब ऑफ देवघर द्वारा अध्यक्ष अर्चना भगत एवं सचिव कंचन मूर्ति के नेतृत्व में आज अम्बेडकर पुस्तकालय में एक विशेष मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। यह पुस्तकालय वह स्थान है जहाँ हजारों छात्र-छात्राएँ 24 घंटे अध्ययन करते हैं, और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल रही। इस अवसर पर हमारे नगर के एसडीएम रवि कुमार ने विद्यार्थियों के बीच उपस्थित होकर न केवल उन्हें पढ़ाई के सही तरीकों के बारे में बताया, बल्कि यह भी समझाया कि किस प्रकार अपनी पढ़ाई को सार्थक बनाया जाए। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के व्यावहारिक तरीके बताए, और असफलता से डरने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। रवि कुमार ने अत्यंत सरल और प्रभावशाली भाषा में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन दिया, जिससे बच्चों में उत्साह की लहर दौड़ गई। उन्होंने बच्चों के सवालों का जवाब भी अत्यंत सहजता से दिया, जिससे छात्रों का आत्मविश्वास और भी मजबूत हुआ। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में अम्बेडकर पुस्तकालय के संचालक राजकुमार बर्णवाल एवं नंदलाल पंडित का विशेष सहयोग रहा। रेड क्रॉस के वाइस चेयरमैन पियूष जयसवाल का भी इस कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। इनरव्हील क्लब ऑफ देवघर की ओर से ज्ञानी मिश्रा, रीता चौरसिया, रश्मि रंजन, सारिका साह, निशा गुप्ता एवं नीलीमा वर्मा कार्यक्रम में उपस्थित रहीं और आयोजन को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिशा की बैठक में शामिल होने आ रहे केंद्रीय मंत्री ललन सिंह मुंगेर लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्यों का लेंगे जायजा

डकरा नाला सिंचाई परियोजना के जीर्णोद्धार कार्य का कर सकते हैं अवलोकन

दिव्य दिनकर प्रमंडल ब्यूरो पवन कुमार चौधरी

मुंगेर। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार की ओर से गठित जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में शामिल होने केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह मुंगेर लोकसभा क्षेत्र के विशेष दौरे पर हैं। मुंगेर लोकसभा मुख्यालय में ललन सिंह के आगमन को लेकर पार्टी के नेताओं की ओर से तैयारी जोर शोर से की जा रही है। ललन सिंह सोमवार को मुंगेर जिला मुख्यालय एवं आसपास के इलाकों में करोड़ों की लागत से चल रही योजनाओं का भी जायजा लेंगे। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह को मुंगेर एवं लखीसराय में अपने सरकारी कार्यक्रम के तहत जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में शामिल होना है। दिशा के कार्यक्रम में शामिल होने से पहले ललन सिंह ने रविवार को मुंगेर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत बाढ़ विधानसभा में जदयू के नेताओं से मुलाकात कर आगामी विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी पर चर्चा किया। इस दौरान ललन सिंह ने बाढ़ विधानसभा क्षेत्र के सबनीमा, अथमलगोला, करजान, राणा बिगहा, शहरी एवं बिहारी बिगहा गांव में भी जदयू कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। ललन सिंह खुटहा में भी एक कार्यक्रम में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह सोमवार को मुंगेर जिला मुख्यालय स्थित परिसदन में जदयू के नेताओं से मुलाकात कर आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। वहीं, 24 अप्रैल को बिहार के मधुबनी में विशेष दौरे पर पहुंच रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री ललन सिंह मुंगेर में एनडीए गठबंधन के नेताओं के साथ भी विचार विमर्श करेंगे। चर्चा यह भी है कि केंद्रीय मंत्री ललन सिंह सोमवार को 145 करोड़ की लागत से 40 वर्ष पुराने डकरा नाला सिंचाई परियोजना को धरातल पर लाने की दिशा में शुरू हुए जीर्णोद्धार कार्य की भी समीक्षा कर सकते हैं। हेरुदियारा गांव में गंगा किनारे बन रहे विशाल वॉटर रिजर्वायर के कार्य का अवलोकन कर अधिकारियों से काम को जल्द पूरा करने का निर्देश भी जारी कर सकते हैं। मंत्री ललन सिंह आगामी 24 अप्रैल को मधुबनी में आयोजित प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में मुंगेर जदयू के नेताओं व कार्यकर्ताओं को शामिल होने के लिए आमंत्रित भी करेंगे।

वक्फ संसोधन बिल 2025 के बिरोध मे रविवार को मांडर के मुड़मा मे तहफ्फुज ए वक्फ कांफ्रेस का आयोजन किया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - वक्फ संशोधन बिल 2025 के विरोध में रविवार को मुड़मा में तहफ़्फुज ए वक्फ कांफ्रेंस का आयोजन किया गया. झारखंड तंजीम व रांची जिला मोमिन कांफ्रेंस की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रखंड के मुस्लिम संगठन के प्रतिनिधियों व अन्य लोगों ने हिस्सा लिया. और वक्फ संशोधन बिल के विरोध में अपनी आवाज बुलंद की. दौरान आमया संगठन के एस अली ने वक्फ और वक्फ संशोधन बिल के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी उपलब्ध करायी और कहा कि वक्फ संशोधन बिल 2025 मुसलमानों के धार्मिक स्वायत्तता और मौलिक अधिकार का उल्लंघन है. झारखंड तंजीम के केंद्रीय प्रवक्ता मौलाना शाकिर इस्लाही ने केंद्र सरकार से कृषि कानून की तरह वक्फ संशोधन बिल को भी वापस लेने की मांग की और कहा कि यह मुसलमानों के जीने मरने का मसअला है. इसके बाद भी यह मसअला मुसलमानों के वोट से जितने वाली राजनीतिक पार्टियों के एजेंडा से बाहर है. कार्यक्रम में पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने वक्फ बिल में संशोधन कर भाजपा सरकार ने साबित कर दिया है कि वह संविधान बदलने के लिए तुली हुई है. उन्होंने वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ आंदोलन को मुकाम तक पहुंचाने के लिए धैर्य रखने व संजीदगी के साथ लड़ाई लड़ने का आहवान करते हुए कहा कि मुसलमानों के पुरखों ने भी देश की आजादी के लिए अपना खून दिया है और काला पानी की सजा भुगती है. इसलिए इस देश में जितना हक दूसरों का है उतना मुसलमानों का भी है. इस अवसर पर अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने कहा कि बहुमत का आंकड़ा दिखाकर वक्फ बिल अधिनियम के माध्यम से केंद्र सरकार पूरे देश में मुसलमानों को अपमानित करने व उनके समानता के अधिकार पर हमला का प्रयास कर रही है. जिसके विरोध में मुस्लिम तंजीमें आंदोलन कर रहीं है. यह आंदोलन मुकाम तक पहुंचने तक जारी रहेगा. कार्यक्रम में कांके के विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि कोई भी कानून देश व राज्य हित में ही बनाया जाता है. लेकिन जिस कानून से पूरा समाज नाराज हो वैसे कानून का कोई मतलब नहीं है. उन्होंने वक्फ संसाधन बिल के खिलाफ आंदोलन में मुस्लिम समाज के साथ खड़ा होने का भरोसा भी दिलाया. कार्यक्रम में कई अन्य वक्ताओं ने भी विचार व्यक्त किये.इस दौरान वक्फ संशोधन बिल 2025 के विरोध को पार्टी के एजेंडा में शामिल करने के लिए सुरेश बैठा व बंधु तिर्की को ज्ञापन भी दिया गया. संचालन रांची जिला मोमिन कांफ्रेंस के अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद ने किया. मौके पर नुरुल्लाह हबीब नदवी, अताउल्लाह अंसारी, शमीम बड़ेहार, कमरुल हक, मुफ़्ती अब्दुल्लाह, ऐनुल हक, लोकेश आनंद, अब्दुल्लाह अंसारी, अरशद अयूब, आदिल अजीम, शमीम अख्तर, इरशाद इमाम, अतहर अन्सारी, आबिद अन्सारी, अफरोज अंसारी सहित अन्य मौजूद थे!

शेखर बोस खेल अवार्ड सम्मान समारोह का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

शेखर बोस खेल अवार्ड सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय एकता इंटरनेशनल होटल में किया गया। शेखर बोस झारखंड वॉलीबॉल संघ के महा सचिव जिनके खेल के योगदान को पूरा भारत सम्मान करता है उनके सम्मान में ये आयोजन किया गया था।विभिन्न खेल में प्रशिक्षण के लिए कोच को अवॉर्ड दिया गया। एथलेटिक्स से दीपक कुमार को,ताइक्वांडो से प्रवीर राय को ,हैंडबॉल से राजेश रंजन को, कबड्डी से आलोक कुमार को स्विमिंग से सुधाकर चौधरी को जबकि फुटबॉल से विशाल सोरेन को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया।खेल के क्षेत्र ने अहम भूमिका निभाने वाले 3 समाज सेवी को भी खेल सम्मान अवॉर्ड दिया गया। जिसमे देवघर चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रवि केसरी, संत माइकल एंग्लो समूह के अध्यक्ष डॉ जेसी राज और आर के वि वि एम के डायरेक्टर सौगता कर शामिल थे।खेल के क्षेत्र में पत्रकारिता के माध्यम से लोगों तक जानकारी देने के लिए मीडिया बंधु का भी सम्मान किया गया।वॉलीबॉल और हैंडबॉल में नेशनल खिलाड़ी आयुष नेवर, दिव्या कुमारी, रीमा कुमारी, त्रुशा कुमारी,साक्षी भारद्वाज,वीर कुमार को भी सम्मानित किया गया। सचिव जिला खेल प्राधिकरण आशीष झा ने कहा की सभी संघ के वर्षों की मेहनत का नतीजा है की आज देवघर में कई उम्दा कोच और खिलाड़ी यहां सभागार में मौजूद है साथ ही कहा बिना सरकारी सहायता बड़ा बड़ा इवेंट यहां के समाजसेवियों के द्वारा कर लिया जाता और वो बढ़चढकर हिस्सा लेते है , साथ ही देवघर के कोच को टास्क दिया अगला अवॉर्ड समारोह में टेबल पर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बैठे। अगला अवॉर्ड और बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा जिसमें कई खिलाड़ी और कोच को सम्मानित किया जाएगा। मीडिया को विशेष धन्यवाद दिया मीडिया खेल को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे है जन जन तक खेल की सूचना पहुंचा रहे और इसका परिणाम है की खिलाड़ी हर खेल में भाग ले रहे है। बतौर मुख्य अतिथि देवघर जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष ध्रुव सिंह और डीएसए सचिव आशीष झा , योगा संघ के अध्यक्ष रितेश केसरी,सहित वॉलीबॉल संघ के उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार , कोषाध्यक्ष जूही केसरी,सह कोषाध्यक्ष बंटी नंदन सिंह,संयुक्त सचिव,राकेश पाण्डेय प्रीतम भारद्वाज,आशुतोष कुमार के द्वारा सम्मान दिया गया।। वॉलीबॉल प्रशिक्षण के स्मैश मशीन सहित जरूरी समान जिससे वॉलीबॉल के खिलाड़ी का विकास हो उपलब्ध कराया जाएगा।इस मौके पे संघ के सदस्यों मीडिया बंधु के अलावा आर के वीवी एम स्कूल के उप प्राचार्य सुनील कुमार ,सोनू कुमार,रवि शंकर वर्मा,चंदा कुमारी,लाल मोहन कुमार मौजूद थे।ये जानकारी संघ के सचिव नवीन शर्मा ने दिया।

सड़क सुरक्षा टीम द्वारा चलाया गया वाहन जांच अभियान

वाहन चालकों से की गई अपील सभी नियमों का करे पालन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः पाकुड़ जिले में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने, सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण रखने और मोटर वाहन अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के निर्देश पर रविवार को शहर में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजूर के नेतृत्व में हरिन डांगा चौक से लेकर नगर थाना पाकुड़ मुख्य मार्ग सहित अन्य प्रमुख सड़कों पर यह अभियान चलाया गया। जांच अभियान में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक, सड़क सुरक्षा विभाग के कर्मियों सहित पुलिस बल की भी सक्रिय भागीदारी रही। इस अभियान के दौरान 20 से 30 चार एवं दो पहिया वाहनों की गई जांच। नो पार्किंग जोन में वाहन पार्क करने पर 6 वाहन चालकों से करीब 4,650 रुपये और हेलमेट नहीं पहनने तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर 13 दोपहिया वाहन चालकों से 29,650 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। कुल मिलाकर 34,300 रुपये की वसूली ई-चालान के माध्यम से की गई। जांच के दौरान वाहनों के आरसी बुक, फिटनेस सर्टिफिकेट, प्रदूषण प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस, रिफ्लेक्टिव टेप, ट्रिपल लोडिंग और शराब पीकर वाहन चलाने जैसी गतिविधियों की भी जांच की गई। गलत तरीके से वाहन पार्क करने वालों को चेतावनी देते हुए प्रशासन ने कहा कि बार-बार ऐसा करने पर टोइंग व्हीकल से वाहन जब्त कर नगर थाना ले जाया जाएगा और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सड़क सुरक्षा प्रबंधक ने मौके पर मौजूद सभी वाहन चालकों से अपील की कि वे वाहन चलाते समय सभी नियमों का पालन करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आगे भी यह जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। जिन वाहनों का बीमा, फिटनेस, प्रदूषण प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज अद्यतन नहीं होंगे या जिन पर अल्टरेशन, ओवरलोडिंग आदि के उल्लंघन पाए जाएंगे, उन पर न सिर्फ जुमार्ना बल्कि चक्रवृद्धि ब्याज के साथ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, पूर्व में काटे गए चालान का भुगतान न करने की स्थिति में वाहन को ब्लैकलिस्ट करने और पाकुड़ व्यवहार न्यायालय में सूची प्रस्तुत कर विधिसम्मत कार्रवाई की भी चेतावनी दी गई है।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाते हुए कार्यवाही को लेकर राष्ट्रपति को लिखा पत्र

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ रविवार को राष्ट्रीय संगठन रामभक्त सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रतिनिधि सनातनी सागर ने देश के राष्ट्रपति को मेल के माध्यम से पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में पिछले दिनों घटित मामले पर चिंता जताते हुए राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा की वक्फ बोर्ड को लेकर संसोधित कानून जिसे भारत के संविधान में पारित किया गया , जिसपर जिस प्रकार से पश्चिम बंगाल में विगत 11 अप्रैल दिन शुक्रवार को राज्य के कई जिलों में विशेष समुदाय के द्वारा शांतिपूर्वक विरोध न करते हुए एक टारगेट के तर्ज पर प्लान करते हुए हिन्दुओं के घरो में हमला, दुकानों में तोड़फोड़ / लूटकांड , आगजनी , हत्या जैसे घटना को अंजाम दिया गया उसकी संगठन पूरी तरह से निंदा करती है। ऐसी भयावह घटना को अंजाम दिया गया जो इस देश की आजादी पर एक प्रश्न चिन्ह खड़ा हो गया। वही मामले को लेकर पीड़ितों के अनुसार स्थानीय बंगाल पुलिस को बार बार फोन करने के बाद भी मौके पर कोई एक्शन न लेना या न आने से बंगाल पुलिस की निति और कार्यशैली पर भी सवाल खड़ा हो रही है। महोदया को बताना चाहूंगा की सबसे बड़ी दुर्भाग्य इस बात का है की अपने ही राज्य और देश में रहने के बाद भी पीड़ितों को विशेष समुदाय के डर से घर छोड़कर भागना पड़ा और ऐसे मामलो पर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के द्वारा देश की कानून को न मानने की बात खुलेआम कहना मतलब साफ है की इस घटनाक्रम में राज्य सरकार पूरी तरह संलिप्त है। सागर ने कहा की अगर समय पर केंद्रीय फोर्स नहीं आती तो स्तिथि और भी भयावह होने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने राष्ट्रपति से निवेदन करते हुए कहा की ऐसी घटना दोबारा सिर्फ बंगाल ही नहीं देश के अन्य राज्यों में भी न हो इसको लेकर विशेष पहल करने की कृपा करें तथा पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाते हुए राज्य की मुख्यमंत्री सहित हमलावरों को चिन्हित करते हुए कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की कृपा करें। संगठन ऐसी घटना की पुरजोर निंदा करती है और राष्ट्रपति से सकारात्मक पहल करने की उम्मीद रखती है। उनके द्वारा प्रतिलिपि में बंगाल के राज्यपाल, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री को भी पत्र प्रेषित की है। उन्होंने आगे मीडिया को बताते हुए कहा की संगठन पीड़ित परिवारों से मिलकर जितना संभव हो भोजन भी मुहैया करवाने का कार्य करेगी।

जिला जज कन्हैया लाल यादव बनेंगे उत्पाद कोर्ट वन विशेष न्यायाधीश

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में जिला जज -एगारह कन्हैया लाल यादव बनेंगे अन्नय विशेष उत्पाद कोर्ट वन के विशेष न्यायाधीश एवं जिला जज पन्द्रह विवेक कुमार सिंह बनेंगे अन्नय विशेष उत्पाद कोर्ट द्वितीय के विशेष न्यायाधीश,इन दोनों कोर्ट में मध निषेध उत्पाद विभाग के हजारों मामले लम्बित है अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि पटना हाईकोर्ट द्वारा औरंगाबाद उत्पाद कोर्ट वन के विशेष न्यायाधीश धनंजय कुमार सिंह और उत्पाद कोर्ट द्वितीय के विशेष न्यायाधीश नितीश कुमार का तबादला डेढ़ माह पूर्व ही हो गया था ,नये न्यायधीशों के नियुक्ति का अधिसूचना पटना हाईकोर्ट के अनुसंशा पर बिहार सरकार समान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी किया गया है।

काटी और मीनापुर में सौर्य जयंती समारोह कार्यक्रम को लेकर राकेश सिंह ने की बैठक

पटना ,। मुजफ्फरपुर के काटी और मीनापुर विधानसभा के हरका गुडगाँमा कोदरिया मे 23 अप्रैल को बापू सभागार मे बाबू वीर कुंवर सिंह सौर्य जयंती समारोह कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बैठक किया गया जिसमे कार्यक्रम का संचालन मिर्त्युजय साही ने किया और धन्यवाद ज्ञापन संजय शाही ने किया जिसमे मुख्य रूप से भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह कृष्ण मोहन शाही बच्चा सिंह अरुण सिंह गुडगाँमा पप्पू सिंह अविनाश कुमार सिंह कौशल किशोर सिंह कृष्ण कुमार शाही कोदरिया उमेश कुमार सिंह संतोष कुमार सिंह चन्दकेत प्रसाद सिंह मुकुल कुमार सिंह अशोक सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे जिसमे सभी लोगो ने मुजफ्फरपुर से बड़ी संख्या मे पटना पहुंचने का आश्वासन दिया इस अवसर पर स्थानीय लोगो ने भी कहा की कार्यक्रम मे हमलोग के यहाँ से भी भागीदारी अच्छी रहेगी इसके लिए हमलोग लगे हुए है सौर्य दिवस पर सुबह 9.30 बजे विशेष आकर्षण भारतीय वायु सेना का नौ लड़ाकू विमान दस्ता का सूर्य किरण का सौर्य प्रदर्शन पटना मे किया जायेगा।

झासा का प्रथम संथाल परगना प्रमंडलीय बैठक देवघर में आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 20 04 25 दिन रविवार को झारखंड राज्य स्वास्थ्य सेवा संघ (झासा) का प्रथम संथाल परगना प्रमंडलीय बैठक होटल वायरे में आयोजित किया गया।आज की बैठक के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय आई एम ए के उपाध्यक्ष सह देवघर जिला आई एम ए के अध्यक्ष डॉ धन्वंतरि तिवारी थे।आज की बैठक की अध्यक्षता झासा के राज्य अध्यक्ष डॉ बिमलेश सिंह द्वारा किया गया,जबकि स्वागत संबोधन संथाल परगना के प्रमंडलीय उपाध्यक्ष डॉ मोहन पासवान द्वारा किया गया।आज की बैठक की शुरूआत संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया जिसमें राज्य के संरक्षक डॉ पी पी साह,राज्य सचिव डॉ ठाकुर मृत्युंजय सिंह,राज्य संयोजक डॉ शरद कुमार,देवघर के सिविल सर्जन डॉ युगल किशोर चौधरी,आई एम ए सचिव डॉ गौरी शंकर ,जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ अभय कुमार यादव,जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ संचयन ,राज्य कार्यकारिणी के सदस्य डॉ प्रदीप सिंह,डॉ विकास कुमार,डॉ प्रीतिश प्रणय,डॉ राजीव कुमार,डॉ विकास कुमार द्वारा किया गया। बैठक में मंच संचालन डॉ चितरंजन कुमार पंकज,डॉ नीतीश एवं डॉ नवनीता सिंह द्वारा किया गया।बैठक में डॉ धन्वंतरि तिवारी ने कहा कि आई एम ए एवं झासा को संयुक्त रूप से संगठित होने की जरूरत है तभी दोनों संगठन और संगठन के सदस्य मजबूत रहेंगे और तभी सरकार या विभाग हमारी मांगों के प्रति गंभीर होगी।उन्होंने यह भी कहा कि आज घटनाएं हुई है जिसमें डॉ कुंदन के साथ उनके निजी क्लीनिक में मारपीट की गई है उसकी घोर निंदा करता हूं साथ अगर आरोपित को जल्द से जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगी डॉ ठाकुर मृत्युंजय ने कहा कि सरकार बेवजह चिकित्सकों को ॅ ३ ॅ उपस्थिति को ले कर जान बुझ कर फंसाया जाता है ताकि सदस्य इसी में उलझा रहे और जो भी हमारी जायज मांगे है उसको टाला जा सके।साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र और बिहार के तर्ज पर डी ए सी पी देय के अवधि का अंतराल रहे,उन्होंने यह भी कहा कि संगठन प्रतिबद्ध है कि लंबित डी ए सी पी एवं सेवा संपुष्टि के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य करेगी।राज्य सचिव द्वारा यह भी कहा गया कि बोकारो एवं गोड्डा जिला में उपायुक्त के आदेश पर ॉ ॉ्ल्र३ॉ्ल उपस्थिति पोर्टल बनाया गया है इस आदेश का संगठन विरोध करती है,उन्होंने कहा कि जो दन्त चिकित्सक पी जी कर चुके है और कार्यरत है उनको विशेषज्ञ चिकित्सक का कैडर बनाया जाय।देवघर के सिविल सर्जन सह संगठन के संरक्षक डॉ जुगल किशोर चौधरी ने कहा कि 24 में से देवघर सहित सिर्फ 5 जिलों में ही ओ पी डी में नई समय सारिणी के अनुसार मरीज को ओ पी डी में इलाज किया जाता है जबकि सभी 24 जिलों के लिए यह आदेश निकाला गया था।उन्होंने कहा कि नई समय सारिणी से मरीजों को इलाज कराने में बहुत सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।राज्य संरक्षक डॉ पी पी साह ने कहा कि सरकार बायोमैट्रिक उपस्थिति को वेतन से नहीं जोड़े,कुछ जिलों में उपायुक्त द्वारा इसे वेतन से जोड़ा गया है जहां उसके खिलाफ संगठन मजबूती से अपनी बात रख रही है और उपायुक्त को अपना आदेश वापस लेना पड़ता है।संगठन के राज्य अध्यक्ष डॉ बिमलेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन लंबित डी ए सी पी एवं सेवा संपुष्टि के लिए प्रयास करेगी,साथ ही उन्होंने कहा कि दन्त चिकित्सकों की सेवा नियमावली में बदलाव कर उनको बिहार के तर्ज पर चार डी ए सी पी मिले और सामान्य चिकित्सकों के तर्ज उनकी रिटायरमेंट की उम्र सीमा भी 65 वर्ष से बढ़ा कर 67 वर्ष करे।साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत चिकित्सकों को जल्द से जल्द नई एच आर पॉलिसी सरकार लागू करे।आज देवघर जिला झासा के नई कमिटी का भी गठन कर दिया गया,सर्वसम्मति से मनोनीत नई कमिटी की घोषणा प्रमंडलीय उपाध्यक्ष डॉ मोहन पासवान ने किया।जिला के सिविल सर्जन संरक्षक होंगे वही डॉ अभय कुमार यादव को अध्यक्ष,डॉ प्रभात रंजन सचिव,डॉ अशोक अनुज कोषाध्यक्ष,डॉ अनिकेत संयोजक,डॉ संचयन एवं डॉ परमजीत कौर उपाध्यक्ष डॉ आलोक कुमार बिनोद कुमार एवं डॉ शालिनी को संयुक्त सचिव बनाया गया।वही जिला कार्यकारिणी सदस्यों में मधुपुर अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक सहित सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के अलावा डॉ अनिल कुमार,डॉ संजय कुमार,डॉ निवेदिता,डॉ प्रियंका,डॉ अम्बरीष ठाकुर,डॉ निताशा ,डॉ नवनीता सिंह,डॉ अभिषेक प्रकाश को मनोनीत किया गया।मंच का संचालन डॉ चितरंजन कुमार पंकज,डॉ निताशा एवं डॉ नवनीता सिंह द्वारा किया गया।जबकि डॉ प्रभात रंजन एवं राज्य झासा के संयोजक डॉ शरद कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।राज्य से आए हुए सभी पदाधिकारियों को एक पौधा और बाबा बैद्यनाथ मंदिर का एक मोमेंटो दिया गया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ कुमार अभय,डॉ अवधेश सिंह,डॉ जियाउल हक,डॉ श्याम सुंदर सिंह,डॉ सुनील कुमार सिंह,डॉ शब्दकांत मिश्रा,डॉ सिंकी सिंहा,डॉ रूपक,डॉ अनुराधा ,डॉ शंकर लाल मुर्मू,डॉ खालिद,डॉ महेश मिश्रा सहित कई अन्य चिकित्सक मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

शांति ,सद्भाव ,भाईचारा का एक विशाल स्थापित करने में अहम रोल रहा है ,पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव

दिव्य दिनकर

भागलपुर पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पूजा समिति अध्यक्षपप्पू यादवक्षेत्र की जनता का सम्मान और प्यार पा रहे हैं' श्री यादव कहते हैं कि हम कृष्ण के वंशज हैं और इसलिए मेरे अंदर मानवता कब पूजा करने का प्रेरणा मिलता है' 1983के पास से जितने भी त्यौहारहुएसभी शांति ,सद्भाव, और भाईचारे के साथ जोकि अभी तक मनाते आ रहे हैं ,आगे भी मानते रहेंगे' त्योहार को सफल बनाने के लिए पूजा समिति के सभी लोग दिन रात लगे रहते हैं' समिति के अध्यक्ष चौकी 32 वर्षों से पद पर बने हुए हैं, निस्वार्थ भाव से सेवा दे रहे हैं' आज उनके मधुर संबंध को लेकर बड़े-बड़े आईएएस, आईपीएस से अच्छा संबंध है चाहे शोभा यात्रा हो य अन्य कोई सभी त्योहार पर पूजा समिति के सभी टीम लगे रहते हैं 'महामंत्री देवाशीष बनर्जी कहते हैं लोगों के बीच एकता की भावना होनी चाहिए' मौके पर पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पप्पू यादव, संरक्षण भावेश यादव, महामंत्री देवाशीष बनर्जी, वह-ीसमाज सेवीनीतू देवी, आकाश यादव अपनी टीम के कर्मठ और गणमान्य लोग उपस्थित रहते हैं'

वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

तारापुर। एवोक इंडिया फाउंडेशन ने मध्य विद्यालय कसबा में वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आशा कार्यकर्ता सेविका पूनम देवी ने की। इसमें ग्रामीण महिलाओं को केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में एवोक इंडिया फाउंडेशन के जिला समन्वयक कमलसेन कुमार ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना और सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सुकन्या समृद्धि योजना एक छोटी बचत योजना है। इसकी शुरूआत 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत हुई थी। इस योजना में माता-पिता या कानूनी अभिभावक 10 वर्ष से कम उम्र की बच्ची के नाम से खाता खोल सकते हैं। इसमें 250 रुपये से लेकर 1.5 लाख रुपये तक सालाना जमा किए जा सकते हैं। एक परिवार से अधिकतम दो बच्चियों के नाम पर ही खाता खोला जा सकता है। यह योजना बच्चियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए लाभदायक है। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को बीमा, पेंशन, छात्रवृत्ति और अन्य सरकारी लाभों की जानकारी देना था। साथ ही इन योजनाओं तक उनकी पहुँच को आसान बनाना भी लक्ष्य था।

सिगरेट फैक्ट्री में मॉक ड्रिल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दिव्य दिनकर प्रमंडल ब्यूरो पवन कुमार चौधरी

मुंगेर। इंडियन टोबैको कॉरपोरेशन की मदर यूनिट के रूप में मुंगेर जिला में स्थापित सिगरेट फैक्ट्री में शनिवार को आपदा से बचाव को लेकर एक दिवसीय जागरूकता सह मॉक ड्रिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी के अगुवाई में मुंगेर के सिगरेट फैक्ट्री में आग से बचाव हेतु अग्नि विभाग की टीम द्वारा मॉक ड्रिल के माध्यम से कर्मी के बीच उसे बचा हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। मॉक ड्रिल के तहत सिगरेट का फैक्ट्री में कार्यरत आपदा से बचाव को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। किसी दुर्घटना के कारण फैक्ट्री में आग लग जाने की स्थिति में अथवा फैक्ट्री के किसी यूनिट में शॉर्ट सर्किट के कारण आगजनी हो जाने पर हमें किन बातों पर विशेष रूप से ख्याल रखना है, इस-ाको लेकर भी कर्मियों को जागरूक किया गया। सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि आग लग जाए तो आप लोग घबराए नहीं बल्कि इन विधि का उपयोग करें। हायर फाइटिंग सिस्टम और इमरजेंसी कम्युनिकेशन की जानकारी दी गई। मौके पर अविनाश कुमार ,राहुल कुमार, विजय कुमार,राकेश कुमार, तथा फायरमैन कर्मी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पर्यवेक्षक ने कांग्रेस कार्यकताओं से संगठन की मजबूती पर की चर्चा

दिव्य दिनकर प्रमंडल ब्यूरो पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर जमालपुर विधानसभा अंतर्गत नगर परिषद जमालपुर स्थित श्री मारवाड़ी धर्मशाला के प्रांगण में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जमालपुर शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में रविवार को एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जमालपुर शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष साईं शंकर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक विकास बुडानिया तथा मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक पासवान उपस्थित थे। अध्यक्ष साईं शंकर ने बैठक में उपस्थित जमालपुर शहर कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारी उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं वार्ड अध्यक्षों का परिचय राष्ट्रीय पर्यवेक्षक विकास बुडानिया से करवाया। राष्ट्रीय पर्यवेक्षक ने बैठक में उपस्थित कांग्रेस के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठन को बूथ लेवल तक मजबूती प्रदान करने पर जोर दिया। उन्होंने हर घर कांग्रेस का झंडा, वोटर लिस्ट फर्स्ट, जन आक्रोश चौपाल और हैंडबिल वितरण, समुदाय केंद्रित बैठक, जिला एवं प्रखंड स्तर पर सोशल मीडिया केंद्र की स्थापना पर बल दिया। उन्होंने सभी कार्यकताओं के साथ चर्चा की और बूथ कमेटी मजबूत करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा बूथ कमेटी जितना ही मजबूत होगा उतना ही संगठन को मजबूती प्रदान होगी। मौके पर अधिवक्ता अरुण देव सहाय, डॉ दिनेश प्रसाद, कमलेश्वरी मंडल, गोपीचंद सितारा, केदार साह, मो एनुल, राजेश कुमार, सिद्धेश्वर नाथ विश्वकर्मा, राजन प्रसाद यादव, राजकुमार मंडल, ब्रह्मदेव चौरसिया, मेघन सिंह, अशोक गोस्वामी, सरिता देवी, मोनी कुमारी, आर के पूनम श्री, शिवलाल रजक, विनोद मंडल, विष्णु देव पासवान, भूपेंद्र नाथ सिंह, मो नौशाद आलम, महेश प्रसाद सिंह, अभय चंद्र यादव, निरंजन प्रसाद तिवारी, ओमप्रकाश साह, बिंदेश्वरी दास, दशरथ दास, मनोज कुमार शर्मा, चंद्रशेखर चौरसिया, राहुल कुमार रंजीत कुमार सिंह, राजकुमार रजक सहित सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जयनगर पटना नमो भारत समेत चार नई ट्रेनें 24 से चलेंगी

मधुबनी की सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखायेंगे

सहरसा से मुंबई अमृत भारत, सहरसा से पिपरा और समस्तीपुर के लिए भी नई ट्रेन

दिव्य दिनकर बिहार प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

बिहार को 24 अप्रैल को चार नई ट्रेनों का तोहफा मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को जयनगर मधुबन से पटना के बीच बिहार की पहली नमो भारत ट्रेन और सहरसा से मुंबई तक अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन को हरी झंडी दिखायेंगे इसके अलावा सहरसा से सुपौल होते हुए पिपरा के बीच नई पैसेंजर ट्रेन और सहरसा से खगड़िया, अलौली होते हुए समस्तीपुर के लिए मेमू पैसेंजर ट्रेन का परिचालन भी शुरू होगा। भारत ट्रेन मधुबनी, जयनगर, समस्तीपुर, बरौनी, मोकामा, बख्तियारपुर होते हुए पटना तक आएगी और जाएगी। बिहार की दूसरी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन सहरसा से समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, पाटलिपुत्र (पटना) दानापुर, डीडीयू, इटारसी, भुसावल के रास्ते मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन तक चलेगी। रेलवे ने इसका टाइम टेबल भी घोषित कर दिया है। समस्तीपुर मंडल के डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री नवनिर्मित पिपरा-सुपौल रेलखंड का शुभारंभ भी करेंगे।

जदयू भाजपा सहित कई पार्टियों ने की भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा तोड़ने की घटना की घोर निंदा

रिपोर्ट- अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह प्रखंड में स्थित बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया हैं। सूचना मिलते ही बिडिओ राजेश कुमार दिनकर सीओ अजय कुमार सिंह व थानाध्यक्ष मो इरसाद ने घटना स्थल पर पहुंचकर छान बिन में जुट गये हैं।

इधर बाबा साहेब अम्बेकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त

किए जाने की घटना को सभी पार्टियों ने घोर निंदा करते हुए करवाई की मांग की हैं। जदयू प्र-खंड अध्यक्ष कुंजन सिंह ने घोर निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं समाज में तनाव और अशांति पैदा करने के लिए की जा रही हैं, जो कि पूरी तरह से अस्वीकार्य है। कुंजन सिंह ने प्रशासन से मांग की है कि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का योगदान समाज के लिए अतुलनीय है और उनकी प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करना उनके योगदान का अपमान है। वही भारतीय जनता पार्टी के गोह मंडल अध्यक्ष और 20 सूत्री सदस्य राजीव कुमार विद्यार्थी ने कहा कि बाबा साहब का विचार जन-जन तक पहुंच गया है और ऐसे में इस तरह की घटनाएं समाज में तनाव पैदा करने के लिए की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि गोह की जनता ऐसे तत्वों को कामयाब नहीं होने देगी। इस घटना की निंदा करने वालों में उमेश पासवान, गोह प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष और गोह मंडल भाजपा अध्यक्ष, भाजपा नेता सत्यपाल कुमार उर्फ भोला यादव, रणधीर पासवान, निर्मला देवी, रामजी पासवान, गजेंद्र भूषण पासवान, रंधीर पासवान और सैकड़ों अन्य लोग शामिल हैं। सभी ने एक स्वर में इस घटना की निंदा की है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर हुई पत्थरबाजी

झगड़ा देख रहे एक युवक को लगी गोली, बेहतर इलाज के लिए किया गया रेफर

दिव्य दिनकर प्रमंडल ब्यूरो पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। नया रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत भगीचक गांव में जमीनी विवाद को लेकर रविवार को दो पक्षों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। देखते ही देखते मामला इस कदर बढ़ गया कि दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी शुरू हो गई। मामला इतने में ही नहीं थमा। बात इस कदर बढ़ गई कि उत्तेजना में आकर एक पक्ष की ओर से गोलीबारी शुरू कर दी गई। गोलीबारी की इस घटना में झगड़ा देख रहे एक युवक को गोली सीने में जा लगी। गोली लगने के बाद घायल युवक कुंदन मंडल वहीं गिर पड़ा। जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल कुंदन मंडल को सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए उसे प्राइवेट अस्पताल में रेफर कर दिया गया। मामले को लेकर पीड़ित पक्ष की ओर से संजय गोस्वामी ने नया रामनगर थाना पुलिस को लिखित आवेदन देकर मारपीट एवं गोलीबारी की घटना की शिकायत की है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को बताया कि रविवार को जब उसके द्वारा अपने घर पर लगे टीन के चादर से निर्मित छप्पर की मरम्मत कराई जा रही थी। इसी बीच पड़ोस में रह रहे संतोष यादव, मुकेश यादव एवं रितेश यादव ने अपने पूरे परिवार के साथ मिलकर अचानक हमला बोल दिया। इस दौरान आरोपियों के द्वारा जमकर पत्थरबाजी भी की गई। हमलावर इतने पर भी शांत नहीं हुए और देखते ही देखते गोली से फायरिंग भी शुरू कर दी। गोलीबारी की इस घटना में झगड़ा देख रहे भगीचक निवासी कुंदन मंडल के सीने में एक गोली जा लगी। जिसे इलाज के लिए स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल ले जाया गया। गोली सीने में फंसे होने के कारण घायल कुंदन मंडल को बेहतर इलाज के लिए प्रा-इवेट अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं, पीड़ित पक्ष ने सभी आरोपियों पर लूटपाट का भी आरोप लगाया है। पी-ड़ित पक्ष की ओर से बताया जा रहा है कि उन लोगों के द्वारा पूरी घटना का वीडियो भी बना लिया गया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो के बारे में दावा है कि यह उसी मारपीट की घटना का वीडियो है। बहरहाल, दिव्य दिनकर किसी भी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वैसे नया रामनगर थाना पुलिस मामले की छानबीन के साथ-साथ वायरल वीडियो की में सत्यता की जांच में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की तलाश जारी है।

पटना पुलिस में बड़ा फेरबदल: 120 सिपाहियों का तबादला, थानों में नई तैनाती

पटना: राजधानी में पुलिस महकमे में एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक बदलाव देखने को मिला है। एसएसपी अवकाश कुमार के निर्देश पर लंबे समय से एक ही थाने, डीएसपी या एसडीपीओ कार्यालय में जमे 120 पुलिसकर्मियों का तबादला कर दिया गया है। इसमें सबसे अधिक संख्या में आर्म्स गार्ड और र-ीडर शामिल हैं। हाल ही में तीन थानों में थानेदारों के तबादले के बाद 402 एस-ाआई और एएसआई को एक थाने से दूसरे थाने में स्थानांतरित किया गया था। अब तबादले की यह लहर सिपाहियों तक पहुंच चुकी है। इस बार डीएसपी कार्यालयों और थानों में लंबे समय से जमे 39 रीडर्स की पहचान कर उन्हें अन्य सर्कल इंस्पेक्टर कार्यालयों और थानों में स्थानांतरित किया गया है। ये र-ीडर पहले बख्तियारपुर, दानापुर, डुमरा, हथीदह, मसौढ़ी और पुनपुन जैसे क्षेत्रों में तैनात थे। वहीं, 81 आर्म्स गार्ड को एक थाने से दूसरे थाने में भेजा गया है। सूत्रों की मानें तो अगली सूची में थानों के चालकों और अन्य सिपाहियों को भी ट्रांसफर किया जा सकता है।

नए थानेदारों की तैनाती

पुलिस महकमे में यह बदलाव यहीं नहीं रुका। दीघा, बाढ़ और बेउर थानों में नए थानेदार तैनात किए गए हैं। ब्रजकिशोर सिंह, जो पहले दीघा थाने में तैनात थे, अब बाढ़ थाने की कमान संभालेंगे। संतोष कुमार सिंह, जो बाढ़ और मोकामा थानों की कांड समीक्षा में लगे थे, को दीघा थाना सौंपा गया है। अमरेंद्र कुमार साह, जो दानापुर कोर्ट अभियोजन एवं सुरक्षा के पदाधिकारी थे, अब बेउर थाना का जिम्मा संभालेंगे। एसएसपी के इस निर्णय को पुलिसिंग में सुधार और पारदर्शिता की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

सबौर में ऐतिहासिक होगा आसा पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन : हंसल सिंह

दिव्या दिनकर संवाददाता

भागलपुर। आगामी 25 अप्रैल को भागलपुर जिला के सबौर प्रखंड में संपन्न हो रहे आप सबकी आवाज राष्ट्रीय पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी को लेकर पार्टी के नेताओं के द्वारा तैयारी जोर शोर से की जा रही है। एक तरफ जहां पार्टी के नेताओं के द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाकर कार्यकताओं को उत्साहित किया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ पार्टी के नेता आम जनता के बीच पहुंचकर आमंत्रण पत्र वितरित करते हुए लोगों को अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचने की अपील कर रहे हैं। आप सब की आवाज राष्ट्रीय पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह कहलगांव विधानसभा प्रभारी प्रसेनजीत सिंह उर्फ हंसल सिंह के नेतृत्व में पार्टी के नेताओं ने शनिवार को कहलगांव विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। हंसल सिंह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सुशासन बाबू के रूप में जनता के बीच लोकप्रिय बनाने के पीछे मुख्यमंत्री के तत्कालीन निजी सलाहकार के रूप में रामचंद्र प्रसाद सिंह ने अपनी विशिष्ट भूमिका निभाई। आरसीपी सिंह के कुशल प्रशासनिक नेतृत्व में बिहार को विकास के पटरी पर लाने का प्रयास किया गया। एक बार फिर बिहार विकास की पटरी से उतर चुका है। ऐसे में बिहार को फिर से आरसीपी सिंह के नेतृत्व में विकसित बिहार के रूप में परिवर्तित करने के लिए आसा पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार का गठन करना होगा। तभी बिहार की आम जनता का सपना साकार होगा।हंसल सिंह ने लोगों से कार्यकर्ता सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि हमारे नेता को सुनने आप लोग आईए। आने वाले समय में आरसीपी सिंह के नेतृत्व में सरकार के गठन के बाद बिहार कैसा होगा, उनसे आपको सुनने एवं समझने का मौका मिलेगा। और 2025 में विकसित बिहार बनाने के लिए इस कार्यकर्ता सम्मेलन में आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। बताते चलें कि आगामी 25 अप्रैल को आसा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह का सबौर आगमन हो रहा है। जहां वह कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से आम जनता तथा पार्टी के कार्यकताओं को संबोधित करेंगे। इस दौरान हंसल सिंह ने सबौर में आयोजित होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने के लिए आम जनता के बीच आमंत्रण पत्र बांटकर उन्हें विशेष रूप से आमंत्रित किया। मौके पर वीरेंद्र कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, जयप्रकाश सिंह, अजय पंडित, संजीव कुमार पासवान, विभाष कुमार सिंह, युवा नेता चिराग सिंह, सुनील कुमार सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

सबौर में ऐतिहासिक होगा आसा पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन : हंसल सिंह

दिव्या दिनकर संवाददाता

भागलपुर। आगामी 25 अप्रैल को भागलपुर जिला के सबौर प्रखंड में संपन्न हो रहे आप सबकी आवाज राष्ट्रीय पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी को लेकर पार्टी के नेताओं के द्वारा तैयारी जोर शोर से की जा रही है। एक तरफ जहां पार्टी के नेताओं के द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाकर कार्यकताओं को उत्साहित किया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ पार्टी के नेता आम जनता के बीच पहुंचकर आमंत्रण पत्र वितरित करते हुए लोगों को अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचने की अपील कर रहे हैं। आप सब की आवाज राष्ट्रीय पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह कहलगांव विधानसभा प्रभारी प्रसेनजीत सिंह उर्फ हंसल सिंह के नेतृत्व में पार्टी के नेताओं ने शनिवार को कहलगांव विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। हंसल सिंह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सुशासन बाबू के रूप में जनता के बीच लोकप्रिय बनाने के पीछे मुख्यमंत्री के तत्कालीन निजी सलाहकार के रूप में रामचंद्र प्रसाद सिंह ने अपनी विशिष्ट भूमिका निभाई। आरसीपी सिंह के कुशल प्रशासनिक नेतृत्व में बिहार को विकास के पटरी पर लाने का प्रयास किया गया। एक बार फिर बिहार विकास की पटरी से उतर चुका है। ऐसे में बिहार को फिर से आरसीपी सिंह के नेतृत्व में विकसित बिहार के रूप में परिवर्तित करने के लिए आसा पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार का गठन करना होगा। तभी बिहार की आम जनता का सपना साकार होगा।हंसल सिंह ने लोगों से कार्यकर्ता सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि हमारे नेता को सुनने आप लोग आईए। आने वाले समय में आरसीपी सिंह के नेतृत्व में सरकार के गठन के बाद बिहार कैसा होगा, उनसे आपको सुनने एवं समझने का मौका मिलेगा। और 2025 में विकसित बिहार बनाने के लिए इस कार्यकर्ता सम्मेलन में आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। बताते चलें कि आगामी 25 अप्रैल को आसा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह का सबौर आगमन हो रहा है। जहां वह कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से आम जनता तथा पार्टी के कार्यकताओं को संबोधित करेंगे। इस दौरान हंसल सिंह ने सबौर में आयोजित होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने के लिए आम जनता के बीच आमंत्रण पत्र बांटकर उन्हें विशेष रूप से आमंत्रित किया। मौके पर वीरेंद्र कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, जयप्रकाश सिंह, अजय पंडित, संजीव कुमार पास-ावान, विभाष कुमार सिंह, युवा नेता चिराग सिंह, सुनील कुमार सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

भारत सरकार के विकास एवं पंचायती राज संस्थान, ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मदनपुर प्रखंड के चार पंचायतों के मुखियागण को सात दिवसीय प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद में उपस्थित हुए

इस सात दिवसीय प्रशिक्षण में लिए चेई नवादा मुखिया विकास कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह ने भारत सरकार के प्रति आभार जताया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- भारत सरकार के विकास एवं पंचायती राज संस्थान, ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मदनपुर प्रखंड के चार पंचायतों के मुखिया गण को सात दिवसीय प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद में उपस्थित हुए , इस सात दिवसीय प्रशिक्षण में लिए चेई नवादा मुखिया विकास कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह ने भारत सरकार के प्रति आभार जताया। बताते चलें कि इस प्रशिक्षण बैठक में हैदराबाद के ग्रामीण इलाकों का परिभ्रमण भी कर रहे मुखिया और नई मॉडल की विकास कार्य का संदेश प्राप्त कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास एवं पंचायती राज संस्थान, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा मदनपुर प्रखंड के चार पंचायतों के मुखिया का सात दिवसीय प्रशिक्षण के लिए चयनित किया गया था। चयनित मुखियाओं में चेई नवादा पंचायत के मुखिया विकास कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह, घटराईन पंचायत के मुखिया संजय यादव, वार पंचायत के मुखिया शिवपूजन राम एवं मदनपुर पंचायत के मुखिया हमीद अख्तर शामिल हैं। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना के तहत बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान बिपार्ड द्वारा 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक प्रशिक्षण कार्यक्रम हैं। प्रशिक्षण को लेकर मुखिया लोगों को स्पोजर,इस प्रशिक्षण बैठक में आंध्रप्रदेश के जिला नन्दयाल हैदराबाद के प्रखंड पन्नयाल के पंचायत कौलुनूरु ले जाया गया, जहां पंचायत में किए जा रहे सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन एवं विकास कार्यों का अवलोकन कराया गया ताकि वे लोग यहां आकर विकास योजना का सही रूप में कार्यान्वित कर सकें। मुखिया को वहां के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। चेईनवादा पंचायत के मुखिया बब्लू सिंह एवं घटराईन पंचायत के मुखिया संजय यादव ने बताया कि हैदराबाद के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करने का अवसर मिला। इस दौरान वहां किस तरह सरकारी योजनाओं का धरातलीय क्रियान्वयन हो रहा है। सीखने और समझने का मौका मिला। प्रशिक्षण से एक नई सोच एवं उर्जा मिलता है।

सुलह मानवीय मूल्यों की रक्षा है

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष प्रधान जिला जज राजकुमार वन और प्रभारी सचिव न्यायधीश दिवान फहद खां के निदेश पर पंचायत भवन बरियावा माली में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता पैनल अधिवक्ता नंदकेश्वर साव और संचालन पारा विधिक स्वयं सेवक राजकुमार पासवान ने किया, पैनल अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि सर्वप्रथम उपस्थित ग्रामीणो 10 मई को लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी दी गई तत्पश्चात वाणिज्यिक न्यायालय में वाणिज्यिक विवाद के मध्यस्थों के माध्यम से निपटन तथा ए. डी .आर प्रणाली के द्वारा मध्यस्थता विषय पर विधिक जागरूकता फैलाई गई तथा विधिक सहायता के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी गई इस अवसर पर उपस्थित थे विजय प्रताप सिंह मुखिया प्रतिनिधि, उदय कुमार सिंह पंचायत समिति,शिमेंन्द्र, अम्बीकर कुमारी, श्रवण, दिलीप,मो इस्लाम, बिजली पासवान,राजू सहित अन्य उपस्थित थे अधिवक्ता ने आगे बताया कि 27/04/25 को समुदायिक भवन बर्तवा जम्होर में पैनल अधिवक्ता राकेश रंजन और पारा विधिक स्वयं सेवक सुरेन्द्र प्रसाद द्वारा विषय बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं से सम्बंधित नालसा योजना 2024 पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया जाएगा।

क्या सरकार चाहती है कि सर्वोच्च न्यायालय जी-हुज़ूरी करे !

>> विचार

"धनखड़ का कहना था कि न्यायालय यह नहीं कर सकता, यह काम राज्यपाल और राष्ट्रपति का है। लेकिन सवाल यह है कि राज्यपाल जिसका काम संविधान सम्मत व्यवहार करना है अगर वह केंद्र सरकार के अधीन काम करके राज्य की विधायी व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करे तो क्या किया जाए? क्या किया जाए अगर देश के संघीय ढांचे को चोट पहुंचाई जा रही हो? क्या किया जाए अगर एक चुनी हुई विधायिका, जो नागरिकों के लिए क़ानून बनाने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य है।

वंदिता मिश्रा

हालिया फैसलों के बाद केंद्र और सुप्रीम कोर्ट के बीच टकराव की स्थिति बनती दिख रही है। क्या सरकार न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर असर डालना चाहती है? जानिए इस बहस के पीछे की गहराई। 9 दिसंबर 1948 को संविधान सभा में डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि "यदि मुझसे पूछा जाए कि इस संविधान में कौन सा विशेष अनुच्छेद सबसे महत्वपूर्ण है-एक ऐसा अनुच्छेद जिसके बिना यह संविधान निष्प्रभावी हो जाएगा-मैं किसी अन्य अनुच्छेद का उल्लेख नहीं कर सकता सिवाय अनुच्छेद 32 के। यह संविधान की आत्मा और इसका हृदय है।" आंबेडकर को यह अनुच्छेद इसलिए संविधान की आत्मा लगता था क्योंकि यह देश के हर नागरिक को, चाहे उसका कोई भी धर्म, जाति या लिंग हो, उसके मौलिक अधिकारों के हनन के खिलाफ़ देश की सवीच्च अदालत में सीधे बिना रोक-टोक जाने और राहत पाने का अधिकार देता है। कोई भी राजनैतिक दल चाहे कितनी भी राजनैतिक शक्ति समेटे हो, चाहे समाज के किसी भी वर्ग का उसे कितना भी समर्थन प्राप्त हो, विधायिका में वह चाहे जितना सबल हो लेकिन उसे भारत के लोगों के मौलिक अधिकारों के हनन का लाइसेंस नहीं मिल सकता। यदि कभी कोई सरकार मुग़ालते में आकर, अपनी विधायी शक्तिबल से प्रेरित होकर ऐसा करने का प्रयास करता है तो सवीच्च न्यायालय, जिसे भारत के संविधान का अभिरक्षक कहा जाता है, उसे रोकता है। आंबेडकर इसे 'न्यायिक अतिरेक' नहीं बल्कि सामाजिक न्याय की एक आवश्यकता के रूप में देखते हैं। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि क़ानून बनाने का काम संसद का है लेकिन क़ानून की व्याख्या करने का अधिकार सिर्फ़ सवीच्च न्यायालय को है। और देश की सवीच्च अदालत यह कार्य संविधान के आलोक में करती है। जहाँ उसे यह प्रतीत होता है कि कोई क़ानून संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों का हनन कर रहा है और सरकार/संस्थाएँ संविधान द्वारा दी गई शक्तियों की सीमाएँ भूल रही हैं, वहाँ न्यायालय अपना हस्तक्षेप करने को बाध्य है क्योंकि उसे यह ड्यूटी संविधान द्वारा दी गई है। मोदी सरकार ने वक़्फ़ संशोधन क़ानून 2025 संसद से पारित करवाया। यह कहा गया कि इसकी व्यापक संसदीय समीक्षा की गई है, हालाँकि इस पर विपक्षी दल सहमत नहीं हैं। क़ानूनविदों की राय में यह क़ानून 'समानता का अधिकार', 'धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार' और संस्कृति व शिक्षा संबंधी अधिकारों का उल्लंघन करता है। यह सभी अधिकार संवैधानिक गारंटी प्राप्त मूल अधिकारों की श्रेणी में आते हैं। अब जब अपने इन अधिकारों की सुरक्षा के लिए अल्पसंख्यक समुदाय सीधे सवीच्च न्यायालय जाने के अपने अधिकार (अनुच्छेद-32) का इस्तेमाल कर रहा है तो सरकार असहज हो रही है। अल्पसंख्यकों का पक्ष सुनने और क़ानून को प्रथम दृष्टया देखने के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश वाली पीठ ने इस क़ानून के अनुपालन पर फ़िलहाल अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। अल्पसंख्यकों को प्रदान की गई यह राहत केंद्र सरकार और समूची भारतीय जनता पार्टी को नागवार गुज़री है। देश के क़ानून मंत्री का कहना है कि जिस तरह न्यायपालिका कार्यपालिका के कार्य में हस्तक्षेप कर रही है वह ठीक नहीं है "अगर कल के दिन सरकार ने भी न्यायपालिका के कार्य में हस्तक्षेप किया तब क्या" होगा। मेरा सवाल है कि क्या भारत का क़ानून मंत्री भारत की सवीच्च अदालत को धमकी दे रहा है? आख़िर इस क़ानून में ऐसी क्या ख़ामी है जिसकी न्यायिक समीक्षा को लेकर केंद्र सरकार विचलित हो रही है? न्यायालय ने यही तो पूछा है कि सदियों पुरानी 'वक़्फ़ बाय यूजर' के लिए पीड़ित पक्ष दस्तावेज कहाँ से जुटाएगा? अगर दस्तावेज नहीं जुटा सका, जिसकी पूरी संभावना है, तो वह ज़मीन सरकार अपने क़ब्ज़े में ले लेगी; न्यायालय ने समानता के अधिकार का हवाला देते हुए यही तो पूछा है कि जब मन्दिर के न्यासों में मुसलमान नहीं हो सकते तो वक़्फ़ बोर्ड में हिंदुओं को किस आधार पर जगह दी गई है? असल में सरकार यह चाहती है कि वो संविधान को जैसे चाहे वैसे तोड़े-मरोड़े और जिसे संविधान ने संविधान का अभिरक्षक बनाया है वह मूक दर्शक बनकर सरकार की हाँ में हाँ मिलाता रहे, अगर ऐसा नहीं किया तो न्यायपालिका को 'टारगेट' किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे का कहना है कि भारत में 'गृहयुद्ध' चल रहा है और इसके लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस संजीव खन्ना, जिम्मेदार हैं। दुबे यह सब सिर्फ़ इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि देश की सवीच्च अदालत ने अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर उनके साथ खड़े होकर सरकार से सवाल पूछ लिया। दुबे यह सिर्फ़ इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि सवीच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को यह याद दिला दिया कि भारत के संविधान में 'समानता का अधिकार' प्रदान किया गया है और यह किसी भी हालत में ख़त्म नहीं किया जा सकता है। अब तक अल्पसंख्यकों के साथ खड़े होने पर राजनैतिक दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जाता था और अब यह निशाना स्वतंत्र न्यायपालिका पर साधा जा रहा है। मुझे तो कहीं गृहयुद्ध नहीं दिख रहा है। मेरी इतिहास की समझ मुझे गृहयुद्ध का सेंस तब देती है जब कुछ ऐसा हो जैसा-चीनी गृहयुद्ध में हुआ, जो हालात तब बने जब अमेरिकी गृहयुद्ध हुआ या फिर रूसी गृहयुद्ध। इसके अलावा अगर इस सदी की बात करें तो जैसा कांगो में हुआ। सवाल यह है कि निशिकांत दुबे और उनकी पार्टी क्या यह बताना चाहती है कि अगर न्यायपालिका ने अल्पसंख्यकों का साथ दिया तो गृहयुद्ध छिड़ जाएगा? क्योंकि बीजेपी के पास एक 'विकृत इतिहास दर्शन' है इसलिए अगर मान भी लूँ कि गृहयुद्ध चल रहा है तो दुबे जी को यह बताना चाहिए कि गृहमंत्री क्या कर रहे हैं? कहाँ हैं? कैसे निपट रहे हैं? मुद्दा सिर्फ़ इतना है कि देश की सवीच्च अदालत आज अल्पसंख्यकों के साथ खड़ी कैसे हो गई? केंद्र सरकार को अल्पसंख्यक अधिकारों के हनन की लत पड़ चुकी है, चाहे बात- तीन तलाक़ की हो, उअअ-टफ्फ की हो या बीजेपी शासित राज्यों में लाए जा रहे तथाकथित समान नागरिक संहिता के क़ानूनों की। जब तक बिना न्यायिक हस्तक्षेप के अल्पसंख्यकों के घर गिराये जाते रहें, उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक साबित किया जाता रहे और संसद में खड़े होकर उनको गालियाँ देने का कार्यक्रम चलता रहे तब तक सब ठीक है लेकिन अगर उन्हें न्यायालय से समर्थन मिलने लगे तो गृहयुद्ध की धमकी शुरू! निशिकांत दुबे भूल रहे हैं कि यह संप्रभु देश भारत है, जिसकी नींव में आंबेडकर, गांधी और नेहरू जैसे लोग हैं, यह विल्सन फिस्क का हेल्स किचन नहीं जहाँ कानून और संविधान को किसी सफेदपोश का गुलाम बनाकर रख दिया जाए (डेयर डेविल वेब सीरीज)। दुबे भारत के 543 लोकसभा सांसदों में से एक सांसद हैं वह स्वयं देश की संसद बनने की कोशिश न करें। जिस न्यायालय पर चर्चा भर करने से पहले (आरोप तो बहुत दूर की बात है) लोकसभा का स्पीकर दस बार सोचता है उस लोकसभा का एक सदस्य होकर उन्हें यह सब करने से पहले अपने स्पीकर से पूछना चाहिए था। वह एक सांसद हैं जिन्हें जनता ने चुनकर भेजा है उन्हें फ्रिंज तत्वों की तरह व्यवहार नहीं करना चाहिए। असल में निशिकांत दुबे को अलग से देखने की ज़रूरत नहीं है यह सब कुछ उस पारिस्थितिकी का हिस्सा है जो देश में दशकों तक शासन करने की ज़िद पाल बैठी है। अब इसके लिए चाहे उसे जिस भी संस्थान को 'किनारे' लगाना पड़े वो लगाने को तैयार हैं। पिछले दस सालों में सवीच्च न्यायालय एकमात्र संस्था बची है जहाँ अभी भी यह पारिस्थितिकी पूरी तरह हावी नहीं हो सकी है। पर कोशिश जारी है। और यह कोशिश हर स्तर पर की जा रही है, निशिकांत तो उसमें सबसे निचले पायदान पर हैं। इन दिनों इस मोर्चे का नेतृत्व भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सम्भाल रखा है। उनका पद बेहद संवेदनशील है क्योंकि यह संवैधानिक है। लेकिन शायद धनखड़ ऐसा नहीं सोचते। चूँकि संविधान उपराष्ट्रपति को सवीच्च न्यायालय की सीधी आलोचना का कोई अधिकार नहीं देता, फिर भी वो कर रहे हैं इसलिए नागरिक के तौर पर उपराष्ट्रपति की रचनात्मक आलोचना का अधिकार सभी को है, भले ही यह संविधान में सीधे सीधे ना वर्णित किया गया हो। उपराष्ट्रपति धनखड़ पद संभालने के बाद से लगातार सवीच्च न्यायालय की आलोचना करते रहे हैं। हाल में उन्होंने सवीच्च न्यायालय के 'तमिलनाडु राज्य बनाम राज्यपाल' फ़ैसले की आलोचना की। इस मामले में सवीच्च न्यायालय ने अनुच्छेद-142 का इस्तेमाल करके वर्षों से लंबित 10 विधेयकों को राष्ट्रपति की 'अनुमति प्रदान की गई' मानकर पारित कर दिया। धनखड़ का कहना था कि न्यायालय यह नहीं कर सकता, यह काम राज्यपाल और राष्ट्रपति का है। लेकिन सवाल यह है कि राज्यपाल जिसका काम संविधान सम्मत व्यवहार करना है अगर वह केंद्र सरकार के अधीन काम करके राज्य की विधायी व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करे तो क्या किया जाए? क्या किया जाए अगर देश के संघीय ढांचे को चोट पहुंचाई जा रही हो? क्या किया जाए अगर एक चुनी हुई विधायिका, जो नागरिकों के लिए क़ानून बनाने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य है, के कार्यों को रोक दिया जाए? क्या किया जाए अगर संवैधानिक पदों पर बैठे लोग संविधान के अनुच्छेदों के माध्यम से संविधान का ही गला घोंटने लगें? ऐसी स्थिति से निपटने के लिए संविधान सभा ने अनुच्छेद-142 का प्रावधान किया। अनुच्छेद 142 सवीच्च न्यायालय को किसी भी मामले में 'पूर्ण न्याय' करने के लिए आवश्यक कोई भी डिक्री या आदेश पारित करने की शक्ति देता है, जो पूरे भारत में लागू होता है। न्यायालय ने इसी अनुच्छेद का इस्तेमाल करके राज्यपाल के असंवैधानिक रवैये पर रोक लगा दी। लेकिन इन सबसे उपराष्ट्रपति आहत हो गए। उपराष्ट्रपति धनखड़ को कभी 'संविधान की मूल संरचना का सिद्धांत' खटकने लगता है तो कभी संविधान का अनुच्छेद-142। उनकी परेशानी समझी जा सकती है क्योंकि यह दोनों ही ऐसी बातें हैं जो इस देश में अधिनायकवाद को अपनी जड़ें जमाने से रोक रही हैं। संविधान का मूल ढाँचा सरकारों को संविधान के ऐसे प्रावधानों से छेड़छाड़ करने से रोकती है जो असल में भारत को एक संवैधानिक, संप्रभु और धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के रूप में स्थापित करते हैं। यह ढाँचा राजनैतिक दलों की विचारधारा को देश की क़ानून व्यवस्था और आम जीवन में थोपने से रोकता है। संघीय ढांचे की रक्षा करते हुए यह सिद्धांत देश की अखंडता को जीवंत बनाये रखता है। राष्ट्रपति धनखड़ ने कहा है कि अनुच्छेद-142 सुप्रीम कोर्ट के पास 24 घंटे सातों दिन उपलब्ध एक नाभिकीय मिसाइल है जिसका वो जब चाहे इस्तेमाल कर सकता है। उनका अनुमान सही हो सकता है लेकिन व्याख्या सीमित है। यह सही है कि भारत के संविधान में वर्णित अनुच्छेद-142 एक अत्याधुनिक संवैधानिक हथियार है जिसकी सटीकता बेहद उन्नत दर्जे की है। यह अगर राज्यपालों द्वारा संघीय ढांचे को बर्बाद करने के ऊपर गिराया जाता है तो सिर्फ़ इसी बर्बादी को ही नुकसान पहुँचाता है। यह हथियार सरकार और विचार के एजेंडे से आगे लापरवाह और ताक़त के मद में डूबी सत्ता से संविधान के ढांचे को बचाने का नज़रिया है। यदि इसने सामान्य नाभिकीय मिसाइल की तरह कार्य किया होता तो राम मंदिर निर्णय से, जहाँ इसका इस्तेमाल किया गया था, देश में असंतुलन स्थापित हो जाता; विशाखा निर्णय से भी देश क्षत-विक्षत हो जाता, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। अब यदि इसे केंद्र सरकार की उस नीयत पर इस्तेमाल किया गया है जिसके तहत वो किसी भी ग़ैर-बीजेपी सरकार को सामान्य तरीक़े से चलने की अनुमति नहीं देती है तो इसे एक स्वागतयोग्य, संवैधानिक ज़रूरत समझना चाहिए ना कि विध्वंसकारी नाभिकीय मिसाइल।

संपादकीय

झूठे दावे और कोचिंग इंडस्ट्री का कड़वा सच

सही है कि हाल के दशकों में ज्यादातर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के क्रम में कोचिंग संस्थानों की भूमिका बढ़ती गई है। बल्कि आज स्थिति यह हो गई है कि शिक्षा जगत के दायरे में इसे कोचिंग उद्योग के नाम से जाना जाने लगा है। मगर इस क्रम में बनी निर्भरता के समांतर बहुत सारे कोचिंग संस्थान अपने यहां दाखिले के लिए जिस तरह के दावे करते हैं, अपनी उपलब्धियों, सुविधाओं और संसाधनों को इस कदर बढ़ा-चढ़ा कर पेश करते हैं कि कई विद्यार्थी इसके प्रभाव में वहां चले जाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी अन्य संस्थान में पढ़ाई किए सफल अभ्यर्थी को वे अपने यहां का बता दें। हालांकि कई बार ऐसे दावे झूठे निकलते हैं। कोचिंग संस्थानों की इस प्रवृत्ति पर कई बार सवाल उठ चुके हैं, सरकार ने सख्ती बरतने की बात कही है, खुद सवीच्च न्यायालय भी कह चुका है कि कई कोचिंग संस्थान अभ्यर्थियों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। मगर अलग-अलग तरीके अपना कर झूठे दावे करने के चलन पर अब तक रोक नहीं लगाई जा सकी है। अब एक बार फिर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कोचिंग संस्थानों की ओर से परोसे जाने वाले भ्रम पर शिकंजा कसने के लिए कड़ी चेतावनी जारी की है। उपभोक्ता अधिकारों से संबंधित इस निकाय ने उनके लिए पिछले वर्ष निर्धारित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। इसके तहत कोचिंग संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके विज्ञापन 'सटीक, स्पष्ट हों और भ्रामक दावों से मुक्त' हों; विद्यार्थियों के दाखिले को लेकर बताई जाने वाली जानकारी में पूरी पारदर्शिता हो। यह छिपा नहीं है कि प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कराने के मद्देनजर कोचिंग संस्थान जिस तरह की प्रचार सामग्री जारी करते हैं, उनका केंद्रीय भाव यही होता है कि उनके यहां पढ़ाई करने के बाद सफलता की गारंटी और चयन की संभावना 'सौ फीसद' होगी। हकीकत यह है कि कोचिंग संस्थानों और उसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बहुत बड़ी है और उसके मुकाबले नौकरी के लिए सीटें सीमित या बहुत कम संख्या में होती हैं। ऐसे में सबको 'सौ फीसद चयन' की गारंटी देना भ्रम परोसने से कम नहीं है। गौरतलब है कि आइआइटी-जेईइई परीक्षा के नतीजों आमतौर पर इसी तरह की किसी बड़े महत्त्व की परीक्षा के नतीजों के बाद कई कोचिंग संस्थानों की ओर से ऐसे दावे किए जाते हैं कि उनके यहां पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों ने कामयाबी हासिल की है। इस क्रम में वे कई बार दूसरे संस्थानों के विद्यार्थी का नाम भी फर्जी तरीके से इस्तेमाल करते हैं। इसका मकसद यही होता है कि इस तरह के प्रचार को देख कर नए विद्यार्थी उनके संस्थान में दाखिला लेने को लेकर प्रभावित होंगे और इस तरह उनके कारोबार का विस्तार होगा। जबकि इसके बरक्स हकीकत यह होती है कि बहुत सारे सफल अभ्यर्थियों का ऐसा दावा करने वाले संस्थानों से कोई वास्ता नहीं होता। कोचिंग संस्थानों को यह स्पष्ट करने की जरूरत महसूस नहीं होती कि सीमित अवसरों के दौर में सभी अभ्यर्थियों की शत-प्रतिशत सफलता की गारंटी वे किस आधार पर देते हैं। इस तरह के दावे एक तरह से झूठ का कारोबार होते हैं, जिसके जाल में फंस कर बहुत सारे विद्यार्थियों का सपना आमतौर पर अधूरा रह जाता है। ऐसे में अपने संसाधनों और क्षमताओं के बारे में बढ़-चढ़ कर झूठे दावे करने वाले कोचिंग संस्थानों पर लगाम लगाना वक्त की जरूरत है।

खाद्य और जल सुरक्षा को गंभीर चुनौती

ज्ञानेन्द्र रावत

ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना वैश्विक जलवायु संकट का गंभीर संकेत है। यूनेस्को की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025 के अनुसार, यदि यह प्रक्रिया यूं ही जारी रही तो इसके परिणाम विनाशकारी होंगे। इससे दो अरब से अधिक लोगों को पानी और भोजन की भारी किल्लत झेलनी पड़ सकती है। ग्लेशियर पृथ्वी के जल चक्र को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, और इनके पिघलने से नदियों का अस्तित्व संकट में पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और पर्वतीय क्षेत्रों में घटती बर्फबारी पूरी दुनिया की खाद्य और जल सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। दुनिया में मौजूद 2.75 लाख से अधिक ग्लेशियरों का सात लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, सभी 19 ग्लेशियर क्षेत्रों में लगातार तीन वर्षों से नुकसान देखा गया है, जिनमें नार्वे, स्वीडन और स्वालबार्ड जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं। कोलोराडो नदी का सूखना इस संकट की भयावहता को दर्शाता है। यूनेस्को के अनुसार, दुनिया के 70 फीसदी पेयजल का स्रोत ग्लेशियर ही हैं और इनके विलुप्त होने से जल संकट और भी विकराल हो सकता है। नासा और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के शोध के अनुसार वर्ष 2010 से अब तक आर्कटिक और अंटार्कटिका की बर्फ में लाखों वर्ग किलोमीटर की कमी आ चुकी है। वर्तमान में वहां केवल 143 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ शेष रह गई है, जो 2017 के रिकॉर्ड निचले स्तर से भी कम है। वर्ष 2000 से 2023 के बीच ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से हर साल करीब 270 अरब टन बर्फ पिघल रही है, जो वैश्विक आबादी द्वारा 30 वर्षों में उपयोग किए जाने वाले पानी के बराबर है। नासा के वैज्ञानिक लिनेन बोइसवर्ट के अनुसार, अगली गर्मियों में और भी कम बर्फ बचने की आशंका है। इसका मुख्य कारण मानवीय गतिविधियों द्वारा तापमान में हुई वृद्धि है, विशेषकर जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से। जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है, ग्लेशियर बनने की तुलना में कहीं अधिक तेजी से पिघलते हैं, जिससे उनका अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। यह संकट केवल बर्फ के खत्म होने का नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व पर मंडराते खतरे का संकेत है। सरकारी रिपोर्टों और वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण अलग-अलग दरों से तेज़ी से पिघल रहे हैं। यह न केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत है, बल्कि दक्षिण एशिया की लगभग 160 करोड़ आबादी के लिए जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ा रहा है। करीब 33,000 वर्ग किलोमीटर में फैले ये ग्लेशियर ताजे पानी के विशाल भंडार हैं, जिन पर गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों की जलापूर्ति निर्भर करती है। इन्हें 'एशिया की जल मीनार' और 'दुनिया का तीसरा ध्रुव' कहा जाता है। बीते 40 वर्षों में 440 अरब टन बर्फ हिमालय से पिघल चुकी है, और केवल वर्ष 2010 में ही 20 अरब टन बर्फ का नुकसान हुआ। यह स्थिति और भी चिंताजनक तब हो जाती है जब वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि यदि वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो सदी के अंत तक एक-तिहाई और यदि यह वृद्धि 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचती है तो दो-तिहाई हिमालयी ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने चेतावनी दी कि नेपाल के पहाड़ों से एक-तिहाई बर्फ पहले ही खत्म हो चुकी है। भारत और चीन जैसे प्रमुख कार्बन उत्सर्जकों के बीच बसे इस क्षेत्र में नेपाल के ग्लेशियर 65 फीसदी तक पिघल चुके हैं, और अगर यही हाल रहा तो हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र के 75 फीसदी ग्लेशियर इस सदी के अंत तक नष्ट हो सकते हैं। ग्लेशियरों के इस संकट से यह स्पष्ट है कि अब समय शब्दों का नहीं, कार्यों का है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करना, वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करना और जल स्रोतों को संरक्षित करना मानवता की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। आर्यभट्ट प्रेक्षण एवं विज्ञान शोध संस्थान नैनीताल एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्ययन से पता चला है कि हिमालय में वायु प्रदूषण का मुख्य कारण जीवाश्म ईंधनों का बढ़ता उपयोग है, विशेषकर वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण। हिमालयी क्षेत्र अब शहरीकरण और जनसंख्या दबाव से जूझ रहा है। वहीं, ग्लोबल वार्मिंग से पिघलते ग्लेशियरों के कारण बन रही झीलें गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही हैं। इसरो के अनुसार, हिमालय की 2,432 ग्लेशियर झीलों में से 672 का आकार तेजी से बढ़ रहा है, जिनमें भारत की 130 झीलें संभावित टूटने के कगार पर हैं। यह स्थिति आने वाली भीषण प्राकृतिक आपदाओं का संकेत है। यह सच है कि बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन ग्लेशियरों के विनाश का प्रमुख कारण बन रहे हैं। यह केवल बर्फ के पिघलने का संकट नहीं, बल्कि एक विनाशकारी सुनामी की तरह है जो पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, द्वीप और तटीय इलाके डूब रहे हैं, बाढ़ और सूखा बढ़ रहे हैं, और नदियां संकट में हैं। हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने के साथ-साथ हिमालय क्षेत्र में मानवीय हस्तक्षेप पर अंकुश, जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण करना होगा, ताकि हम कुछ सकारात्मक बदलाव देख सकें। अन्यथा, वह दिन दूर नहीं जब पानी की कमी, सूखे और नदियों का खात्मा हमारे जीवन का हिस्सा बन जाएगा। ग्लेशियरों को बचाना सिर्फ बर्फ को बचाना नहीं, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ियों और जीवन के अस्तित्व को बचाना है।

(लेखक पर्यावरणविद हैं।)

आर्ट एंड कल्चर : कुमुदिनी ने नृत्य में लोक का आलोक संजोया

– डॉ.राजेश कुमार व्यास

कुमुदिनी लाखिया नृत्य और नृत्त के अन्तःसंबधों की संवाहक थीं। उनका अवसान भारतीय कला के एक युग का बिछोह है। कुमुदिनी ने कथक में पहले से होती आ रही परम्पराओं को पुनर्नवा कर उसे आधुनिक दृष्टि दी। वह विरल नर्तकी थीं। नृत्य में निहित भावनाओं और आंगिक हाव-भाव संग वह नृत्य-नृत्त करती थीं। माने शुद्ध शारीरिक गति और लय में वह देह के गान की रसानुभूति करातीं भावों का अनूठा संसार रचती थीं। कथक में अमूर्तन की दृष्टि पहले-पहल किसी ने दी तो वह कुमुदिनी लाखिया थीं। कुमुदिनी ने कथक को मंचीय-विस्तार दिया। मंच पर खाली जगहों, वहां की निष्क्रियता में नृत्य और नृत्त की ऊर्जा संग उन्होंने उमंग भरी। कथक में समूह नृत्य की प्रवर्तक वही थीं। नृत्य-नृत्त के भेद समझाते कुमुदिनी ने कथक के बंधे-बंधाए नियमों के अनुशासन को बरकरार रखते हुए भी कथक को समयानुरूप आधुनिक दृष्टि दी। सर्वथा नया व्याकरण विकसित किया। बंधे-बंधाए कथानकों की रूढ़ि में कथक के होने की मुक्ति की राह भी किसी ने तलाशी तो वह कुमुदिनी लाखिया थीं। याद है, भोपाल स्थित अलाउद्दीन खां अकादमी के उपनिदेशक रहे, मित्र राहुल रस्तोगी संग एक बार संवाद में यह तय हुआ था कि कुमुदिनी लाखिया की कथक-विचार दृष्टि को उनके यहां जाकर हम संजोएंगे। पर कुछ व्यवधान ऐसे उभरे कि यह संभव नहीं हो सका। पर इस दौरान उनकी कला की मौलिकता को निरंतर जिया। वह नाचतीं तो आंगिक क्रियाएं विचार बन हमसे संवाद करतीं। नृत्य में देह का विसर्जन कर विचार का प्रगटीकरण किसी ने किया तो वह कुमुदिनी लाखिया थीं। उनकी नृत्य-प्रस्तुतियां 'सेतु', 'चक्षु', 'दुविधा', 'कोट' देखते सदा ही यह लगता है कि नृत्य में अमूर्त भी खंड-खंड अखंड विचार बन हममें समाता चला जाता है। कुमुदिनी ने नृत्य में लोक का आलोक संजोया। छाया-प्रकाश, रंगों और परिधानों के बंधे-बंधाए ढर्रे को तोड़ते कथक में कोरियोग्राफी का नया शास्त्र आरंभ किया। कथक में बेले सरीखी छलांग लगाते उड़ान के दृश्य प्रस्तुत करना, तैरना, फिसलना और उतरने की जो अंग-क्रियाएं कुमुदिनी ने ईजाद कीं, वह कथक के भविष्य का उजास है। नृत्य में अपने आपको वह विसर्जित कर देती थीं। यह उनकी कला-दृष्टि ही थी, जिसमें उन्होंने नृत्य में बाधा बनते दुपट्टे को हटाकर पोशाक की रूढ़ियों को तोड़ा।

(संस्कृतिकर्मी, कवि)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

महेंद्रगढ़ पुलिस ने स्पेशल चेकिंग अभियान चला वाहनों को किया चेक

● नाकाबंदी कर वाहनों की सघनता से की चेकिंग

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार महेंद्रगढ़ पुलिस ने कल शाम जिलेभर में एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना, संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाना और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना था। पुलिस टीमों ने विभिन्न नाकों पर बैरिकेड लगाकर वाहनों की गहनता से जांच की। इस दौरान विशेष दोपहिया वाहनों को रोककर उनके कागजात, जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और बीमा आदि की जांच की गई। साथ ही, वाहनों में संदिग्ध वस्तुओं की तलाश भी की गई। इसके अतिरिक्त अन्य वाहनों की भी चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान 88 वाहनों के चालान किए गए और 11 वाहनों को इंपाउंड किया गया। इस विशेष चेकिंग अभियान के दौरान, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कई वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इनमें बिना हेलमेट, बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने, बिना वैध कागजात के वाहन चलाने और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले शामिल थे। पुलिस ने मौके पर ही चालान काटे और कुछ मामलों में वाहनों को जब्त भी किया। महेंद्रगढ़ जिला पुलिस द्वारा किसी भी आपात स्थिति से निपटने, अपराध को अंजाम देकर भागने वाले अपराधी को पकडने व अपराधों की रोकथाम के लिए तुरंत कार्रवाई के लिए सीलिंग प्लान के तहत जिले भिन्न-भिन्न स्थानों पर नाके लगाकर चेकिंग की गई।

किसान फसल कटाई उपरांत फसल अवशेष व पराली न जलाएं, फसल अवशेष प्रबंधन अपनाएं- उपायुक्त मीणा

नूंह। जिलाधीश विश्राम कुमार मीणा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के तहत जिला नूंह में गेंहू सहित अन्य फसलों की कटाई के उपरांत फसल अवशेष व पराली जलाने पर प्रतिबंध लगाने के आदेश पारित किए हैं। उन्होंने बताया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल नई दिल्ली द्वारा भी फसल अवशेष जलाने पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति आदेश की अवहेलना करते हुए पाया जाता है तो वह बीएनएस की धारा 223 संगठित वायु बचाव एवं प्रदूषण नियंत्रण 1981 के तहत दंड का भागीदार होगा। उपायुक्त ने किसानों से आह्वान किया कि वे गेंहू सहित अन्य फसलों की कटाई के उपरांत फसल अवशेष व पराली को न जलाएं, बल्कि फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करते हुए अतिरिक्त कमाई करें। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से खेतों की उर्वरा शक्ति कमजोर होती है। इसके अलावा आगजनी के कारण पर्यावरण भी प्रदूषित होता है। उन्होंने कृषकों को पराली का उचित प्रबंधन करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि किसानों को फसल अवशेषों का उचित प्रबंध करने के लिए कृषि यंत्रों का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए। यदि कोई भी किसान फसल अवशेष व पराली जलाते हुए पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 के नियमों के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

वरिष्ठ नागरिकों को गुरुग्राम पुलिस की अनुठी पहल साथ के बारे में जानकारी देकर किया जा रहा है जागरूक

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सीनियर असिस्टेंस एंड टाईमली हेल्प (साथ) पहल की शुरुआत की गई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना उद्योग विहार द्वारा सूर्य विहार के वरिष्ठ नागरिकों का रजिस्ट्रेशन करते हुए उनको इस पहल के संबंध में जानकारी दी तथा जानकारी देते हुए बताया कि इस पहल के तहत 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक को गुरुग्राम पुलिस की वेबसाइट पर लॉगिन करके आधारभूत/बेसिक विवरण भरना होगा तथा जो वरिष्ठ नागरिक गुरुग्राम पुलिस की वेबसाइट के माध्यम से लॉगिन करके रजिस्ट्रेशन करने में असमर्थ है, वो सीनियर सिटीजन के हेल्पलाइन नंबर 0124-2221559 पर कॉल करके अपना विवरण दर्ज कर सकता है। सीनियर सिटीजन के हेल्पलाइन पर फोन कॉल करने पर गुरुग्राम पुलिस द्वारा कॉल करने वाले सीनियर सिटीजन का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा।

बाल श्रम मुक्त समाज बनाने के संकल्प के साथ जागरूकता रैली का आयोजन

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य बाल संरक्षण अधिकार आयोग द्वारा जिले में बाल श्रम भुक्त अभियान के तहत एक जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। बाल श्रम के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और इसके दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से एडीसी हितेश कुमार मीणा की अगुवाई में यह रैली बागवानी विभाग के कॉन्फ्रेंस हाल से सेक्टर 15 स्थित जगन्नाथ आश्रम तक आयोजित की गई थी। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने मेहनत मजदूरी मत करवाओ, इन हाथों में कलम थमाओ, हम सबका एक ही नारा, बाल श्रम मुक्त हो गुरुग्राम हमारा, जैसे नारों के माध्यम से जनसामान्य को जागरूक किया।

एक राष्ट्र-एक चुनाव मुहिम में भागीदारी कर देश की रफ्तार बढ़ाएं युवा- डॉ अरविंद शर्मा

● राजकीय महिला महाविद्यालय, गोहाना में लाइब्रेरी के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा

एजेंसी

गोहाना। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में एक राष्ट्र-एक चुनाव को जनांदोलन बनाया है। हमें मिलकर उनके संकल्प को सिद्धि तक लेकर जाने व देश पर बार-बार चुनाव से आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक स्तर के बोझ को कम करने में अपनी भागीदारी करनी होगी। उन्होंने अपनी सहमति के साथ सदन में मौजूद प्राध्यापकों व छात्राओं से आह्वान किया तो उन्होंने भी हाथ खड़े करके पुरजोर समर्थन किया।

सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा राजकीय महिला महाविद्यालय, गोहाना के 44वें वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी डॉ रीटा शर्मा भी उनके साथ मौजूद रही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बीते साढ़े 10 साल की अवधि में बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। बेटियों को जन्म से लेकर उनके पोषण, उच्च शिक्षा से लेकर उनके रोजगार-स्वरोजगार के लिए अनुकूल माहौल देने का काम किया है। इससे आज बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का डंका बजा रही हैं। उन्होंने

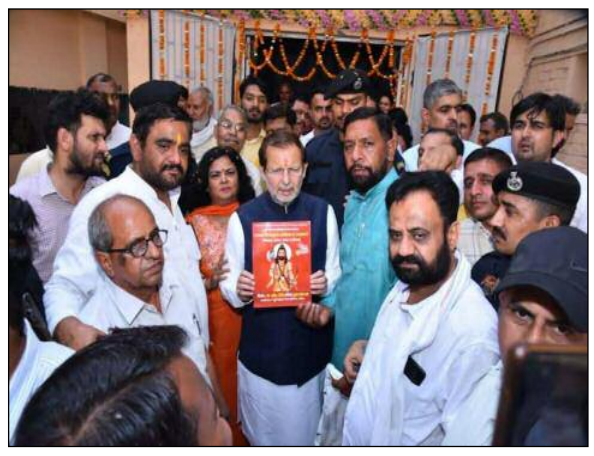

महाविद्यालय की बेटियों के शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेल व एवं गतिविधियों में शानदार प्रदर्शन पर बधाई दी।

उन्होंने कहा कि देश को दुनिया के मंच पर तेजी से आगे बढाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निरन्तर बड़े कदम उठाए गए हैं। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिला की प्राचीर से एक राष्ट्र-एक चुनाव को लागू करवाने का संकल्प लिया, ताकि देश को विकसित भारत बनाया जा सके। उन्होंने छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के विचार को आगे बढाते हुए पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया था, जिसने एक विचार का समर्थन करते हुए अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी। वर्तमान में लोकसभा की संयुक्त संसदीय समिति द्वारा एक राष्ट्र-एक चुनाव के विचार पर राजनीतिक दलों व आमजन के सुझाव प्राप्त किए। इस प्रक्रिया मर भी बड़े अंतर से एक राष्ट्र-एक विचार को बड़ा समर्थन मिला। डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि हर साल देश कहीं न कहीं चुनाव में व्यस्त होता है, जिससे समान विकास का पहिया सरकारी मशीनरी के चुनाव प्रक्रिया में जाने के कारण रुक जाता है। आज देश के अंदर एक मुहिम चल रही है, जिसमें सामाजिक, धार्मिक संस्थाएं, स्थानीय निकाय, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नाम एक राष्ट्र-एक चुनाव के समर्थन में अपने प्रस्ताव भेजने शुरू कर दिए है। युवाओं, विशेषकर बेटियों को इस मुहिम में अपनी भागीदारी बढ़ानी चाहिए, ताकि बार-बार होने वाले चुनाव व आदर्श आचार संहिता से उनके रोजगार अवसर व चयन प्रक्रिया बाधित न हो। उन्होंने कहा कि हमें राजनीति से ऊपर उठकर अपने देश को आगे लेकर जाने के लिए एक राष्ट्र-एक चुनाव का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि अमेरिका, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देश पहले से ही इस प्रक्रिया को अपना रहे हैं।

सोनीपत नगर निगम एरिया में करोड़ों रुपया के विकास कार्यों की शुरुआत

एजेंसी

सोनीपत। नगर निगम एरिया के विभिन्न गावों एवं कालोनियों में लगभग 7 करोड रुपयों से विकास कार्यों की शुरुआत विधायक पवन खरखौदा, सोनीपत के विधायक निखिल मदान तथा मेयर राजीव जैन

द्वारा नारियल फोड़कर की जिसमें चार करोड़ की लागत से बनने वाले लहराड़ा ककरोई रोड बाईपास का शिलान्यास प्रमुख रूप से शामिल है। सबसे पहले तीनों नेताओं ने लहराड़ा गांव में तीन किलोमीटर लम्बे मिनी बाईपास का कार्य शुरू करवाया जिसके कारण शहर विशेषकर सूरी पेट्रोल पंप वाली गली में ट्रैफिक का दबाव कम हो जायेगा। इसके अतिरिक्त वार्ड 17 में आर्य नगर में एक करोड़ 40 लाख रुपयों से गलियों का पुनर्निर्माण, राठधना गावों में 78 लाख रूपये की लागत से पार्क का शिलान्यास तथा गांव जगदीशपुर में 96 लाख रूपये की लागत से बने पार्क का उद्घाटन किया गया। शिलान्यास कार्यक्रम में सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा, पार्षद मोनिका नागर, नवीन तंवर, सूर्य दहिया भी उपस्थित रहे। इसके अलावा आर्य नगर में नई सीवर लाइन डालने के कारण कई माह से टूटी फूटी सड़कों की मरम्मत की जाएगी। गांव राठधना में एक सुंदर पार्क का निर्माण होगा जिसमे ग्रामवासी स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे। इसी तरह गांव जगदीशपुर में पार्क का उद्घाटन किया गया। विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि विकास कार्य अब तेजी से शुरू हो गए हैं। मैं पांच वर्षों में खरखौदा की बोद सी निकाल दूंगा।

विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कुंजपुरा अनाज मंडी का किया दौरा

मंडी अधिकारियों, आढ़तियों व खरीद एजेंसियों के अधिकारियों से की बातचीत, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

एजेंसी

करनाल। विधानसभा अध्यक्ष एवं घरौंड़ा के विधायक हरविंद्र कल्याण ने कुंजपुरा अनाज मंडी का दौरा कर गेंहू खरीद कार्य का निरीक्षण किया तथा फसल खरीद को लेकर मंडी अधिकारियों, आढ़तियों व खरीद एजेंसियों के अधिकारियों से बातचीत की और जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी व कर्मचारी फसल खरीद सीजन में तत्परता से अपनी ड्यूटी निभाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी भी तरह की परेशानी न आए और तय समय पर उनके खाते में पेमेंट का भुगतान हो। उन्होंने अपने दौरे के दौरान मंडी के गेट पर किसानों के गेट पास की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि गेट पास काटे जाने के दौरान किसी तरह की कोताही न बरती जाए। इसके बाद उन्होंने गेहूं की ढ़ेरियों पर पहुंचकर फसल खरीद का जायजा लिया और गेहूं की नमी चैक करवाई

व गेहूं तुलाई को भी जांचा। उन्होंने मंडी अधिकारियों से कहा कि किसानों की सुविधा के लिए मंडी परिसर में साफ-सफाई, पीने के पानी की व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई प्रतिदिन सुचारू रूप से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी गेहूं खरीदा जाए उसे तय समय सीमा के अंदर मंडी से उठाया जाए, फसल के उठान के लिए पर्याप्त संख्या में ट्रांसपोर्टेशन भी होना चाहिए और फसल के उठान और उतरवाने के लिए पर्याप्त संख्या में श्रमिक भी होने चाहिए। उन्होंने इस दौरान मार्केट कमेटी द्वारा की गई तैयारियों की भी समीक्षा की और खरीद एजेंसियों व आढ़तियों से भी बातचीत की तथा कहा कि बारदाने व फसल तुलाई संबंधी कोई समस्या न आए।उन्होंने इस दौरान किसानों से बातचीत की और आश्वासन दिया कि फसल खरीद कार्य में उन्हें किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। किसानों को आश्वस्त किया कि सरकार उनकी उपज की खरीद समय पर और पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित करने के अलावा गेहूं का भुगतान भी समय पर करेगी। उन्होंने कहा लिए सफाई, तुलाई, उठान, बारदाना और भुगतान प्रणाली जैसी सभी आवश्यक व्यवस्था पूरी कर दी गई हैं। इस मौके पर संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

वन स्टॉप सेंटर बना शोषित-पीड़ित महिलाओं का सहारा

महिलाओं के लिए 24 घंटे कानूनी सहायता व परामर्श, चिकित्सकीय सुविधा और पुलिस सहायता उपलब्ध

एजेंसी

नारनौल। सरकार की ओर से चलाए जा रहे सखी वन स्टॉप सेंटर किसी भी प्रकार की हिंसा और उत्पीड़न से प्रभावित महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है।नारनौल के लघु सचिवालय के पुराने भवन में भूतल पर कमरा नंबर 7 व 8 में बने इस केंद्र पर पिछले 1 साल में 399 मामले आए, जिनमें से 396 मामले सुलझाए गए। यह जानकारी देते हुए वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक वंदना यादव ने बताया कि मिशन शक्ति के तहत आने वाले सखी वन स्टॉप सेंटर में किसी भी प्रकार से शोषित व पीड़ित महिला पहुंचकर सहायता ले सकती है। यह सेंटर 24 घंटे महिलाओं की सहायता के लिए तत्पर रहता है। सखी वन स्टॉप सेंटर में पिछले एक साल में

कुल 399 मामले आए, जिनमें से 396 मामलों का समाधान केन्द्र द्वारा किया जा चुका है और 3 मामले अभी लंबित है। उन्होंने बताया कि इस एक साल में सेंटर के पास घरेलू हिंसा के 153 केस, लापता के 84 केस, दहेज उत्पीड़न के 5, साइबर क्राइम के 6, रेप केस में 1 और अन्य 150 मामले सामने आए हैं। इस 1 साल की अवधि के दौरान सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा 94 महिलाओं को शेल्टर सुविधा भी प्रदान की गई। इस केंद्र पर संकट की घड़ी में महिलाएं एक बार में 5 दिन के लिए रह सकती है। इस तरह उन्हें तत्काल सहारा मिल जाता है। उन्होंने बताया कि सखी वन स्टॉप सेंटर विभिन्न प्रकार की हिंसा और उत्पीड़न से महिलाओं को राहत दिलाने में सक्रिय है। बाल विवाह, दहेज देना/लेना, झगड़े-झंझट, लड़कियों की शिक्षा से वंचित करना, महिला तस्करी, लेगिंग उत्पीड़न, साइबर अपराध या महिलाओं से संबंधित अन्य अपराध से पीड़ित महिलाएं यहां संपर्क कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि महिलाओं को एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है। यहां पर निशुल्क कानूनी सहायता व परामर्श, चिकित्सकीय सुविधा और पुलिस सहायता उपलब्ध है। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक वंदना यादव ने बताया कि हमारी कोशिश है कि हर परेशान महिला को तुरंत और सही मदद मिले। महिलाएं डरें नहीं आगे आएं, हम हर समय उनके साथ हैं।

राजकीय पशु अस्पताल राता कला में लगाया पशु स्वास्थ्य शिविर कैंप

एजेंसी

मंडी अटेली। राजकीय पशु हस्पताल राता कलां में लगाया पशु स्वास्थ्य कैंप राजकीय पशु अस्पताल राता कला परिसर में एक दिवसीय पशु स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इस शिविर में डा. नितिन सोनी ने पशु चिकित्सक ने बताया कि शिविर में कुल 160 पशुओं को अलग-अलग प्रकार की दवाएं वितरित की गई है। शिविर में 110 मेडिसिन, 31 डिवर्मिंग,19 गायनी से संबंधित दवाएं दी। इसके साथ ही साथ एक किसान गोष्ठी का

भी आयोजन किया गया। किसान गोष्ठी में नए तुड़े का पुराने में मिक्स करके पशुओं को देने बारे व गर्मी में पशुओं के प्रबंध बारे पशुपालकों को जागरूक किया। इस मौके पर अत्तर सिंह वीएलडीए, मनोज कुमार पशु परिचर, आकाश, दीपक, कर्ण सिंह के अलावा अन्य उपस्थित थे।

तावडू में अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक खेमका ने विद्यालय का किया निरीक्षण, की प्रशंसा

एजेंसी

तावडू । शहर के बाईपास पर स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय-2 में आईएएस हरियाणा परिवहन विभाग अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक खेमका पहुंचे। इस दौरान जिला उपायुक्त विश्रमा कुमार मीणा भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी नरेश कुमार व विद्यालय प्रिंसिपल सुनीता यदुवंशी तथा विद्यालय स्टाफ ने अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक खेमका को पौधा भेंट कर स्वागत किया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक खेमका ने विद्यालय व विद्यालय स्टाफ की भूरी-भूरी प्रशंसा की। वहीं जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि यह विद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने विद्यालय के विद्यार्थियों के अनुशासन की जमकर प्रशंसा की।अशोक खेमका ने विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं को चेक किया। उन्होंने कक्षा दूसरी में पढ़ रहे विद्यार्थियों से बातचीत की और उनके शिक्षा स्तर को सुधारने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। डॉक्टर अशोक खेमका ने उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के साथ स्कूल में पौधारोपण भी किया।

युवा वर्ग नशे का त्याग कर प्रधानमंत्री के विकसित भारत विजन को करें साकार: श्याम सिंह राणा

● मुख्यमंत्री नायब सैनी के 'ड्रग फ्री हरियाणा' का संदेश लेकर जिला यमुनानगर में हुआ साइक्लोथॉन का आगमन, लोगों ने किया स्वागत

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रमों की श्रृंखला में हरियाणा को ड्रग फ्री बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के संदेश के साथ प्रदेश के विभिन्न जिलों को कवर करते हुए साइक्लोथॉन यात्रा आज पॉलिटेक्निक कॉलेज दामला (यमुनानगर) से कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने झंडी दिखाकर यमुनानगर के लिए रवाना किया। साइक्लोथॉन आगमन पर जिलावासी जोश, उत्साह व उमंग से भरे नजर आए। साइक्लोथॉन यात्रा में लोटा और नमक नागरिकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बने, प्रबुद्ध वर्ग और युवाओं ने लोटे में नमक डालकर हरियाणा को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का विजन है, जिसमें युवाओं की अहम भूमिका रहेगी। मंत्री ने युवा शक्ति का आहवान किया कि वे नशे से दूर रहे और इस सामाजिक कुरीति को जड़ से खत्म करने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश को ड्रग फ्री बनाने के लिए हर घर से हर सदस्य को आगे आकर सरकार की सकारात्मक और सार्थक पहल में आहुति डालते हुए ड्रग फ्री हरियाणा बनाना होगा। नशा मानवता के लिए विनाशकारी है, जिसे हमें पूरी तरह से

नकारना चाहिए। हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित यह ड्रग फ्री हरियाणा यात्रा सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ एक व्यापक जन आंदोलन है, जिसमें पूरे हरियाणा के लोग नशे के खिलाफ अपनी आवाज उठा रहे हैं और नशामुक्त हरियाणा बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

हरियाणा में बिजली का नया शेड्यूल: हिसार और दिल्ली जोन में कल से 16 घंटे आपूर्ति होगी; दिन के समय 8 घंटे कटौती

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के लोगों के लिए जरुरी खबर सामने आई है। भयंकर गर्मी की मार से लोग काफी परेशान है, लेकिन अब हरियाणा बिजली विभाग की ओर से बिजली सप्लाई का समय भी बदल दिया गया है। ऐसे में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस कड़ी में विभाग ग्रामीण फीडरों को बिजली सप्लाई करने के लिए नया शेड्यूल जारी किया गया है। हिसार के दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की ओर से जारी के आदेश में कहा गया है कि 11 केवी ग्रामीण घरेलू फीडरों के लिए नई समय सारिणी बनाई गई है।

बिजली सप्लाई का समय क्या रहेगा ?

हरियाणा बिजली विभाग की ओर से जारी नया शेड्यूल कल यानी 20 अप्रैल से लागू हो जाएगा। इस आदेश के तहत दिल्ली जोन में

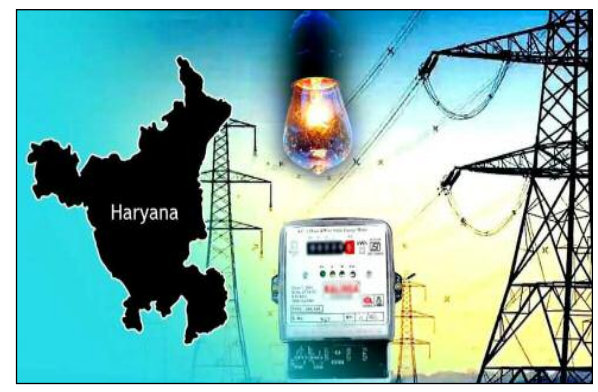

बिजली की सप्लाई शाम 6:30 से अगले दिन सुबह 6:00 बजे तक और सुबह 11:15 से लेकर दोपहर 3:45 बजे तक रहेगी।

दूसरी तरफ हिसार जोन में बिजली की सप्लाई शाम 7:00 बजे से अगले दिन सुबह 6:30 बजे तक और दोपहर 12:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक रहेगी। ऐसे में दोनों जोन में बिजली का सप्लाई करीब 16 घंटे तक रहेगी।

तावडू में गांव गुरावट के ग्रामीणों ने कहा कि अंतिम सांस तक ईदगाह एवं कब्रिस्तान के लिए लडेंगे कानूनी लड़ाई

एजेंसी

तावडू। उपमंडल की ग्राम पंचायत निजामपुर के गांव गुरनावट की 27 कनाल 15 मरला जमीन में से 20 कनाल जमीन पर वक्फ बोर्ड ने तार फेंसिंग करा कर एक मेन गेट लगाया हुआ है। जिस पर अवैध कब्जा होने पर प्रशासन गत 17 अप्रैल को जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए गांव में पहुंचा। लेकिन पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध न होने के कारण यह कार्रवाई टाल दी गई थी। लेकिन उसी दिन से ग्रामीणों में खलबली मच गई। ग्रामीणों ने इस मामले को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। ग्रामीणों का कहना है कि वह अंतिम सांस तक ईदगाह एवं कब्रिस्तान के लिए कानूनी लडाई लडेंगे। उल्लेखनीय है कि संपदा अधिकारी हरियाणा वक्फ बोर्ड नूंह के नोटिस में दर्शाया गया कि गांव गुरनावट में हरियाणा वक्फ बोर्ड की मिलकियत है, जो भारत सरकार गटज में दर्ज है। उक्त भूमि में से 20 कनाल में वक्फ बोर्ड ने तार फेंसिंग कराकर एक मेन गेट लगाया हुआ है। नोटिस में दर्शाया

गया कि इस जमीन पर गांव के सरपंच अरशद, इस्माईल, आसिफ, जब्बार, खलील, मैंबर हसन खान, मौहम्मद शकील, नूरूदीन व खुर्शीद आदि ने उपरोक्त सरकारी जमीन पर वक्फ बोर्ड की बिना अनुमति के कब्जा किया हुआ है। जिसे कब्जा मुक्त कराने को लेकर गत 20 मार्च को उपमंडलाधीश द्वारा खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी राजेश टिवाना को डयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त कर 17 अप्रैल को उक्त जमीन को कब्जा मुक्त करने के आदेश किए गए थे।

वहीं जमील व हसन तथा अब्बास आदि ग्रामीणों ने बताया कि वह कई वर्षों से ईद के मौके पर इस ईदगाह में नमाज अदा करते आ रहे हैं। यह जमीन देहशामलात की जमीन जो हमारे बुजुर्गों के नाम पर चली आ रही थी। सन 1981-82 में यह जमीन वक्फ बोर्ड के नाम किस प्रकार हुई, उन्हें पता ही नहीं चल पाया। इस जीमन में से कुछ जमीन पर ईदगाह की देखरेख के लिए मियाओं ने बुजुर्गों के कहे अनुसार अपने घर बना लिए थे। अब इस तरह का नोटिस आने से ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है और वह इस धार्मिक जगह पर किसी तरह की तोड फोड नहीं करने देना चाह रहे हैं। हालांकि प्रशासन के व्यस्त होने के कारण यह कार्रवाई रूकी हुई है। इसी दौरान ग्रामीणों ने भी न्यायालय का सहारा लिया है और ग्रामीणों का कहना है कि वह न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले अनुसार ही चलेंगे।

24 अप्रैल को सिलीगुड़ी आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

एजेंसी

सिलीगुड़ी। आगामी सप्ताह 24 और 25 अप्रैल को फांसीदेवा स्थित संतोषिनी हाई स्कूल मैदान में अंतरराष्ट्रीय संथाल परिषद का नौवां सम्मेलन होने जा रहा है। उक्त सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल और सिक्किम के मुख्यमंत्री को भी आमंत्रित किया गया है।दो दिवसीय इस सम्मेलन में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वदेशी लोगों की परंपराओं और संस्कृति पर प्रकाश डाला जाएगा। यह आयोजन लगभग आठ भागों में आयोजित किया जाएगा। उद्यमियों का मानना है कि अध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति से इस आयोजन में नया आयाम जुड़ेगा।

दिल्ली की अदालत ने मकोका मामले में नरेश बाल्यान समेत सात आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ायी

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान और अन्य छह आरोपियों की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। ड्यूटी जज जितेंद्र सिंह ने जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बाल्यान, रितिक उर्फ पीटर, रोहित उर्फ अन्ना, सचिन चिकारा, साहिल उर्फ पोली, विजय उर्फ कालू और ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा की पेशी के बाद उन सभी की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी।सरकारी वकील वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये और जांच अधिकारी सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) नरेश अदालत के समक्ष पेश हुए और साहिल उर्फ पोली तथा विजय उर्फ कालू की न्यायिक हिरासत चार दिन बढ़ाने की मांग की। अदालत ने अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। पुलिस ने गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू द्वारा कथित रूप से चलाये जा रहे संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ मामला दर्ज किया है और पुलिस हिरासत के दौरान चार अप्रैल को मकोका के प्रावधानों के तहत गैंगस्टर नंदू के सगे भाई ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा का बयान दर्ज किया। इस मामले में अदालत ने एक मार्च को दिल्ली पुलिस को बालियान के खिलाफ जांच पूरी करने के लिए 60 दिन का और समय दिया था, जिसे चार दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था।

कपिल मिश्रा, क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने मुस्तफाबाद क्षेत्र में घटनास्थल का किया दौरा

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा तथा श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद क्षेत्र का दौरा किया, जहां क चार मंजिला इमारत भरभराकर ढहने से छह लोगों की मौत हो गयी और 20 से अधिक घायल हो गये है, जिनमें से कुछ की हालत नाजुक बनी है।श्री मिश्रा के साथ दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह बिष्ट भी उनके साथ मौजूद रहे। श्री मिश्रा ने मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने इस हादसे को अत्यंत हृदयविदारक बताते हुए कहा कि दिल्ली सरकार पीड़ितों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

ममता सरकार के तुष्टिकरण से बंगाल में हिंसा तो कर्नाटक में जनेऊ पर अपमान, चिंता का कारण : विनोद बंसल

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा के लिए प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया। रविवार को समाचार एजेंसी से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में हो रही हिंसा को सरकार की शह प्राप्त है। ममता बनर्जी की तुष्टिकरण की राजनीति राज्य के अस्थिर हालात के लिए जिम्मेदार है। विनोद बंसल ने कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है। राज्य में हिंसा की आग प्रशासन की मदद से भड़की हुई है और मुख्यमंत्री शांति की अपील भी सिर्फ मुसलमानों से कर रही हैं। हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर उनका रवैया पूरी तरह उदासीन है। ममता सरकार जिहादी तत्वों को उकसाने और बढ़ावा देने का काम कर रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करने से ममता इनकार करती हैं। यह साफ दर्शाता है कि मुख्यमंत्री जिहादी तुष्टिकरण की नीति में आकंठ डूबी हुई हैं और राज्य को बांग्लादेश बनाने का षड्यंत्र चल रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहा है संस्कृति का नवोदय - स्वामी अवधेशानंद गिरि

एजेंसी

नई दिल्ली। जूना अखाड़े के प्रमुख आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि साल 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में भारत की संस्कृति का नवोदय हुआ है। भारत का सनातन हिन्दू समाज इस समय जिस गौरव की अनुभूति कर रहा है, वैसा पहले कभी नहीं हुआ। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संस्कृति पर विचारों और भाषणों का संकलन 'संस्कृति का पांचवा अध्याय' पुस्तक के विमोचन के मौके पर अवधेशानंद गिरी संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज विश्व धरोहर दिवस के मौके पर इस किताब का विमोचन किया जा रहा है। यह अपने आप में विशिष्ट बात है। साल 2014 के बाद सर्वत्र नई दिशाएं, नवाचार देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर भारत के सबसे बड़े जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने एक संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वे 2008 में जब पुर्तगाल में थे तो पहली बार एक योगी ने

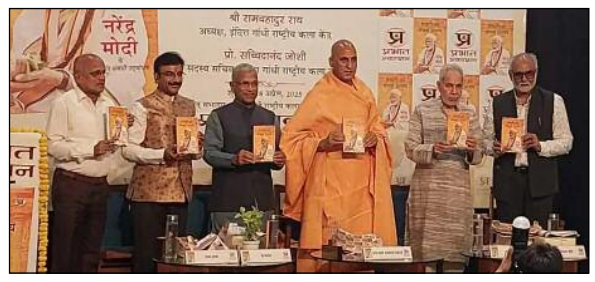

योग दिवस की कल्पना और चर्चा की थी और 21 जून को इसे मनाने का विचार साझा किया था। तब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। यह योग दिवस की कल्पना भी तब साकार हो पाई जब वे प्रधानमंत्री बने। अन्नपूर्णा देवी की प्रतिमा हो या अन्य श्रेष्ठ भारतीय धरोहर, वे सब भारत लौट रहीं हैं और उन पर हमें यदि गर्व हो रहा है तो इसका श्रेय भी प्रधानमंत्री मोदी की ही जाता है। यहां तक कि 2014 से पहले मेरे ही अनेक निकट प्रेमी मुझसे कहते थे कि आप हिन्दू संस्कृति की बात न कहकर सनातन संस्कृति या भारतीय संस्कृति शब्द प्रयोग किया करें। आज परिस्थिति बदल गई है और लोग गर्व के साथ अपनी हिन्दू संस्कृति और उसकी पहचान और धरोहर पर गर्व करते हुए दिखाई देते हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी की झूठी स्तुति या अतिरेक सम्मान की बात नहीं है, बल्कि संस्कृति के एक उपासक के तौर पर उन्होंने जो कार्य किया है, उसको इस पुस्तक के माध्यम से भी समझा जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि 'संस्कृति का पांचवां अध्याय' पुस्तक भारत के सांस्कृतिक इतिहास व वर्तमान के बीच कड़ी की तरह है। इस पुस्तक में प्रधानमंत्री मोदी के भारतीय संस्कृति पर केंद्रित 34 भाषण हैं। हरिवंश ने कहा कि 2014 के बाद से भारत में सर्वत्र जो बदलाव देखा जा रहा है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। याद कीजिए कि किसी ने भी 2014 से पहले विकसित भारत की बात तक की हो। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उस विकसित भारत का सपना न केवल जन-जन की आंखों में उतार दिया है बल्कि 2047 तक उस लक्ष्य को पाने का एक खाका भी खींच दिया है।

निशिकांत दुबे के बयान से भाजपा ने किया किनारा, जेपी नड्डा बोले- पार्टी ऐसे बयानों का समर्थन नहीं करती

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा द्वारा न्याय पालिका और देश के मुख्य न्यायाधीश को लेकर दिए गए विवादास्पद बयानों से स्पष्ट रूप से दूरी बना ली है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट जारी कर कहा कि ये दोनों बयान व्यक्तिगत हैं। भाजपा का उनसे कोई संबंध नहीं है और पार्टी ऐसे बयानों का समर्थन नहीं करती है। जेपी नड्डा ने कहा, 'भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा के न्यायपालिका एवं देश के चीफ जस्टिस पर दिए गए बयान पूरी तरह से व्यक्तिगत हैं। भारतीय जनता पार्टी न तो इन बयानों से सहमति रखती है और न ही ऐसे किसी भी बयान का समर्थन करती है। पार्टी इन बयानों को स्पष्ट रूप से खारिज करती है।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा ने हमेशा न्यायपालिका का सम्मान किया है और अदालतों के आदेशों एवं सुझावों को सहर्ष स्वीकार किया है। नड्डा ने कहा कि देश की अदालतें, विशेषकर सर्वोच्च न्यायालय, लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ हैं और संविधान की रक्षा का

आधार हैं। भाजपा अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने दोनों सांसदों को निर्देशित किया है कि भविष्य में इस प्रकार के बयान न दें। साथ ही उन्होंने सभी पार्टी नेताओं को भी ऐसे बयानों से बचने की सलाह दी है। इस घटनाक्रम के बाद भाजपा ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि वह संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लेकर गंभीर है।

एआईसीसी की बैठक में खरगे बोले- नेशनल हेराल्ड और वक्फ पर देश को सच्चाई से रूबरू कराएं

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में एआईसीसी के महासचिवों, कांग्रेस प्रभारियों और विभिन्न आनुषंगिक संगठनों के अध्यक्षों की यहां एक महत्वपूर्ण बैठक हुई।

पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित बैठक में खरगे ने नेशनल हेराल्ड और वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर देश भर में लोगों को सच्चाई और कांग्रेस के रुख के बारे में अवगत कराने का आह्वान किया। उन्होंने देश के अन्य ज्वलंत मुद्दों को भी लगातार उठाते रहने का आग्रह किया। खरगे ने अपने शुरुआती सम्बोधन में 8-9 अप्रैल को अहमदाबाद में हुए एआईसीसी के सत्र की सफलता के लिए पार्टी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि वहां पारित प्रस्तावों को आप सभी को जिला, मंडल, ब्लाक और बूथ तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी ने गुजरात में जिलाध्यक्षों के चुनाव को लेकर बैठक की और पर्यवेक्षकों से जिलाध्यक्षों के चयन के बारे में विचार-विमर्श किया। नेशनल हेराल्ड की दिल्ली, लखनऊ और मुंबई की सम्पत्तियों को अटैच किए

जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने ईडी की चार्जशीट में सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम शामिल किए जाने को षड्यंत्र करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि अहमदाबाद में एआईसीसी के अधिवेशन के तत्काल बाद ही ईडी ने ये जो कार्रवाई की, उसका मकसद साफ है। रायपुर में कांग्रेस महाधिवेशन हुआ था तो उस समय भी वहां उसे विफल करने के लिए हमारे नेताओं के ऊपर ईडी और सीबीआई को लगा कर रेड कराई गई। खरगे ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार के इशारे पर लोकसभा चुनाव के पहले हमारे खाते बंद कराए गए। इसके बावजूद देश की जनता ने सच्चाई समझी और लोकसभा में हमारी संख्या पहले से दो गुनी हो गई। सरकार के वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ कांग्रेस ने पूरे विपक्ष को एकजुट किया और बिल का विरोध किया।

दिल्ली मकान हादसा: मुख्यमंत्री ने मृतकों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की, दोषियों पर होगी कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र में एक चार मंजिला इमारत ढहने के दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में मारे गये लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। श्रीमती गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, मुस्तफ़ाबाद में इमारत गिरने की दर्दनाक घटना से मन अत्यंत व्यथित है। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। राहत एवं बचाव कार्यों में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) और अन्य एजेंसियां जुटी हुई। सभी घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था की गई है। इस बीच दिल्ली पुलिस ने बयान जारी कर मृतकों और घायल के बारे जानकारी दी है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस के बयान के मुताबिक, 19 अप्रैल 2025 को लगभग 3:02 बजे गली नंबर 1, शक्ति विहार में एक इमारत के ढहने की सूचना पुलिस स्टेशन दयालपुर को मिली। घटनास्थल पर पहुंचने पर पता

चला कि तहसीन, पुत्र यासीन की चार मंजिला इमारत ढह गई थी, जिसमें कथित तौर पर 22 लोग फंसे हुए थे।' बयान में आगे कहा गया है, 'एनडीआरएफ, डीएफएस और एम्बुलेंस सेवाओं को तुरंत बुलाया गया और बचाव अभियान शुरू किया गया। अब तक 14 लोगों को बचाया गया है और उन्हें जीटीबी अस्पताल ले जाया गया है, जहाँ उनमें से चार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।÷

उत्तर-पूर्वी जिला की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, मृतकों में चांदनी (23), रेशमा (38), दानिश (23) और नवेद (17) शामिल हैं। घायलों में 25 माह की चांद, चार माह का शान, दो माह की सान्या, 45 माह का शाहिद, 38 माह की रेहाना,19 माह की नेहा, 45 माह का अहमद, बीस माह के अल्फेज के अलावा 17 वर्षीय आलिया, 15 वर्षीय तनु और 58 वर्षीय जीनत शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी सऊदी क्राउन प्रिंस के साथ लेंगे रणनीतिक परिषद की दूसरी बैठक में भाग

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय सऊदी अरब यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के साथ क्षेत्रीय और विश्व मामलों पर विचार-विमर्श करेंगे। दोनों नेता भारत-सऊदी अरब की रणनीतिक साझेदारी परिषद की दूसरी बैठक में भाग लेंगे। परिषद की पहली बैठक क्राउन प्रिंस की 2023 में हुई यात्रा के दौरान हुई थी।प्रधानमंत्री मोदी और क्राउन प्रिंस के बीच इजराइल-फिलिस्तीन से जुड़ी पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचार-विमर्श होगा तथा लाल सागर में नौवहन सुरक्षा पर खतरे पर भी

चर्चा होगी। इसके अलावा दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में कुछ करार होने की भी संभावना है।प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के बारे में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच रक्षा संपर्क का विस्तार हुआ है तथा स्थल और नौसेना के संयुक्त अभ्यास हुए हैं। उन्होंने कहा कि लाल सागर में हुती विद्रोहियों के हमलों से नौवहन को उत्पन्न खतरे को लेकर भारत चिंतित है। लाल सागर रणनीतिक महत्व का क्षेत्र है। भारत और पश्चिम एशिया के बीच प्रस्तावित आईएमईसी (भारत-पश्चिम एशिया परिवहन कोरिडोर) के बारे में पूछे गए एक सवाल के उत्तर में उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया के घटनाक्रम से इसपर असर पड़ा है लेकिन संबंधित देश इस परियोजना पर विचार-विमर्श करते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में जी20 शिखरवार्ता के इतर आईएमईसी परियोजना की घोषणा की गई थी। भारत, सऊदी अरब, यूएई और इजरायल को इसमें शामिल होना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी ईस्टर पर शुभकामनाऐं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को ईस्टर पर्व पर शुभकामनाऐं देते हुये कहा कि यह ईस्टर इसलिए खास है क्योंकि दुनिया भर में जयंती वर्ष को बहुत उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह पवित्र अवसर हर व्यक्ति में आशा, नवीनीकरण और करुणा की भावना जगाए। चारों ओर खुशी और सद्भाव हो। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स'पर एक पोस्ट में कहा, सभी को ईस्टर की हार्दिक शुभकामनाएं। यह ईस्टर इसलिए खास है क्योंकि दुनिया भर में जयंती वर्ष को बहुत उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह पवित्र अवसर हर व्यक्ति में आशा, नवीनीकरण और करुणा की भावना जगाए। चारों ओर खुशी और सद्भाव हो। ईस्टर एक ईसाई त्योहार है जो ईसा मसीह के पुनरुत्थान का प्रतीक है। कई ईसाइयों के लिए ईस्टर मृत्यु पर जीवन की विजय का उत्सव है।

कांग्रेस 25 अप्रैल से 30 मई के बीच देश भर में रैलियां कर देगी गुजरात अधिवेशन का संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस 25 अप्रैल से 30 मई के दौरान अलग-अलग चरणों में देश भर में रैलियां करेगी। इन रैलियों का आयोजन 25 से 17 मई तक राज्य स्तर, विधानसभा स्तर और जिला स्तर पर किया जाएगा और आखिरी चरण में 20 से 30 मई के दौरान घर-घर सम्पर्क किया जाएगा। यह निर्णय यहां पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में एआईसीसी महासचिवों, कांग्रेस प्रभारियों और विभिन्न आनुषंगिक संगठनों के अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक में किया गया।कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने इन निर्णयों की पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि 09 अप्रैल को अहमदाबाद में आयोजित एआईसीसी अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर पार्टी आगे बढ़ेगी। अहमदाबाद सत्र में न्याय पत्र, सम्पर्क, समर्थन और संघर्ष प्रस्ताव अपनाया गया था। उसी क्रम में 15 और 16 को राहुल गांधी गुजरात गए और उन्होंने बेलगावी अधिवेशन में पारित प्रस्ताव संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की। वहां 31 मई तक नए अध्यक्षों की नियुक्ति की जाएगी। गुजरात के बाद अन्य राज्यों

में भी डीसीसी केंद्रित संगठन सृजन अभियान चलाया जाएगा। जयराम रमेश ने बताया कि आज बैठक में तय किया गया कि देश भर में पार्टी 25 से 30 अप्रैल तक राज्य स्तर पर, 03 से 10 मई तक जिला स्तर पर, 11 से 17 मई तक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर संविधान बचाओ रैलियां करेगी। 20 से 30 मई तक घर-घर संविधान बचाओ सम्पर्क किया जाएगा। इस तरह 25 अप्रैल से 30 मई तक अहमदाबाद अधिवेशन के सामाजिक और आर्थिक न्याय के प्रस्तावों को घर-घर तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह देश के संविधान पर आक्रमण हो रहा है, न्याय और कानून के बहाने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ ईडी जैसी संस्था का दुरुपयोग किया जा रहा है, इस मुद्दे को लेकर 21 और 24 अप्रैल के दौरान विभिन्न राज्यों और जिलों में कांग्रेस प्रेस कान्फ्रेंस करेगी और सच्चाई से देशवासियों को रूबरू कराएगी। अहमदाबाद अधिवेशन में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय हमारी प्रमुख मांगें रहीं। केंद्र सरकार से हमारी ये मांगें जातिगत जनगणना, 2006 में संविधान में शामिल अनुच्छेद 15 (5) में एससी, एसटी और ओबीसी को प्रदत्त निजी शैक्षणिक संस्थाओं में आरक्षण लागू करने और आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीलिंग सीमा को संविधान संशोधन के जरिये हटाने की हैं।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने मुस्तफाबाद हादसे पर दुख जताया, मुआवजे की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के मुस्तफाबाद में 4 मंजिला इमारत के गिरने से हुई जनहानि पर दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने हताहतों से जुड़े मुआवजे की भी घोषणा की है।

राष्ट्रपति ने कहा कि दिल्ली के मुस्तफाबाद में एक इमारत गिरने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में बच्चों और महिलाओं समेत कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति वे गहन संवेदना व्यक्त करती हैं। वे घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हैं। वहीं प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में इमारत ढहने से हुई मौतों से दुखी हैं। वे घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

ईवीएम पर आरोप लगाने वाला पुलिसकर्मी नहीं था चुनाव ड्यूटी पर: चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोप लगाने वाले पुलिसकर्मी के खिलाफ महाराष्ट्र में एफआईआर दर्ज की गई है। चुनाव आयोग की जांच में सामने आया था कि पुलिसकर्मी महाराष्ट्र में चुनावों के दौरान चुनावी ड्यूटी पर नहीं था। आयोग का कहना है कि पुलिसकर्मी पहले से निलंबित और नाराज चल रहा है। कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर महाराष्ट्र के बीड में सब-इंस्पेक्टर रंजीत कासले का एक वीडियो साझा किया। 17 अप्रैल को कासले ने आरोप लगाया था कि चुनावों के दौरान उनके सामने ईवीएम से छेड़छाड़ की गई और उसे मुंह बंद रखने के लिए 10 लाख रुपये भी दिए गए। वीडियो को आधार बनाते हुए कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जांच के बजाय उल्टा पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पार्टी ने कहा कि ईवीएम में गड़बड़ी को लेकर लगातार इस तरह की बातें सामने आती रहती हैं और हर बार चुनाव आयोग इससे पल्ला झाड़ लेता है। निष्पक्ष चुनाव के लिए ऐसी बातों की जांच होना बेहद जरूरी है।

आयोग ने इस पर जांच संबंधित विषयों को आगे रखते हुए बयान दिया है। आयोग ने कहा कि पुलिसकर्मी नाराज चल रहा था और वे पहले से निलंबित है। ईवीएम से जुड़े सख्त दिशा-निर्देशों के बीच छेड़छाड़ संभव नही है। फिर भी आयोग ने सीईओ के माध्यम से जांच कराई है। बीड के जिला निर्वाचन अधिकारी और एसएसपी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि आरोप लगाने वाला पुलिसकर्मी चुनावी ड्यूटी पर नहीं था। रिपोर्ट में कहा गया है कि डीईओ ने मामले में एफआईआर दर्ज करायी है। बयान का उद्देश्य लोगों में अविश्वास पैदा करना था।

सेना ने लद्दाख में मोबाइल कनेक्टिविटी शुरू की, सीमावर्ती गांवों को भी सशक्त बनाया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने एक बड़ा कदम उठाते हुए लद्दाख के सुदूर और अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अभूतपूर्व मोबाइल कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान की है जिसमें पूर्वी और पश्चिमी लद्दाख तथा सियाचिन ग्लेशियर के अग्रिम क्षेत्र भी शामिल हैं। सेना ने बताया कि दुनिया के कुछ सबसे दुर्गम इलाकों जैसे दौलत बेग ओल्डी, गलवान, डेमचोक, चुमार, बटालिक, द्रास और सियाचिन ग्लेशियर में तैनात सैनिकों को पहली बार अब विश्वसनीय 4 जी और 5 जी मोबाइल कनेक्टिविटी तक पहुंच मिली है। यह पहल सर्दियों में 18,000 फुट से अधिक ऊंचाई पर बिलकुल अलग-थलग चौकियों में तैनात सैनिकों के लिए एक बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला साबित हुई है, जिससे उन्हें अपने परिवार और प्रियजनों के साथ जुड़े रहने में मदद मिली है। यह महत्वपूर्ण प्रयास संपूर्ण सरकारी ढांचे के तहत एक सहयोगी दृष्टिकोण के माध्यम से संभव हुआ है, जिसमें भारतीय सेना ने अपने मजबूत ऑप्टिकल फाइबर केबल बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के साथ साझेदारी की है। फायर एंड फ्यूरी कोर ने इस तालमेल को सक्षम करने में अग्रणी भूमिका निभाई है, जिसके परिणामस्वरूप सेना के बुनियादी ढांचे पर कई मोबाइल टावर लगाए गए हैं, जिनमें अकेले लद्दाख और कारगिल जिलों में चार प्रमुख टावर शामिल हैं। इस पहल का प्रभाव सैन्य कल्याण से कहीं आगे तक फैला हुआ है, यह एक महत्वपूर्ण राष्ट्र निर्माण प्रयास के रूप में उभर रहा है जो दूरदराज के सीमावर्ती गांवों के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को बदल रहा है। 'फर्स्ट विलेज' को राष्ट्रीय डिजिटल नेटवर्क से जोड़कर, यह डिजिटल डिवाइड को पाटने, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने, सीमा पर्यटन को बढ़ावा देने, चिकित्सा सहायता और आपातकालीन सेवाओं को बढ़ाने, शैक्षिक पहुंच को सक्षम करने, स्थानीय वाणिज्य को मजबूत करने में योगदान दे रहा है। इससे सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण होगा और सीमावर्ती गांवों से पलायन रूकेगा।

एचडीएफसी बैंक का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 6.6 फीसदी बढ़कर 17,616 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्?त चौथी तिमाही में एचडीएफसी बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 6.6 फीसदी बढ़कर 17,616 करोड़ रुपये रहा है। बैंक ने एक रुपये प्रति इक्विटी शेयर पर 22 रुपये का लाभांश देने की सिफारिश की है।

शेयर बाजार को दी गई जानकारी में एचडीएफसी बैंक ने बताया कि 31 मार्च, 2025 को समाप्?त चौथी तिमाही में एचडीएफसी बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 6.6 फीसदी बढ़कर 17,616 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्?त वर्ष 2023-24 की सामान तिमाही में बैंक का मुनाफा 16,512 करोड़ रुपये रहा था। बैंक के मुताबिक जनवरी-मार्च तिमाही में

उसकी कुल आमदनी 89,488 करोड़ रुपये थी, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 89,639 करोड़ रुपये रही थी। बैंक की ब्याज से आमदनी वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान 77,460 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 71,473 करोड़ रुपये थी। एचडीएफसी बैंक के निदेशक मंडल ने पिछले वित्त वर्ष 202-25 के लिए एक रुपये प्रति इक्विटी शेयर पर 22 रुपये का लाभांश देने की सिफारिश की है। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) भी मार्च, 2025 के अंत तक सकल ऋण के 1.33 फीसदी तक बढ़ गईं, जो एक साल पहले 1.24 फीसदी थीं। इसी तरह शुद्ध एनपीए यानी खराब ऋण पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के अंत में 0.33 फीसदी से बढ़कर 0.43 फीसदी हो गए। इसके अलावा एकीकृत आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ जनवरी-मार्च तिमाही में 6.8 फीसदी की वृद्धि के साथ 18,835 करोड़ रुपये रहा है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में यह 17,622 करोड़ रुपये था।

एलन मस्क इस साल के अंत में भारत आएंगे, प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के बाद शेयर किया पोस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। टेस्ला इंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क इस साल के अंत में भारत दौरे पर आएंगे। मस्क ने घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ फोन पर हुई बातचीत के एक दिन बाद की है। एलन मस्क ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा कि पीएम मोदी के साथ बात करना सम्मान की बात थी। मैं इस साल के अंत तक भारत आने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। एलन मस्क ने अपने इस पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक्स पर शेयर की गई पोस्ट का जवाब देते हुए यह बात लिखी है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एलन मस्क से बातचीत के बाद अपने एक्स पोस्ट अकाउंट पर लिखा था, 'एलन मस्क से बातचीत की और विभिन्न

मुद्दों के बारे में चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषय शामिल थे। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार क्षमता पर चर्चा की। भारत इन डोमेन में अमेरिका के साथ हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईटीसी ने मदर स्पर्श में किया 81 करोड़ का निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। रोजमर्रा की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली प्रमुख एफएमसीजी कंपनी आईटीसी लिमिटेड ने शिशु देखभाल ब्रांड मदर स्पर्श में अपनी हिस्सेदारी 26.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 49.3 प्रतिशत करने के लिए लगभग 81 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि यह निवेश दो चरणों में प्राथमिक सदस्यता और द्वितीयक खरीद के माध्यम से किया जाएगा, जिसे वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही तक पूरा कर लिया जाएगा। इस रणनीतिक निवेश के साथ आईटीसी का मदर स्पर्श में कुल निवेश बढ़कर करीब 126 करोड़ रुपये हो जाएगा। कंपनी ने यह भी संकेत दिया है कि वह आगामी दो से तीन वर्षों में पूर्व निर्धारित मूल्यांकन और शर्तों के आधार पर शेष हिस्सेदारी भी अधिग्रहित करने की योजना बना रही है। आईटीसी के पर्सनल केयर कारोबार के डिविजनल चीफ एग्जीक्यूटिव समीर सत्पथी ने कहा, यह अधिग्रहण एक भविष्य के लिए तैयार, नवोन्मेषी और उपभोक्ता-केंद्रित उत्पाद पोर्टफोलियो बनाने की हमारी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। मदर स्पर्श के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हिमांशु गांधी ने आईटीसी के निरंतर समर्थन को सराहा और कहा, आईटीसी के अनुभव और संसाधनों के साथ मदर स्पर्श अब अगली पीढ़ी की माताओं की जरूरतों को और बेहतर तरीके से पूरा कर सकेगा। यह अधिग्रहण आईटीसी की आईटीसी नेक्स्ट रणनीति के अनुरूप है, जो भविष्योन्मुख उत्पाद नवाचार, ब्रांड विस्तार और डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने पर केंद्रित है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 3.17 प्रतिशत उबलकर 64.45 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67.85 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

डीजीटीआर ने मार्च में 13 डंपिंग रोधी मामलों में अंतिम निष्कर्ष जारी किए

नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने मार्च में 13 डंपिंग रोधी मामलों में अंतिम निष्कर्ष जारी किए हैं, जिनमें से अधिकतर चीन के खिलाफ हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने मार्च में 11 जांच भी शुरू की हैं। डीजीटीआर ने विटामिन-ए पामिटेट, अघुलनशील सल्फर, एल्युमीनियम फॉयल, प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीन, डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट और सजावटी कागज जैसे उत्पादों की डंपिंग के खिलाफ अंतिम निष्कर्ष जारी किए। इन 13 मामलों में 12 चीन के खिलाफ हैं। इन जांचों में शामिल अन्य देशों में यूरोपीय संघ, जापान, ताइवान, रूस और थाईलैंड शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय के तहत डीजीटीआर डंपिंग रोधी, प्रतिकारी शुल्क और सुरक्षा उपायों सहित सभी व्यापार उपचारात्मक उपायों को लागू करने वाला सर्वोच्च प्राधिकरण है। अमेरिका और चीन के एक-दूसरे पर जवाबी शुल्क लगाने से निदेशालय की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि उच्च आयात शुल्क दोनों देशों में वस्तुओं को अधिक महंगा बना रहे हैं। ऐसे में भारत जैसे देशों में माल खपाने की कोशिश होगी।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता 23 अप्रैल से

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के अधिकारी प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए 23 अप्रैल से वाशिंगटन में तीन दिवसीय वार्ता करेंगे। इस बातचीत में टैरिफ, गैर-टैरिफ बाधाओं और सीमा शुल्क सुविधा से जुड़े 19 अध्यायों पर चर्चा होगी। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। भारतीय अधिकारियों का दल अमेरिका में आधिकारिक दल 90-दिवसीय टैरिफ विराम अवधि में वार्ता को और गति देने और द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए औपचारिक रूप से वार्ता शुरू करेगी। इससे पहले कुछ मुद्दों पर मतभेदों को दूर करने के लिए इन पर मंथन होगा। भारत के मुख्य वार्ताकार, वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल, दोनों देशों के बीच पहली आमने-सामने की वार्ता के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। अग्रवाल को 18 अप्रैल को अगला वाणिज्य सचिव नियुक्त किया गया था। वे 1 अक्तूबर से पदभार ग्रहण करेंगे। अधिकारी ने कहा, दोनों पक्ष महत्वाकांक्षा के स्तर पर चर्चा करेंगे। कार्य-दर-नियमों को आगे विकसित किया जाएगा और उन पर चर्चा की जाएगी। वार्ता का मार्ग क्या होगा? कार्य-दर-नियमों में टैरिफ, गैर-टैरिफ बाधाएं, उत्पत्ति के नियम, माल, सेवाएं, सीमा शुल्क सुविधा तथा विनियामक मुद्दे जैसे मुद्दे शामिल होंगे।

भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के संदर्भ में शामिल हैं 19 अध्याय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए दोनों देशों द्वारा अंतिम रूप दिए गए संदर्भ की शर्तों (टीओआर) में करीब 19 अध्याय शामिल हैं। इनमें माल, सेवाओं और सीमा शुल्क की सुविधा जैसे मुद्दों को शमिल किया गया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वार्ता को और अधिक गति देने के लिए भारत की एक आधिकारिक टीम अगले हफ्ते वाशिंगटन का दौरा कर रही है, ताकि प्रस्तावित भारत-अमेरिकी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने से पहले कुछ मुद्दों पर मतभेदों को दूर किया जा सके।

भारत के मुख्य वार्ताकार, वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल, दोनों देशों के बीच पहले व्यक्ति की बातचीत के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। राजेश अग्रवाल को 18 अप्रैल को अगले वाणिज्य सचिव के रूप में नियुक्त

किया गया था। वह 1 अक्टूबर से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। जानकारी के मुताबिक वाशिंगटन में अमेरिकी समकक्षों के साथ तीन दिवसीय भारतीय आधिकारिक टीम की बातचीत बुधवार, 23 अप्रैल से शुरू होगी। यह यात्रा एक उच्चस्तरीय अमेरिकी टीम के भारत दौरे के कुछ ही सप्ताह के भीतर हो रही है। उल्लेखनीय है कि दोनों पक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नए टैरिफ पर 09 अप्रैल को घोषित 90 दिनों की रोक का उपयोग करना चाहते हैं।

जिंसों में टिकाव

एजेंसी

नई दिल्ली। स्थानीय स्तर पर आवक और उठाव बराबर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिसों के भाव स्थिर रहे। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे :-

दाल-दलहनः चना 5750-5850, दाल चना 6750-6850, मसूर काली 7550-7650, मूंग

दाल 9550-9650, उड़द दाल 9000-9100, अरहर दाल 8500-8600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाजः (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपये और चावल 3450-3550 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 4280-4380, चीनी एम. 4400-4500, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4250-4350 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 15385 रुपये, मूंगफली तेल 19047 रुपये, सूरजमुखी तेल 16703 रुपये, सोया रिफाइंड 14835 रुपये, पाम ऑयल 13187 रुपये और वनस्पति तेल 16484 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

भारत ने समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार की पहली खेप निर्यात की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार का निर्यात किया है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने महाराष्ट्र से अमेरिका के लिए भारतीय अनार की पहली वाणिज्यिक समुद्री खेप भेजी है। पारंपरिक रूप से निर्यात हवाई मार्ग से किया जाता था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि भारत ने पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार का निर्यात किया है। पहले पारंपरिक रूप से निर्यात हवाई मार्ग से किया जाता था। अब उद्योग लागत प्रभावी और टिकाऊ समुद्री मार्ग माल ढुलाई के लिए अपना रहा है। मंत्रालय के

आधिकारिक बयान के अनुसार भारत ने पिछले महीने भारतीय अनार के 4,620 बक्सों की पहली समुद्री खेप, जिसका वजन लगभग 14 टन था, मार्च के दूसरे सप्ताह में अमेरिका के पूर्वी तट पर पहुंच गई। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से यह अनार अमेरिका के न्यूयॉर्क को निर्यात की गई है। एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने कहा, भारत सरकार वैश्विक बाजार के लिए भारतीय ताजा फलों को बढ़ावा देने में अग्रणी रही है। एपीडा पहले ही अनापत्ति कार्यक्रम के लिए वित्त व?यवस?था करके अमेरिका में आम और अनार जैसे भारतीय फलों के निर्यात में सहायता कर रहा है। उन?होंने कहा कि ÷अनार की बेशकीमती भारतीय भगवा किस्म÷ की ऐतिहासिक वाणिज्यिक समुद्री खेप सफलतापूर्वक अमेरिका पहुंच गई है, जो देश के ताजे फलों के निर्यात के लिए मील का पत्थर है।

एचडीएफसी बैंक का तिमाही मुनाफा 6.9 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 17622.38 करोड़ रुपये के मुकाबले 6.9 प्रतिशत बढ़कर 18834.88 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि उसे वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 18834.88 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 17622.38 करोड़ रुपये से 6.9 प्रतिशत अधिक है। हालांकि इस अवधि में उसकी कुल आय में 3.3 प्रतिशत की कमी हुई और यह 124391.35 करोड़ रुपये से घटकर 120268.76 करोड़ रुपये पर आ गया। इसी तरह उसका कुल व्यय भी 92819.42 करोड़ रुपये से कम होकर 90890.01 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी ने बताया कि उसे वित्त वर्ष 2024-25 में 70792.25 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 64062.04 करोड़ रुपये के मुकाबले 10.5 प्रतिशत अधिक है। आलोच्य अवधि में उसकी कुल आय 407994.77 करोड़ रुपये से 15.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 470915.93 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान उसका कुल खर्च भी 306407.89 करोड़ रुपये से 360499.27 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए एक रुपये अंकित मूल्य के प्रति इक्विटी शेयर पर 22 रुपये का अंतिम लाभांश घोषित करने की सिफारिश की है।

सीतारमण अमेरिका और पेरू की यात्रा पर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी 20 अप्रैल से अमेरिका और पेरू की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगी। अमेरिका की यात्रा के दौरान, केंद्रीय वित्त मंत्री 20 से 25 अप्रैल तक सैन फ्रांसिस्को और वाशिंगटन का दौरा करेंगी। सैन फ्रांसिस्को की अपनी यात्रा के दौरान, केंद्रीय वित्त मंत्री सैन फ्रांसिस्को के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन में 'विकसित भारत 2047 की नींव रखना' विषय पर मुख्य भाषण देंगी, जिसके बाद एक फायरसाइड चैट में भाग लेंगी।श्रीमती सीतारमण निवेशकों के साथ गोलमेज बैठक के दौरान प्रमुख फंड प्रबंधन फर्मों के शीर्ष सीईओ के साथ बातचीत भी करेंगी, इसके अलावा सैन फ्रांसिस्को स्थित शीर्ष सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) फर्मों के सीईओ के साथ बैठकें भी करेंगी। श्रीमती सीतारमण सैन फ्रांसिस्को में भारतीय प्रवासियों की विशेषता वाले एक कार्यक्रम में भी भाग लेंगी और वहां बसे भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगी। बाइस से 25 अप्रैल तक वाशिंगटन की अपनी यात्रा के दौरान, श्रीमती सीतारमण अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वसंत बैठक, द्वितीय जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नर (एफएमसीबीजी) बैठक, विकास समिति प्लेनरी, आईएमएफसी प्लेनरी और वैश्विक संप्रभु ऋण गोलमेज (जीएसडीआर) बैठक में भाग लेंगी। इस दौरान, श्रीमती सीतारमण अर्जेंटीना, बहरीन, जर्मनी, फ्रांस, लक्जमबर्ग, सऊदी अरब, ब्रिटेन और अमेरिका सहित कई देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी; इसके अलावा यूरोपीय संघ के वित्तीय सेवाओं के आयुक्त; एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष; एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) के अध्यक्ष; वित्तीय स्वास्थ्य के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष अधिवक्ता (यूएनएसजीएसए); और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रथम उप प्रबंध निदेशक से मुलाकात करेंगी। छब्बीस से 30 अप्रैल तक पेरू की अपनी पहली यात्रा के दौरान वित्त मंत्री वित्त मंत्रालय के अधिकारियों और व्यापार जगत के नेताओं के एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी, जो दोनों देशों के बीच मजबूत होते द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापार संबंधों पर प्रकाश डालेंगे। लीमा से अपनी यात्रा की शुरुआत करते हुए श्रीमती सीतारमण के पेरू की राष्ट्रपति दीना बोलुआर्ट और पेरू के प्रधानमंत्री गुस्तावो एड्रियनजेन से मिलने की उम्मीद है।इसके अलावा वह पेरू के वित्त और अर्थव्यवस्था, रक्षा, ऊर्जा और खान मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी; और स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ बातचीत भी करेंगी। पेरू की अपनी यात्रा के दौरान, केंद्रीय वित्त मंत्री भारत-पेरू व्यापार मंच की बैठक की अध्यक्षता करेंगी, जिसमें भारत और पेरू दोनों देशों के प्रमुख व्यापार प्रतिनिधि शामिल होंगे। श्रीमती सीतारमण पेरू में वर्तमान में काम कर रहे भारतीय निवेशकों और व्यवसायों के साथ-साथ पेरू का दौरा करने वाले भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ भी बातचीत करेंगी। महत्वपूर्ण खनिजों और कीमती धातुओं की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में पेरू के महत्व को देखते हुए, इन बैठकों के दौरान खनन क्षेत्र में अधिक सहयोग के लिए रास्ते तलाशे जाने की भी उम्मीद है, विशेष रूप से भारत की संसाधन सुरक्षा को मजबूत करने और दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच मूल्य-श्रृंखला संबंधों को सुविधाजनक बनाने के लिए।

मुंबई एयरपोर्ट 9 मई को छह घंटे के लिए बंद रहेगा, दो रनवे की होगी मरम्मत

एजेंसी

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई का छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (सीएसएमआईए) 9 मई को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक छह घंटे के लिए बंद रहेगा। इस दौरान मानसून से पहले दो रनवे बंद करके रखरखाव के लिए मरम्मत कार्य किया जाएगा। एयरपोर्ट परिचालक मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) ने एक बयान में बताया कि मानसून की शुरुआत से पहले हवाई पट्टी के रखरखाव के कारण यह फैसला लिया गया है। नियोजित शटडाउन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे के बीच होगा, जिस दौरान दो रनवे-09/27 और 14/32 से परिचालन नहीं होगा। एमआईएएल ने कहा कि यह कार्य हर साल मानसून शुरू होने से पहले हवाई अड्डे के रनवे को अच्छी स्थिति

में रखने के लिए किया जाता है। इससे जलभराव जैसी समस्याओं को रोकने में मदद मिलती है, ताकि बारिश के मौसम में उड़ानें सुरक्षित रूप से उतर सकें और उड़ान भर सकें। विशेषज्ञ टीमें रनवे की सतहों पर किसी तरह के नुकसान या टूट-फूट की जांच करेंगी और जरूरी मरम्मत करेंगी। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने कहा कि सभी एयरलाइंस और एयरपोर्ट टीमों को पहले से सूचित करने के लिए छह महीने पहले नोटिस टू एयरमैन (नोटम) जारी किया गया था। इससे एयरलाइंस को अपने उड़ान शेड्यूल को समायोजित करने की अनुमति मिल गई है।

'बदलती वैश्विक स्थिति के बीच नीतिगत कार्रवाई में आरबीआई सक्रिय'

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के बाली में 24वें एफआईएमएमडीए-पीडीएआई के वार्षिक सम्मेलन में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बोलते हुए कहा कि, पिछला साल वैश्विक स्तर पर वित्तीय बाजारों के लिए चुनौतिपूर्ण भरा रहा, वहीं वर्तमान में भी व्यापार युद्ध के कारण अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। आरबीआई गवर्नर ने उच्च मुद्रास्फीति के खिलाफ उनकी लड़ाई को अंतिम चरण में पहुंचाने और अनिश्चितता के माहौल में नए रास्ते बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता भरे माहौल में भी भारतीय वित्तीय बाजार स्थिर रहे हैं और सभी खंड ने बेहतर प्रदर्शन किया है। यह सम्मेलन में भारतीय वित्तीय बाजार - बदलते परिवेश में मार्गदर्शन पर रहा जहां मौजूदा समय में वित्तीय बाजारों के प्रदर्शन पर चर्चा की गई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा वित्तीय बाजारों ने उल्लेखनी प्रदर्शन किया है, जबकि वे अनिश्चित और अस्थिर वैश्विक वातावरण की अनिश्चितताओं से अछूते नहीं हैं। जैसा कि हमने हाल ही में मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद अपने बयान में उल्लेख किया है, हमारे घरेलू विकास मुद्रास्फीति संतुलन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जिसकी वजह से वित्त वर्ष 2026 में मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत के लक्ष्य के अनुरूप बने रहने का अनुमान है।

अमेरिकी टैरिफ से अरब देशों के गैर-तेल निर्यात को खतरा : संयुक्त राष्ट्र एजेंसी

एजेंसी

बेरूत। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग पश्चिमी एशिया (ईएससीडब्ल्यूए) के अनुसार, अमेरिका में व्यापार संरक्षणवाद में आई तेज बढ़ोतरी अरब देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा रही है, जिससे 22 अरब डॉलर मूल्य के गैर-तेल निर्यात को खतरा पैदा हो गया है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन सबसे कमजोर स्थिति में दिख रहा है, क्योंकि उसके लगभग एक चौथाई सामान अमेरिका को भेजे जाते हैं। बहरीन को भी चिन्हित किया गया है, क्योंकि वह अमेरिका को एल्यूमीनियम और रासायनिक पदार्थों का निर्यात बहुत ज्यादा करता है।

इस बीच, संयुक्त अरब अमीरात को लगभग 10 अरब डॉलर के अमेरिकी सामानों के फिर से निर्यात में रुकावट आ सकती हैं। ईएससीडब्ल्यूए ने यह चेतावनी भी दी है कि खाड़ी सहयोग परिषद

(जीसीसी) की अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक तेल कीमतों में तेज गिरावट के कारण बढ़ते वित्तीय तनाव का सामना कर रही हैं। ईएससीडब्ल्यूए ने आगे कहा, गैर-जीसीसी देशों के लिए भी वित्तीय चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। मिस्र, मोरक्को, जॉर्डन और ट्यूनीशिया को 2025 में वैश्विक बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और निवेशकों की अनिश्चितता के कारण संप्रभु ब्याज भुगतान में सामूहिक रूप से 114 मिलियन डॉलर अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है। इस कारण राष्ट्रीय बजट पर दबाव बढ़ेगा और विकास पहलों में देरी हो सकती है।

ईएससीडब्ल्यूए की रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब इस महीने की शुरुआत में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापक विरोध के बीच अपने व्यापारिक साझेदारों पर तथाकथित पारस्परिक टैरिफ लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किया। ट्रंप ने पहले कहा था, जो देश अमेरिका के साथ जुलाई 9 तक कोई समझौता नहीं कर पाते, उनके उत्पादों पर घोषित पारस्परिक टैरिफ लागू कर दिए जाएंगे। भारत के लिए, इसका मतलब होगा कि टैक्स फिर से बढ़कर 26 प्रतिशत हो जाएगा, जो पहले 10 प्रतिशत कर दिया गया था। अन्य देशों के लिए भी दरें उसी तरह संशोधित की गई हैं, जिन्होंने अमेरिका के खिलाफ टैरिफ बढ़ाने की बजाय बातचीत का रास्ता चुना है, जैसे कि चीन।

विश्व रिकॉर्ड धारक चेपनगेटिच, जेपचिरचिर ने लंदन मैराथन 2025 से नाम वापस लिया

एजेंसी

लंदन। विश्व रिकॉर्ड धारक रूथ चेपनगेटिच और मौजूदा चैंपियन पेरेस जेपचिरचिर ने लंदन मैराथन से अपना नाम वापस ले लिया है। आयोजकों ने यह जानकारी दौड़ से दो सप्ताह से भी कम समय पहले दी।केन्या की चेपनगेटिच ने पिछले साल शिकागो में महिलाओं का रिकॉर्ड तोड़ दिया था, उन्होंने 2:09:56 का समय निकाला था और 2ः10 का समय का रिकॉर्ड तोड़ने वाली पहली महिला बनी थीं। उन्हें उम्मीद थी कि 27 अप्रैल को लंदन में वे इस समय को और बेहतर कर पाएंगी। उन्होंने एक बयान में कहा, मैं लंदन में अपनी सर्वश्रेष्ठ रेस करने के लिए मानसिक या शारीरिक रूप से सही स्थिति में नहीं हूं और इसलिए मैं रेस से हट रही हूं। रेस से चूकने का मुझे बहुत दुख है और मुझे उम्मीद है कि मैं अगले साल फिर से रेस में शामिल हो पाऊंगी। उनकी हमवतन जेपचिरचिर, जो तीन बार की प्रमुख विजेता हैं और जिन्होंने चार साल पहले टोक्यो में ओलंपिक स्वर्ण जीता था, को टखने में चोट लगी है। उन्होंने कहा, मैं फिर से स्वस्थ होने पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं और उम्मीद करती हूं कि भविष्य में जब मैं पूरी तरह से फिट हो जाऊंगी, तो लंदन वापस आऊंगी।

वीर चोत्राणी और अनाहत सिंह वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप एशिया क्वालिफायर्स के फाइनल में

नई दिल्ली। मलेशिया के कुआलालंपुर में खेले जा रहे वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप क्वालिफाइंग इवेंट (एशिया) में भारत के वीर चोत्राणी और अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। वीर चोत्राणी ने सेमीफाइनल मुकाबले में हांगकांग, चीन के आठवें वरीय ची हिम वोंग को 3-1 (11-7, 11-6, 7-11, 11-4) से हराया। वेर अब फाइनल में पाकिस्तान के टॉप सीड मोहम्मद असीम खान और मलेशिया के तीसरे वरीय अमीशेनराज चंद्रन में से किसी एक के खिलाफ खिताबी भिड़ंत करेंगे।महज 17 साल की अनाहत सिंह ने भी अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए सेमीफाइनल में हांगकांग, चीन की आठवीं वरीय हेलेन टैंग को सीधे गेमों में 3-0 (11-2, 11-7, 11-6) से मात दी। फाइनल में अनाहत का सामना हांगकांग, चीन की टोबी टसे से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में भारत की अकांक्षा सालुंखे को 3-1 (11-3, 12-10, 10-12, 11-8) से हराया।इस टूर्नामेंट के विजेता खिलाड़ियों को 9 से 17 मई तक शिकागो (अमेरिका) में होने वाली वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। भारतीय खिलाड़ियों के फाइनल तक पहुंचने से देश में स्क्वैश फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

बांग्लादेश-जिम्बाब्वे टेस्ट सीरीज के मीडिया अधिकार नहीं बिकने से बीसीबी निराश

ढ़ाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष फारुक अहमद ने कहा कि बांग्लादेश-जिम्बाब्वे टेस्ट सीरीज के मीडिया अधिकार नहीं बिकने के कारण बोर्ड 'कठिन समय' से गुजर रहा है। उन्होंने यहां शुरू हो रहे पहले टेस्ट का प्रसारण करने के लिए बांग्लादेश टीवी को धन्यवाद दिया। बीसीबी ने 19 मार्च को बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज के मीडिया अधिकारों के लिए बोली लगाने के लिए प्रसारकों को आमंत्रित किया था, लेकिन सात अप्रैल को समय सीमा समाप्त होने के कारण किसी भी पक्ष ने कोई रुचि नहीं दिखाई। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड ने प्रसारकों के साथ सौदे पर बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन कोई रुचि नहीं मिलने के बाद, इसने राज्य प्रसारक बीटीवी से मैच का प्रसारण करने का अनुरोध किया और उसने ऐसा किया। फारुक ने आज ढाका में एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में वित्तीय मंदी है। हम थोड़े मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, सरकार में बदलाव के बाद इसमें कुछ समय लग रहा है। बीटीवी इसका (जिम्बाब्वे सीरीज का) प्रसारण करेगा, हम उनके आभारी हैं। बीटीवी का स्लॉट पाना वाकई मुश्किल था।

नेमार पैरों की मांसपेशियों में नई चोट के शिकार

रियो डी जेनेरियो। सैंटोस फॉरवर्ड नेमार को पैर की मांसपेशियों में नई चोट का पता चला है। 33 वर्षीय नेमार को एटलेटिको मिनेरो पर सैंटोस की 2-0 की जीत के 34वें मिनट में मैदान से बाहर होना पड़ा था। बाद में किए गए परीक्षणों में हैमस्ट्रिंग मांसपेशियों में से एक सेमीमेम्ब्रानोसस को नुकसान की पहचान की गई। अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी बयान में सैंटोस ने कहा कि नई चोट पिछली समस्या की पुनरावृत्ति नहीं थी। उन्होने पहले ही उपचार शुरू कर दिया है और मांसपेशियों को मजबूत करने का काम जारी रखेगा। हालांकि, उन्होंने अपने ठीक होने की अनुमानित समय-सीमा नहीं बताई। नेमार पिछले साल अक्टूबर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट के फटने के बाद से लगातार नरम ऊतकों की चोटों से जूझ रहे हैं। एक साल तक मैदान से दूर रहने के बाद, पिछले अक्टूबर में चोटिल हुए पूर्वकाल क्रूसिएट लिगामेंट से वापसी करने के बाद से ही नेमार को कई तरह की नरम ऊतकों की चोटों से जूझना पड़ रहा है। फॉर्म में वापसी के बाद बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के इस पूर्व स्टार को मार्च में विश्व कप क्वालीफायर के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया था।

आईपीएल 2025: लखनऊ ने राजस्थान को 2 रन से हराया, आवेश खान के आखिरी ओवर ने बदल दी बाज़ी

एजेंसी

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 36वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) ने रोमांचक अंदाज में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 2 रन से शिकस्त दी। सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में अंतिम ओवर तक संघर्ष जारी रहा, लेकिन पारी के आखिरी ओवर में आवेश खान की शानदार गेंदबाजी ने लखनऊ को जीत दिला दी।लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 180 रन बनाए। टीम के लिए एडेन मार्करम ने 66 और आयुष बडोनी ने 50 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं। अंतिम ओवरों में अब्दुल समद के तेज 30 रनों ने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। राजस्थान की ओर से वनिंदु हसरंगा ने सबसे अधिक दो विकेट लिए, जबकि जोफ्रा आर्चर, संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे को

एक-एक सफलता मिली।181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत दमदार रही। यशस्वी जायसवाल और 14 वर्षीय युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी ने पहले विकेट के लिए 85 रनों की तेजतर्रार साझेदारी की। सूर्यवंशी ने 20 गेंदों में दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 34 रन बनाए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने नीतीश राणा को सस्ते में पवेलियन भेजा। फिर यशस्वी जायसवाल और रियान पराग ने तीसरे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी कर मैच को राजस्थान की ओर मोड़ने की कोशिश की। यशस्वी ने 52 गेंदों में 74 रन बनाए, लेकिन 17वें ओवर में आवेश खान ने उन्हें आउट कर लखनऊ की वापसी करवाई। इसी ओवर में उन्होंने रियान पराग (39) को भी पगबाधा आउट कर राजस्थान को झटका दिया। अंतिम ओवर में राजस्थान को जीत के लिए 9 रनों की जरूरत थी, लेकिन आवेश खान ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए शिमरन हेटमायर को आउट कर राजस्थान की उम्मीदें तोड़ दीं। अंत में ध्रुव जुरेल (6 रन) और शुभम दुबे (3 रन) नाबाद लौटे, लेकिन टीम 178 रन ही बना सकी। लखनऊ के लिए आवेश खान ने 3 विकेट झटके और 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे। शार्दुल ठाकुर और एडेन मार्करम को एक-एक सफलता मिली।

रामगढ़ को चार विकेट से हराकर जमशेदपुर सेमी फाइनल में

एजेंसी

कोडरमा। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जा रहे इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट में चंदवारा स्थित पुलिस लाइन मैदान में जमशेदपुर और रामगढ़ के बीच क्वार्टर फाइनल मैच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रामगढ़ ने 44.3 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर 183 रन बनाए। इसमें सचिन कुमार ने 49 रन देवेश गोयल 43 रन और शुभम ने 21 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए जमशेदपुर की ओर से शिवम, युवराज, प्रभजोत ने दो-दो विकेट और समर तथा हुसैन ने एक-एक विकेट लिए। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी जमशेदपुर की टीम 35 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर विजय लक्ष्य को हासिल कर लिया। जमशेदपुर की ओर से अक्षय प्रताप ने 73 रन यशराज ने 25 रन और शिवम ने 24 रन की पारी खेली। गेंदबाजी करते हुए रामगढ़ की ओर से देवेश गोयल ने तीन विकेट आलोक टुडू ने दो विकेट और शिवम ने एक विकेट लिए।

प्रवासी कबड्डी महिला लीगः तेलुगु चीता, पंजाबी टाइग्रेस और तमिल लायनेस ने मारी बाजी

एजेंसी

गुरुग्राम। ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) में महिला मुकाबलों की धमाकेदार शुरुआत हुई, जिसमें तेलुगु चीता, पंजाबी टाइग्रेस और तमिल लायनेस ने शानदार जीत दर्ज कर दर्शकों का दिल जीत लिया। पुरुष वर्ग के मुकाबलों के साथ लीग का आगाज हुआ था। 13 दिनों तक चलने वाली यह लीग गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के मल्टीपर्ज़ हॉल में आयोजित की जा रही है, जिसका फाइनल 30 अप्रैल को खेला जाएगा। पहली बार अंतरराष्ट्रीय और भारतीय महिला कबड्डी खिलाड़ी एक साथ इस स्तर पर खेल रही हैं, जिससे यह आयोजन ऐतिहासिक बन गया है।

पहला मुकाबला:

तेलुगु चीता ने मराठी फाल्कन को 42-28 से मात दी। मैच में चीता की ओर से 24 रेड पॉइंट, दो सुपर रेड और छह ऑलआउट पॉइंट लिए गए। मराठी टीम ने तीन सुपर टैकल के जरिये वापसी की कोशिश की, लेकिन उनकी रेडिंग कमजोर रही। तेलुगु की संतुलित रणनीति और दमदार डिफेंस ने उन्हें आसान जीत दिलाई।

दूसरा मुकाबला:

पंजाबी टाइग्रेस ने भोजपुरी लेपर्डेस को 41-21 से हराकर धमाकेदार जीत दर्ज की। टाइग्रेस ने 22 रेड और 13 टैकल पॉइंट के साथ छह ऑलआउट लेते हुए दोनों ओर से दबदबा बनाया। भोजपुरी टीम केवल 12 रेड पॉइंट ही हासिल कर सकी और मुकाबले में पीछे रह गई।

तीसरा मुकाबला:

तमिल लायनेस ने हरियाणवी ईगल्स को 44-18 से करारी शिकस्त दी। तमिल टीम ने 24 रेड और 14 टैकल पॉइंट जुटाए और छह ऑलआउट के साथ पूरी तरह हावी रही। हरियाणवी टीम ने दो सुपर टैकल किए, लेकिन

तमिल टीम के जबरदस्त समन्वय और रणनीति के सामने टिक नहीं सकी। इस लीग में कुल 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं, पुरुष वर्ग में मराठी वल्चर, भोजपुरी लेपर्ड, तेलुगु पैंथर्स, तमिल लायन्स, पंजाबी टाइगर्स और हरियाणवी शार्क्स शामिल हैं। जबकि महिला वर्ग में मराठी फाल्कन, भोजपुरी लेपर्डेस, तेलुगु चीता, तमिल लायनेस, पंजाबी टाइग्रेस और हरियाणवी ईगल्स मैदान में हैं।

पूर्व क्रिकेट कप्तान अजहरुद्दीन को झटका, उप्पल स्टेडियम से उनके नाम का स्टैंड हटाने के आदेश

एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान अजहरुद्दीन को बड़ा झटका दिया है। लोकपाल न्यायमूर्ति ईश्वरैया के आदेश पर एसोसिएशन ने हैदराबाद स्थित उप्पल स्टेडियम के उत्तरी स्टैंड से अजहरुद्दीन का नाम हटाने का निर्देश दिया है। लोकपाल ने जांच के दौरान पाया कि अज़हर ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रहते हुए खुद के नाम का स्टैंड घोषित करने का एकतरफा फैसला लिया था। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन और हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व अधिकारियों के खिलाफ 2023 में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया था। एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील कांते बोस की शिकायत के आधार पर एचसीए के पूर्व अध्यक्ष अजहरुद्दीन और अन्य पूर्व पदाधिकारियों के खिलाफ उप्पल पुलिस स्टेशन में आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। हैदराबाद पुलिस ने अपनी प्राथमिक जांच में पाया कि इन सभी ने एसोसिएशन के धन का

दुरुपयोग किया था। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए थे। मामला दर्ज होने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ने कहा था कि उनके खिलाफ आरोप झूठे और साजिश के तहत लगाए गए थे।

पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में खालसा कॉलेज और डीयू एल्युमिना का जलवा

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में चल रहे पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए किरोड़ी मल कॉलेज को पुरुष हॉकी मुकाबले में 7-1 से करारी शिकस्त दी। वहीं महिला वर्ग में दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना ने भी दमदार खेल दिखाते हुए भारती कॉलेज को 10-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पकड़ मजबूत कर ली।खालसा कॉलेज की तरफ से मोहित ने दो गोल दागे और टीम की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके अलावा रिशुल अरोड़ा, तनुज, हर्ष तेवतिया, विपिन मिश्रा, सागर और पवन ने भी एक-एक गोल कर टीम का स्कोर सात तक पहुंचाया। किरोड़ी मल कॉलेज के लिए ध्रुव ने इकलौता गोल किया। शानदार प्रदर्शन के लिए मोहित को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। महिला हॉकी मुकाबले में दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना की टीम ने एकतरफा खेल दिखाते हुए भारती कॉलेज को 10-0 से हराया। टीम की ओर से सोनाली ने हैट्रिक लगाई, जबकि नीलम शर्मा, पूजा निर्दोष और सुनीता रायडू ने 2-2 गोल किए। मनिता ने भी 1 गोल कर जीत में योगदान दिया। शानदार प्रदर्शन के लिए सोनाली को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के चीफ कोच क्रेग फुल्टन का एशिया कप 2025 के लिए मजबूत कोर ग्रुप बनाने पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। झांसी में हाल ही में समाप्त हुई 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर मेन नेशनल चैंपियनशिप 2025 के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम के चीफ कोच क्रेग फुल्टन ने टूर्नामेंट में दिखी प्रतिभा और गहराई पर संतोष जताया है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन से आगामी एशिया कप 2025 की तैयारियों के लिए एक मजबूत कोर ग्रुप तैयार करने में मदद मिलेगी।फुल्टन ने कहा कि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट को बारीकी से देखा, खासकर तब जब शीर्ष टीमें आमने-सामने आईं, मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। उन्होंने कहा, जब ताकतवर टीमें भिड़ीं, तो मुकाबले बहुत करीबी थे। गोलकीपिंग से लेकर अन्य पोजिशन तक अच्छी गहराई दिखी। साथ ही कुछ ऐसे खिलाड़ी भी दिखे जो अब तक लीग में नहीं खेले हैं। क्षेत्रीय प्रदर्शन पर बात करते हुए फुल्टन ने विजेता पंजाब की सराहना की, जहां सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल थे। उन्होंने कहा कि शीर्ष चार टीमों में संतुलन और गुणवत्ता अच्छी रही, लेकिन उसके बाद की टीमों में प्रदर्शन थोड़ा कमजोर दिखा। कोर ग्रुप के चयन

को लेकर फुल्टन ने स्पष्ट किया कि उम्र नहीं, बल्कि सही खिलाड़ी को सही भूमिका के लिए चुनना प्राथमिकता है। हम ज्यादा युवा नहीं, बल्कि सही खिलाड़ी को सही पोजिशन में फिट करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जल्द ही एक प्रशिक्षण कैंप आयोजित किया जाएगा जिसमें 54 संभावित खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें से 40 खिलाड़ियों का कोर ग्रुप तैयार किया जाएगा। फुल्टन ने बताया कि अगले 18 महीने बेंच स्ट्रेंथ मजबूत करने के लिए बेहद अहम होंगे। स्काउटिंग को लेकर उन्होंने कहा कि हमने व्यक्तिगत प्रदर्शन के साथ-साथ टीम के टैक्टिकल फ्रेमवर्क में उनकी भूमिका को भी आंका। सबसे अहम था डिफेंस, चाहे वह वन-ऑन-वन हो या टीम डिफेंस। फील्ड गोल करने की क्षमता और टैक्टिकल परिस्थितियों से निपटने में सुधार की आवश्यकता को भी फुल्टन ने स्वीकारा। उन्होंने कहा, ÷ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो मैन-टू-मैन और जोनल डिफेंस के खिलाफ गेंद को कुशलता से चला सकें, स्मार्टली प्रेस करें और दबाव में आउटलेट बना सकें।

ब्रिज एशिया-मिडिल ईस्ट में भारत का स्वर्णिम जलवा, सभी टीमें वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने दुबई में आयोजित ब्रिज फेडरेशन ऑफ एशिया एंड मिडिल ईस्ट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक और एक रजत पदक अपने नाम किए। 10 से 18 अप्रैल तक चले इस टूर्नामेंट में पुरुष, महिला और सीनियर वर्ग में भारतीय टीमों ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि मिक्स्ड टीम ने रजत पदक हासिल किया। इस कामयाबी के साथ ही चारों भारतीय टीमों ने डेनमार्क में होने वाली वर्ल्ड ब्रिज चैंपियनशिप 2025 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। दुबई में हुए इस टूर्नामेंट में 9 देशों की 25 टीमों ने भाग लिया। भारतीय पुरुष टीम में सुमित मुखर्जी, राजेश्वर तिवारी, सग्निक रॉय, कौस्तभ नंदी, कौस्तुभ मिलिंद बेंद्रे और सायंतन कुशारी शामिल रहे। कोच और नॉन-प्लेइंग कैप्टन की भूमिका में देबाशीष रे रहे। महिला टीम की ओर से पूजा बत्रा, आशा शर्मा, बिंदिया कोहली, प्रिया बालसुब्रमण्यम, भारती डे और

अलका एम क्षीरसागर ने स्वर्ण पदक दिलाया। कोच और नॉन-प्लेइंग कैप्टन अरविंद वैद्य रहे। सीनियर्स टीम में रामरतनम कृष्णन, बी प्रभाकर, बाचिराजू सत्यनारायण, जग्गी बी शिवदासानी, सुभाष गुप्ता और रवि गोयनका ने जीत दर्ज की। कोच गिरीश बिजूर ने टीम का मार्गदर्शन किया।मिक्स्ड टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। इस टीम में राजीव खंडेलवाल, हिमानी खंडेलवाल, राणा रॉय, शीतल बंसल, प्रियरंजन सिन्हा और बिंदिया नायडू शामिल थे। कोच विनय देसाई रहे।

अब डेनमार्क में वर्ल्ड चैंपियनशिप में भिड़ेंगी भारतीय टीमें:47वीं वर्ल्ड ब्रिज चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 20 से 31 अगस्त तक हर्निंग, डेनमार्क में होगा। इसमें भारत समेत 35 देशों की 66 टीमें हिस्सा लेंगी। वर्ल्ड चैंपियनशिप में बर्मूडा बाउल, वेनिस कप, डी'ऑर्सी ट्रॉफी और वुहान कप जैसी प्रतिष्ठित स्पर्धाएं होंगी।

देबाशीष रे ने बताई आगे की रणनीति: टीम के चीफ-डी-मिशन और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी देबाशीष रे ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई और कहा, यह दुबई में हमारा क्लीन स्वीप रहा, लेकिन डेनमार्क में मुकाबला और कड़ा होगा। अगले 3-4 महीनों में हमें अपनी तैयारी और मज़बूत करनी होगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए कोचों की रिपोर्ट के आधार पर टीम में कुछ बदलाव संभव हैं।

क्रोएशिया के पूर्व खिलाड़ी पोक्रिवैक की कार दुर्घटना में मौत

ज़ाग्रेब (क्रोएशिया)। क्रोएशिया के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी निकोला पोक्रिवैक की अपने देश में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई है। क्रोएशियाई फुटबॉल महासंघ ने इसकी पुष्टि की है। 39 वर्षीय मिडफील्डर ने अपने करियर में दिनामो ज़ाग्रेब, एएस मोनाको और आरबी साल्ज़बर्ग के लिए खेला और 2008 से 2010 तक 15 अंतरराष्ट्रीय मैच जीते। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पोक्रिवैक को 2015 में हॉजकिन के लिंफोमा का पता चला था, जिसके कारण उन्हें पेशेवर फुटबॉल से संन्यास लेना पड़ा लेकिन वह 2021 में शौकिया फुटबॉल में लौट आए और पिछली गर्मियों में निचली लीग की टीम एनके वोजनिक में शामिल हो गए।

एशियाई अंडर-18 खिताब के बाद अब खेलो इंडिया यूथ गेम्स में चमक बिखेरने को तैयार हिमांशु

एजेंसी

नई दिल्ली। सऊदी अरब के दम्माम में आयोजित एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में भारत के हिमांशु जाखड़ ने इतिहास रच दिया। हिमांशु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 67.57 मीटर दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद अब हिमांशु की नजरें 4 से 15 मई तक बिहार में होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 पर टिकी हैं। हरियाणा के झज्जर जिले के सलाहवास गांव के रहने वाले 17 वर्षीय हिमांशु ने यह स्वर्ण पदक चीन के लू हाओ (63.45 मीटर) और उज्बेकिस्तान के रुसलान सदुल्लाएव (61.96 मीटर) को पीछे छोड़ते हुए हासिल किया। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले हिमांशु के पिता दलवीर और मां रीना भी अपने बेटे की इस उपलब्धि से बेहद खुश हैं।

नीरज चोपड़ा से लेते हैं प्रेरणा: हिमांशु ने साई मीडिया को बताया कि पांच साल पहले भाला उठाया था और शुरुआती ट्रेनिंग गांव में ही ली। पिछले कुछ सालों से वो साइ सेंटर हिसार में कोच अरविंद के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहे हैं। हिमांशु ने कहा, ÷यह अनुभव बहुत शानदार रहा। देश के लिए गोल्ड जीतना मेहनत और अच्छे प्रशिक्षण का ही नतीजा है। मेरी प्रेरणा हमेशा ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा रहे हैं। मैं उनकी विनम्रता और दबाव में भी शांत रहने की कला से बहुत कुछ सीखता हूं।

हिमांशु ने कहा, अब मेरा अगला लक्ष्य खेलो इंडिया यूथ गेम्स है, जहां मैं अपनी काबिलियत दिखाकर देश के प्रतिभा खोजकर्ताओं का ध्यान खींचना चाहता हूं। यह मंच हमारे जैसे युवाओं के लिए बहुत अहम है, जिससे हम आगे चलकर देश का प्रतिनिधित्व कर सकें। गौरतलब है कि हिमांशु ने इससे पहले 700 ग्राम के भाले में 74.56 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिसंबर 2024 में नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में किया था।

बटलर और रदरफोर्ड के तूफान ने गुजरात को नंबर एक पर पहुंचाया

एजेंसी

अहमदाबाद। जॉस बटलर (97 नाबाद) और शरफ़ेन रदरफ़ोर्ड (43) के बीच 119 रन की रिकार्ड साझीदारी की मदद से गुजरात जायंट्स (जीटी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 35वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ सात मैचों में पांच जीत के साथ औसत रन रेट के आधार पर अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंच गया है वहीं दिल्ली भी इतने ही अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। जॉस बटलर और रदरफ़ोर्ड के बीच 119 रन की साझेदारी आईपीएल में तीसरे विकेट के लिए जीटी की तरफ़ सबसे बड़ी साझेदारी है, उन्होंने सुंदर और शुभमन गिल के 90 रनों की साझेदारी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने पहले खेलते हुये निर्धारित 20 ओवर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आठ विकेट पर 203 रन बनाये थे जिसके जवाब में गुजरात ने विजय लक्ष्य 19.2 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। राहुल तेवतिया (11 नाबाद) की लगातार दो गेंदों में छक्का और चौका लगा कर अपनी टीम को शानदार जीत दिला दी।

नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में कप्तान शुभमन गिल (7) का विकेट सस्ते में गिरने के बाद साई सुदर्शन (36) का साथ देने जॉस बटलर क्रीज पर आये। दोनो ने तेजी से रन बटोरते हुये 60 रन की बहुमूल्य साझीदारी कर टीम की नींव को मजबूत किया। सुदर्शन का विकेट आठवें ओवर में कुलदीप ने लिया। बाद में बटलर ने नये बल्लेबाज रदरफोर्ड के साथ मिलकर रनों की बारिश शुरु कर दी जिसे रोकने में दिल्ली के गेंदबाजों के पसीने छूट गये। रदरफोर्ड 19वें ओवर में मुकेश कुमार का शिकार बने। आखिरी ओवर में टीम को जीत के लिये 11 रन की दरकार थी जबकि बटलर को शतक के लिये मात्र तीन रन चाहिये थे।कप्तान अक्षर पटेल ने अपने सबसे अनुभवी गेंदबाज मिचेल स्टार्क को गेंद यह सोचकर थमायी कि वह पिछले मैच का कारनामा दोहरा कर जीत दिलायेंगे मगर स्टार्क की पहली गेंद यार्कर बनने से चूकी और तेवतिया ने उसे हवा में उडाते हुये बाउंड्री के पार पहुंचा दिया और इसके साथ ही दिल्ली की जीत की उम्मीदें हवा हो गयीं। शतक से चूके बटलर ने अपनी मैच जिताऊ पारी के दौरान 54 गेंद खेल कर 11 चौके और चार छक्के लगाये।इससे पहले दिल्ली ने पहले पॉवर प्ले का भरपूर इस्तेमाल करते हुये तेज शुरुआत की और 12 रन प्रति ओवर से भी अधिक गति से रन जुटाये। हालांकि इस बीच मेहमान टीम को अभिषेक पोरल (18) और कप्तान के एल राहुल (28) का विकेट गंवाना पड़ा। तेज शुरुआत के बाद मध्यक्रम ने अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निभाया और करुण नायर (31),कप्तान अक्षर पटेल (39),ट्रिस्टन स्टब्स (31) और आशुतोष शर्मा की तेज तर्राक पारियों ने गुजरात के गेंदबाजों को न सिर्फ हताश किया बल्कि चिलचिलाती धूप में क्षेत्ररक्षकों का भी पसीना निकाल दिया। दिल्ली का स्कोर 220 से भी अधिक हो सकता था मगर गुजरात के गेंदबाजों ने पुछल्ले बल्लेबाजों को खुल कर खेलने का मौका नहीं दिया। पारी की आखिरी 14 गेंदो में सिर्फ 11 रन आये। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने स्पेल में 41 रन देकर चार महत्वपूर्ण विकेट झटके वहीं मो सिराज,इशांत शर्मा,अरशद खान और साई किशोर ने एक एक विकेट निकाला। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने पारी का आखिरी ओवर स्पिनर साई किशोर को दिया जिसमें उन्होने आशुतोष को बांधे रखा और ज़्यादा रन नहीं बनाने दिया। साथ ही प्रसिद्ध ने भी कमाल की गेंदबाज़ी करते हुए चार विकेट निकाले। वहीं सिराज ने अपने पहले दो ओवरो में काफ़ी रन लुटाने के बाद अपने दूसरे स्पैल के दो ओवरों में सिर्फ़ 14 रन देकर एक विकेट लिया। साथ ही इशांत ने भी तीन ओवरों में सिर्फ़ 19 रन ख़र्च किया।

ग्रीस के एथेंस में स्थित है
द पार्थेनॉन

इस भव्य मंदिर का निर्माण 447 ईसा पूर्व किया गया था। यह मंदिर एथेना देवी को समर्पित है। इस देवी को एथेंस के लोगों की संरक्षक माना जाता था। इस प्राचीन बिल्डिंग को 17 वीं शताब्दी में एक युद्ध के दौरान काफी नुकसान पहुंचा था। ग्रीस ने इसे सुरक्षित बनाए रखने के लिए काफी पैसा खर्च किया है। यह प्राचीन बिल्डिंग भूकंप के खतरे वाले इलाके में स्थित है।

हजारों साल पुरानी इन बिल्डिंगों को देखकर इंजीनियर हो जाएंगे शर्मिंदा!

आज आधुनिक तकनीक और श्रेष्ठ निर्माण सामग्री के बावजूद भी बेहद मजबूत बिल्डिंगों का निर्माण करना एक बड़ी चुनौती है। लेकिन प्राचीन समय में कई ऐसी बिल्डिंग्स तैयार की गईं थीं, जो सदियां बीतने के बावजूद आज भी मजबूती के साथ सुरक्षित खड़ी हैं। आज के इंजीनियर भी इन हजारों साल पुरानी बिल्डिंगों को बनाने वाले विशेषज्ञों की भवन निर्माण के ज्ञान के सामने स्वयं को बौना महसूस करते हैं। हालांकि उस समय आज की तकनीक, संसाधन और बेहतर निर्माण सामग्री उपलब्ध नहीं थी। ये बिल्डिंग्स न केवल प्राचीन ढांचा हैं, बल्कि लाखों लोगों के आकर्षण का केंद्र भी बनी हुई हैं। विश्व की कुछ ऐसे ही प्राचीन निर्माण के नमूनों को हम यहां देखेंगे।

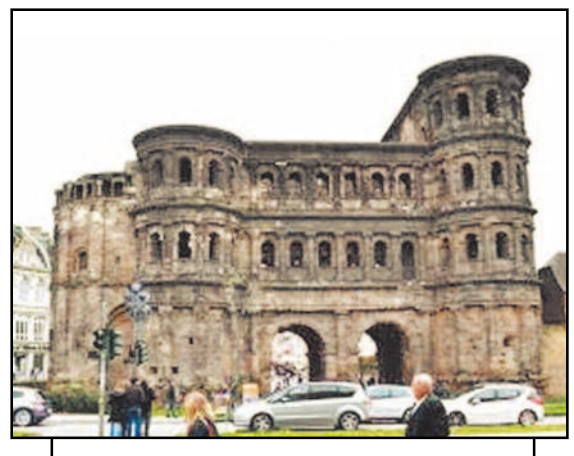

जर्मनी के ट्रियर में स्थित द पोर्टा निग्रा

जर्मनी में द पोर्टा निग्रा का निर्माण 186 से 200 ईस्वी में हुआ था। इसे सैंड स्टोन से बनाया गया है। यह रोमन साम्राज्य की एक विशाल ऐतिहासिक धरोहर है। इसका नाम भी मध्ययुग में इसके काले पत्थरों रंग पर पड़ा है। इसका पहले का नाम अज्ञात है।

सांची का स्तूप

भारत के मप्र राज्य की राजधानी भोपाल के समीप रायसेन जिले में सांची में इस स्तूप का निर्माण तीसरी शताब्दी में सम्राट अशोक ने तैयार करवाया था। इसमें भगवान बुद्ध के अवशेष रखे हुए हैं। यह दुनिया की प्राचीन सुरक्षित निर्माण कार्य में से एक है।

इंडोनेशिया के मैगेलांग का बोरोबुदुर मंदिर

इस मंदिर को दुनिया की सबसे विशाल बौद्धिस्ट ऑर्केलॉजिकल साइट माना जाता है। इस मंदिर का निर्माण 9 वीं शताब्दी में किया गया था। इस मंदिर तक ऊंची चढ़ाई पैदल तय करना होती है।

इजिप्ट के सक्कारा में डिजोसेर पिरामिड

प्राचीन मिस्र की धरोहर सक्कारा नेक्रोपेलिस में स्थित है। इसे 27 वीं ईपू में तैयार किया गया था। इस मिस्र के राजाओं को दफनाने के लिए बनाया गया था।

उंचाई - 62 मीटर (203 फीट), **आधार** - अधिकतम-125.27 मीटर (411 फीट), न्यूनतम - 109.12 मीटर (358 फीट)

इटली के रोम का कैसल सेंट एंजेलो

एक समय यह रोम की सबसे ऊंची बिल्डिंग थी। शुरुआत में इसे रोमन सम्राट हैड्रियन के मकबरा के लिए बनाया गया था। इसका निर्माण ईश्वी शताब्दी 117 में शुरू हुआ था और 138 में पूरा हुआ। अब यह एक नेशनल म्यूजियम है।

तिब्बत के ल्हासा का जोखांग मंदिर

इस बौद्ध मंदिर का निर्माण 7 वीं शताब्दी में किया गया था। यह स्थान तिब्बतियों के सबसे पवित्र स्थानों में से प्रमुख है।

आयरलैंड के काउंटी मैथ का न्यूग्रेंज

इसका निर्माण आज से 5,000 साल पहले हुआ था। इसके अंदर चेंबर बने हुए हैं, जिनमें सूरज की रोशनी सीधे पहुंच सकती है। हर 100 लॉटरी विजेता ही इसके अंदर जाकर यहां का अनुभव ले सकते हैं।

छोटी-सी बात के लिए हो गई बड़ी लड़ाई

युद्ध बहुत सी चीजों के लिए लड़े गए हैं। यह सम्मान, गौरव, आजादी जैसे कारणों के लिए उचित हो सकता है। लेकिन इतिहास में ऐसे भी कई युद्ध लड़े गए हैं, जिनके पीछे बहुत ही तुच्छ या छोटे कारण रहे हैं। आपको यह जानकर भी आश्चर्य होगा कि कभी एक कुत्ते-बिल्ली जैसे जानवरों के कारण भी युद्ध लड़े गए हैं।

हम आपको यहां कुछ ऐसे ही युद्ध के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके पीछे कारण तो बहुत छोटे और विचित्र थे, लेकिन इसके बावजूद भी युद्ध हो गए। वॉर से कभी भी मानव जाति का भला नहीं हुआ है। विचित्र कारणों से लड़े गए वॉर के बारे में आप यहां जानेंगे।

अमेरिका और ब्रिट्रेन की सेनाएं 1812 में मैने बार्डर के विवाद को लेकर अरोस्टुक का वॉर लड़ चुकी थीं। इसमें ब्रिटेन की सेना ने मैने के पूर्वी इलाके में कब्जा कर लिया था, लेकिन यहां कोई भी सैनिक तैनात नहीं थे। इस इलाके को आज भी ब्रिटिश सीमा के अंतर्गत माना जाता है। 1838 के सर्दियों के मौसम में अमेरिका के कुछ लकड़ी काटने वालों ने जलाऊ लकड़ी काट ली। इससे ब्रिटेन नाराज हो गया और उसने अपने सैनिक इस इलाके में भेज दिए। दूसरी ओर से अमेरिकी सैनिक भी आगे बढ़े और लगने लगा कि युद्ध संभावित है।

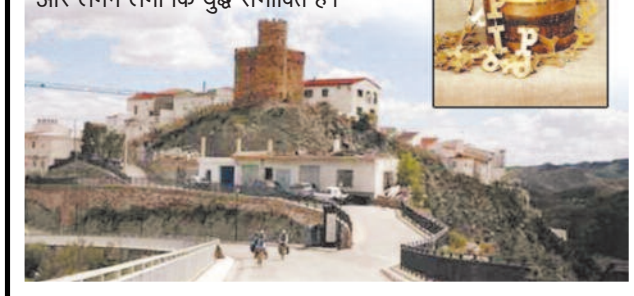

इस दौरान भूलवश अमेरिकी सैनिकों को सुअर का मांस और सेम के बीज बड़ी मात्रा में पहुंचा दिए गए। युद्ध के इंतजार में दोनों ओर की सेनाएं लंबे समय तक खड़ी रहीं, लेकिन युद्ध इसलिए नहीं हुआ क्योंकि ब्रिटेन और अमेरिका की सरकारों के बीच एक समझौता हो गया। बीमारियों और दुर्घटनाओं में दोनों पक्षों के 550 से अधिक सैनिकों की मौत हो गई। दोनों सेनाएं एक दूसरे के सामने दिसंबर 1838 से नवंबर 1839 तक डटी रहीं।

ग्रीस और बुल्गारिया के बीच शत्रुता थी और दोनों एक दूसरे के खिलाफ प्रथम विश्वयुद्ध में लड़ चुके थे। दोनों देशों के बीच 22 अक्टूबर 1925 को सीमावर्ती इलाके पेट्रिक में तनाव इसलिए बढ़ गया जब एक ग्रीक सैनिक ने अपने कुत्ते का पीछा बुल्गारिया सीमा तक किया और एक बुल्गारियन ने कुत्ते को गोली मार दी। ग्रीस ने अगले दिन बुल्गारिया की सेना को वहां से खदेड़ दिया। दस दिन तक चली इस लड़ाई में दोनों पक्षों के 42 सैनिक मारे गए। लीग ऑफ नेशन ने बुल्गारिया पर 45,000 पाउंड का जुर्माना किया।

पैरागुअन वॉर - पैराग्वे का राष्ट्रपति फ्रांसिस्को सोलानो लोपेज नेपोलियन बोनापार्ट का बहुत बड़ा प्रशंसक था और वह अपने आपको बड़ा कुशल कमांडर मानता था। उसने अपनी सैन्य कुशलता दिखाने के लिए ही1864 में अपने तीन पड़ोसी देशों अर्जेंनटीना, ब्राजील और उरुग्वे पर हमला कर दिया। यह युद्ध छह साल तक चला और 1870 में खत्म हुआ। युद्ध में पैराग्वे की 90 फीसदी पुरुष आबादी नष्ट हो गई। इसमें दोनों पक्षों से 4,00,000 से अधिक मौतें हुईं। इतिहास का यह सबसे गैर जरूरी युद्ध माना जाता है, जो बिना किसी कारण के लड़ा गया था।

लकड़ी की बॉल्टियों के लिए युद्ध - यह युद्ध 1325 में दो स्वतंत्र राज्यों मोडेना और बोलोग्ना के बीच महज लकड़ी से बनी बॉल्टी के लिए हुआ था। मोडेना के सैनिकों ने बोलोगना में एक जगह छापा मारा और लकड़ी से बनी बॉल्टियां चुराकर ले गए। बोलोग्ना ने अपने स्वाभिमान बॉल्टी वापस लाने के लिए मोडेना के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी। यह युद्ध 12 साल चला लेकिन वह बॉल्टी वापस नहीं ला सका। आज भी यह मोडेना के बेल टॉवर में बॉल्टियां रखी हुई हैं।

लिजार बनाम फ्रांस - 1883 में दक्षिण स्पेन में स्थित कस्बे लिजार के लोगों ने जब यह सुना के पेरिस में घूमने गए स्पेन के राजा अलफांसो अष्टम के साथ पेरिस के लोगों की भीड़ ने न केवल बदसलूकी की है बल्कि हमला भी बोला है। इससे नाराज लिजार के मेयर और 300 नागरिकों ने 14 अक्टूबर 1883 को फ्रांस के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी। लेकिन इसके बाद एक भी गोली नहीं चली, किसी की मौत नहीं हुई। 93 साल बाद 1976 में जब स्पेन के किंग जुआन-कार्लोस ने पेरिस की यात्रा की तो वहां के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। इससे लिज्जार टाउन के स्थानीय प्रशासन ने फ्रांस के विरुद्ध युद्ध की घोषणा वापस ले ली।

पिग वॉर - अमेरिका और ब्रिटेन के बीच पिग वार (सुअर युद्ध) जून 1859 में हुआ और इसी साल अक्टूबर में खत्म हो गया। यह लड़ाई कुछ यूं शुरू हुई कि एक ब्रिटिश सैनिक ने अमेरिका की जमीन पर घूम रहे सुअर को गोली मार दी। अमेरिकी मिलिशिया ने ब्रिटिश सैनिकों के खिलाफ लड़ाई लड़ने को खड़े हो गए और उनका इंतजार करने लगे। आखिर ब्रिटिश आर्मी के जवानों अपनी हरकत पर माफी मांग ली और सिवाय एक सुअर के किसी भी सैनिक की जान नहीं गई।

335 साल का युद्ध - यह युद्ध नीदरलैंड और ग्रेट ब्रिटेन के साउथवेस्ट समुद्री तट पर स्थित इसेल ऑफ सिसली के बीच लड़ा गया था। यह युद्ध 1651 में शुरू हुआ लेकिन इस अधिक गंभीरता से नहीं लिया गया और जल्द भुला दिया गया। तीन शताब्दी बाद दो देशों के बीच 1986 में एक शांति समझौता हुआ लेकिन यह मानव इतिहास का सबसे लंबा युद्ध गिना जाता है। लेकिन एक भी मौत नहीं हुई। **युद्ध की अवधि** - (1651-1986) तीन सौ पैंतीस वर्ष।

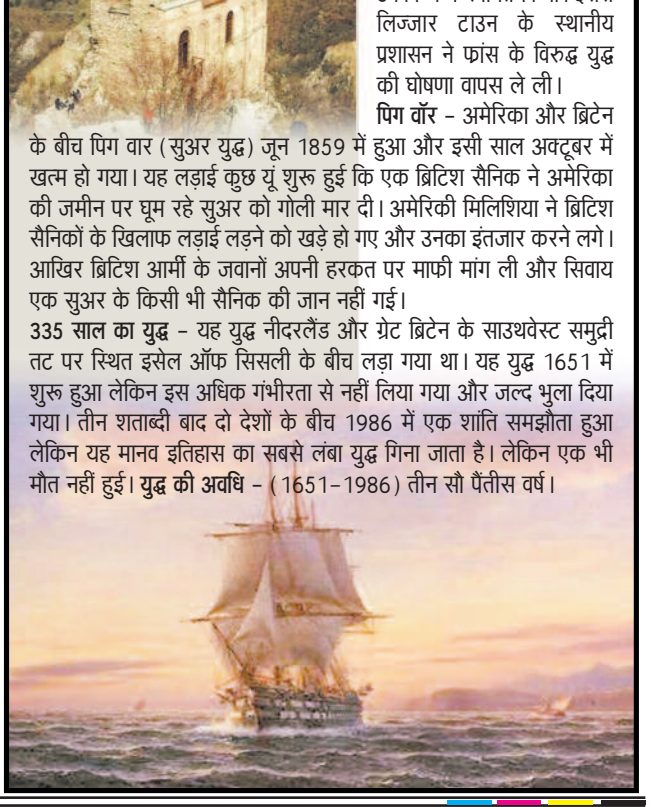

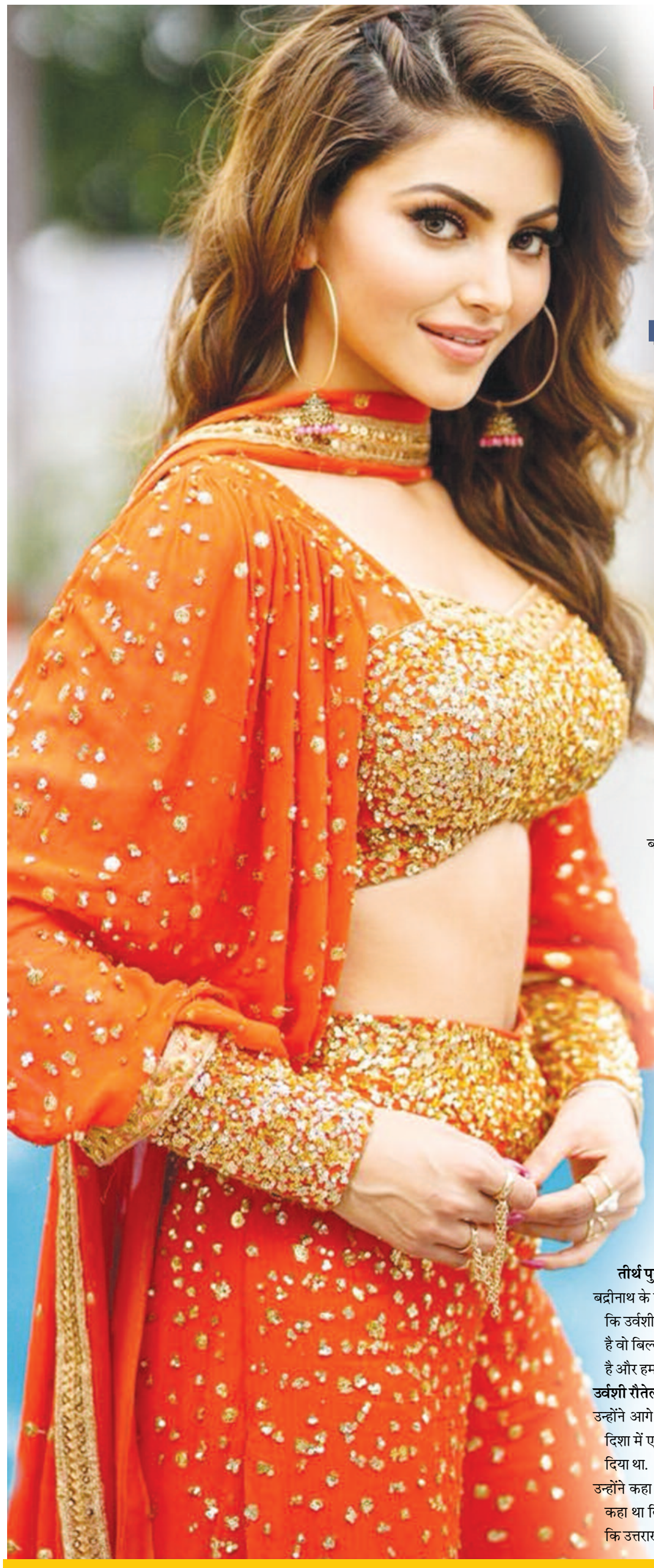

उर्वशी रौतेला

के खिलाफ कार्रवाई हो...' मंदिर वाले बयान पर बुरी फंसी एक्ट्रेस

फिल्म एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अक्सर ही अपने बयानों को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं. कई बार सोशल मीडिया पर उन्हें अपने बयानों की वजह से ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है. एक बार फिर से वो विवादों में घिर गई हैं. हाल ही में उन्होंने एक ऐसा बयान दिया, जिसको लेकर अब उनके खिलाफ कार्रवाईओ की मांग हो रही है. उनका कहना है कि उत्तराखंड में बद्रीनाथ में उनका मंदिर है.

उनके इस बयान ने एक नए विवाद को जन्म दे दिया है. साधु संतों के साथ-साथ लोगों में भी उनके खिलाफ नाराजगी दिख रही है. बद्रीनाथ मंदिर के पूर्व धर्म अधिकारी भुवन उनियाल ने कहा, हम इसका घोर विरोध करते हैं. ये बात गलत है. समाज में इसका गलत संदेश जाएगा. हमतो कहते हैं कि सरकार को ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए. जब से सुना है कि उर्वशी रौतेला बद्रीनाथ की भगवती उर्वशी की मंदिर को अपना बता रही हैं, तब से हम बहुत दुख में हैं. हम बहुत पीड़ा में हैं. इस बात का हम भारी विरोध करते हैं.

तीर्थ पुरोहित ने जताई नाराजगी

बद्रीनाथ के तीर्थ पुरोहित डॉक्टर ब्रजेश सती ने भी नाराजगी जाहिर की है और उनका भी कहना है कि उर्वशी रौतेला के खिलाफ कार्रवाई हो. उन्होंने कहा, उर्वशी रौतेला द्वारा जो बयान दिया गया है वो बिल्कुल निंदनीय है. उत्तराखंड चारधाम तीर्थ महापंचायत उनके इस बयान की निंदा करता है और हम सरकार से मांग करते हैं कि उर्वशी रौतेला के खिलाफ कार्रवाई की जाए.

उर्वशी रौतेला का दावा

उन्होंने आगे ये भी कहा, हम बद्रीनाथ और केदारनाथ मंदिर से भी मांग करते हैं कि उनको इस दिशा में एक्शन लेना चाहिए. उर्वशी ने हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत करते हुए ये बयान दिया था.

उन्होंने कहा था कि बद्रीनाथ के पास जो उर्वशी मंदिर है वो उनके लिए समर्पित है. उन्होंने ये भी कहा था कि वो चाहती हैं कि साउथ में भी उनके नाम का मंदिर बने. हालांकि, आपको बता दें कि उत्तराखंड में जो मंदिर है वो उर्वशी रौतेला का नहीं बल्कि देवी उर्वशी का मंदिर है.

मई से रामायण पार्ट 2 की शूटिंग करेंगे रणबीर कपूर , 'अशोक वाटिका' सीन के लिए तैयार हैं साई पल्लवी

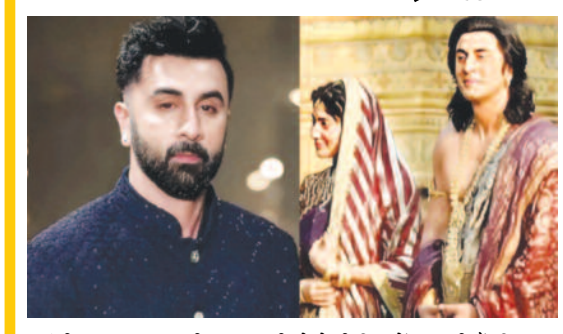

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर की दो ऐसी फिल्में आ रही हैं, जिसका इंतजार काफी बेसब्री से किया जा रहा है. पहली है संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर, और दूसरी है नितेश तिवारी की मैग्नम ओपस फिल्म रामायण-पार्ट 1 और 2. ऐसा कहा जा रहा है कि रणबीर ने रामायण के पहले पार्ट की शूटिंग खत्म कर ली है और अब जल्द ही वो दूसरे पार्ट की शूटिंग भी शुरू कर सकते हैं.बॉलीवुड के सावरिया रणबीर इन दिनों पत्नी आलिया के साथ संजय लीला भंसाली की आने वाली फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं. इस फिल्म में रणबीर और आलिया के अलावा एक्टर विकी कौशल भी लीड रोल में हैं. फिल्म की काफी हाइप है और लोगों को इसका बेसब्री से इंतजार है. खबर है कि रणबीर 'लव एंड वॉर' खत्म करने के बाद रामायण के पार्ट 2 की शूटिंग मई में शुरू कर सकते हैं.

रणबीर का लुक टेस्ट

बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की एक रिपोर्ट की मानें तो रणबीर के रामायण शूट के लिए डायरेक्टर नितेश तिवारी ने तैयारियां करनी शुरू कर दीं हैं. रामायण में प्रभू श्री राम के किरदार के लिए रणबीर को जिस तरह का लुक चाहिए वो उन्हें पार्ट 2 के लिए फिर से अचीव करना पड़ेगा, क्योंकि लव एंड वॉर के लिए उनका लुक काफी अलग है. ऐसे में एक्टर का लुक टेस्ट किया जा रहा है. साथ ही फिल्म के सेकेंड पार्ट का टोन थोड़ा डार्क होगा ऐसे में इस फिल्म के लिए कॉस्ट्यूम्स भी अलग से डिजाइन की जाएंगी.

अशोक वाटिका के सींस

मां सीता का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस साई पल्लवी जल्द ही सेकेंड पार्ट के लिए अशोक वाटिका के सींस शूट कर सकती हैं. अशोक वाटिका का सीन रामायण की स्टोरी का काफी क्रूशियल और इम्पोर्टेंट पार्ट हैं. इस सीक्वेंस के साथ दो सॉन्ग्स भी शूट किए जाने हैं, जिसे साई जल्द ही शूट कर सकती हैं. कहा जा रहा है कि मॉनसून से पहले साई इस शेड्यूल को पूरा कर सकती हैं. और अगर सब सही रहा तो इस साल अक्टूबर तक फिल्म का शूट रैप हो सकता है.

कब रिलीज होगी फिल्म

बात करें रामायण की तो इस फिल्म में प्रभू श्री राम के रोल में रणबीर और मां सीता के किरदार में साई पल्लवी के अलावा, रावण के रोल में साउथ सुपरस्टार यश और हनुमान के किरदार में सनी देओल नजर आने वाले हैं.

जब अमिताभ-गोविंदा पर अकेले भारी पड़ गए थे शाहरुख खान, 10 करोड़ी फिल्म से की थी छप्परफाड़ कमाई

शाहरुख खान ने साल 2023 में एक-दो बार नहीं बल्कि तीन-तीन बार बॉक्स ऑफिस लूटा था. पहले उन्होंने 'पठान' और फिर 'जवान' से सुर्खियां बटोरी थी. इसके बाद उसी साल 'डंकी' जैसी सुपरहिट फिल्म भी दी थी. शाहरुख की जवान उस साल की सबसे ज्यादा कमाने वाली बॉलीवुड फिल्म बनी थी. वैसे ये कारनामा शाहरुख पहले भी कर चुके हैं.शाहरुख खान की 27 साल पहले आई एक फिल्म भी उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पिक्चर साबित हुई थी. उनकी मूवी ने अमिताभ बच्चन और गोविंदा जैसे दिग्गजों की फिल्म को भी पछाड़ दिया था. शाहरुख की पिक्चर का बजट सिर्फ 10 करोड़ रूपये था, लेकिन इसने टिकट विंडो पर 106 करोड़ रुपये का कलेक्शन करके कई रिकॉर्ड ब्रेक कर दिए थे.

'कुछ कुछ होता है' थी 1998 की सबसे कमाऊ फिल्म

शाहरुख खान ने अपने 33 साल के करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों से फैंस को अपना दीवाना बनाया है. उनकी बेहतरीन फिल्मों की लिस्ट में 'कुछ कुछ होता है' को भी शामिल किया जाता है. इसमें शाहरुख ने काजोल और रानी मुखर्जी जैसी मशहूर अदाकाराओं के साथ मिलकर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था.

'कुछ कुछ होता है' 16 अक्टूबर 1998 को दिवाली के खास मौके पर रिलीज हुई थी. इसके प्रोड्यूसर यश जौहर थे, जबकि इसे डायरेक्ट किया था उनके बेटे करण जौहर ने. शाहरुख ने राहुल खन्ना, काजोल ने अंजली शर्मा और रानी मुखर्जी ने टीना मल्होत्रा नाम का किरदार निभाया था. 10 करोड़ में बनी इस फिल्म में इस तिकड़ी ने ऐसा जादू चलाया कि इसने वर्ल्डवाइड 106 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था और ये उस साल की सबसे ज्यादा कमाई वाली हिंदी फिल्म रही.

'बड़े मियां छोटे मियां' को दी थी पटखनी

1998 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई वाली फिल्म 'दूल्हे राजा' थी जिसमें गोविंदा लीड रोल में थे. जबकि उस साल की तीसरी सबसे कमाऊ फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' थी. ये फिल्म हिट साबित हुई थी लेकिन शाहरुख की 'कुछ कुछ होता है' से आगे नहीं निकल पाई. इसमें अमिताभ बच्चन और गोविंदा की जोड़ी ने फैंस का खूब मनोरंजन किया था. बड़े मियां छोटे मियां भी 10 करोड़ में ही बनी थी, लेकिन इसकी वर्ल्डवाइड कमाई 35 करोड़ रुपये ही हो पाई थी.

5 भोजपुरी स्टार्स के बारे में क्या सोचती हैं

रानी चटर्जी

वन लाइन में एक्ट्रेस ने दिया जवाब

भोजपुरी सिनेमा आज के समय में किसी पहचान की मोहताज नहीं है. इस इंडस्ट्री के कुछ सितारे देशभर में पहचाने जाते हैं और उनके गाने भी लोग खूब चाव के साथ सुनते हैं. भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने लगभग हर भोजपुरी स्टार्स के साथ काम किया है और जब उनके 5 स्टार्स के बारे में वन लाइन के अंदर चीजें पूछी गईं तो उन्होंने कॉन्फिडेंस के साथ इसका जवाब दिया था.45 साल की एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने मनोज कुमार की ब्लॉकबस्टर फिल्म ससुरा बड़ा पैसावाला (2003) से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद उन्होंने लगभग सभी भोजपुरी स्टार्स के साथ काम किया और उनके लिए एक्ट्रेस ने क्या कहा, आइए जानते हैं.

रानी चटर्जी ने भोजपुरी स्टार्स के लिए क्या कहा ?

का हाल बा पॉडकास्ट के एक एपिसोड में रानी चटर्जी पहुंची थीं जहां उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए. इस दौरान उनसे पूछा गया, 'भोजपुरी के 5 एक्टर जिनके नाम हैं उनके बारे में दो-दो बातें सभी के बारे में आपको बताना है. सबसे पहले निरहुआ जी' इसपर रानी चटर्जी ने कहा, 'वो एक सज्जन आदमी हैं, जो हर किसी को जोड़कर रखना जानते हैं.' दूसरा नाम मनोज तिवारी का लिया गया तो रानी ने कहा था, 'मनोज जी. वो बदमाश हैं.'

तीसरा नाम रवि किशन इसपर रानी ने कहा, 'रवि जी तो इंटैलिजेंट और बेहतरीन एक्टर हैं.' चौथा नाम खेसारी लाल का लिया गया इसपर रानी ने कहा, 'खेसारी जी को थोड़ा संभलकर बोलना चाहिए जहां भी बोलते हैं. खेसारी तो बहुत बड़बड़ करते हैं. बोल देते हैं वो कुछ भी और फिर वही बात उनके ऊपर बैक फायर हो जाती है. ' पांचवा नाम पवन सिंह का लिया गया इसपर रानी चटर्जी ने कहा, 'पवन जी मूडी हैं, वो अच्छों से लिए बहुत अच्छे हैं और बुरे के लिए बहुत बुरे हैं.'

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार्स कौन-कौन हैं ?

भोजपुरी सिनेमा में मनोज तिवारी, दिनेश लाल यादव, खेसारी लाल यादव, पवन सिंह और रवि किशन जैसे एक्टर्स का नाम शामिल है जो सुपसस्टार्स हैं. वहीं रानी चटर्जी, आम्रपाली दुबे, अक्षरा सिंह और मोनालिसा के नाम पॉपुलर एक्ट्रेसेस की लिस्ट में आते हैं जो अच्छी-खासी फीस चार्ज करती हैं. भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में इन सभी के नाम काफी पॉपुलर हैं और इनकी फिल्मों के साथ इनके गाने भी हिट होते हैं. अगर बात रानी चटर्जी की करें तो उन्होंने फिल्म ससुरा बड़ा पैसावाला (2003) से करियर की शुरुआत की थी जो ब्लॉकबस्टर फिल्म थी. इसके बाद उन्होंने कई ऐसी फिल्में कीं जिनमें बिना किसी बड़े एक्टर के फिल्म सुपरहिट हुई.